सुविचार
निद्रा भी कैसी प्यारी वस्तु है। घोर दुख के समय भी यही मनुष्य को सुख देती है।
-जयशंकर प्रसाद

Daily
# THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Thursday, 26 June 2025 ● Year : 03 ● Issue : 161 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com



Jacqueline Fernandez Felicitated At... 12

**SHARE**

| | | |
|---|---|---|
| संसेक्स | : | 82,755.51 |
| निफ्टी | : | 25,244.75 |

**SARAFA**

| | | |
|---|---|---|
| सोना | : | 9,250 |
| चांदी | : | 119.00 |

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

## BRIEF NEWS

### ईरान ने माना- हमारे परमाणु ठिकानों को पहुंचा नुकसान

**NEW DELHI :** ईरान ने मान लिया है कि 22 जून को अमेरिकी हमलों से उसके परमाणु ठिकानों को काफी नुकसान पहुंचा है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघई ने बुधवार को इसकी पुष्टि की है। अल जजीरा से बात करते हुए बाघई ने कहा कि अमेरिकी बस्टर बमों के हमले असरदार थे और उससे परमाणु ठिकानों को नुकसान पहुंचा है। हालांकि, बाघई ने नुकसान की डिटेल जानकारी नहीं दी। दूसरी तरफ, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नीदरलैंड में नाटो समिट में मीडिया से कहा कि ईरानी परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों के कारण 12 दिनों तक चली ईरान-इजरायल जंग रुकी। उन्होंने कहा, '12 दिनों के दौरान ईरान नर्क से गुजरा, जिसके कारण उसे परमाणु हथियार बनाने की इच्छा छोड़नी पड़ी। अगर ईरान ने फिर से न्यूक्लियर प्रोग्राम शुरू किया तो हम फिर हमला करेंगे।' अमेरिकी मीडिया हाउस सीएनएन और न्यूयॉर्क टाइम्स ने दावा किया है कि अमेरिकी हमलों से ईरान का न्यूक्लियर प्रोग्राम पूरी तरह से तबाह नहीं हुआ है। बस कुछ महीनों के लिए पिछड़ गया है।

### इजरायल से लौटे 224 भारतीय नागरिक

**NEW DELHI :** बुधवार सुबह ऑपरेशन सिंधु के तहत 224 भारतीय नागरिक इजरायल से भारत लौटे। ईरान- इजरायल के तनाव के बीच दोनों देशों से अब तक 3394 भारतीयों को भारत लाया जा चुका है। इससे पहले 24 जून की रात 12.01 बजे 282 भारतीयों को लेकर एक फ्लाइट मशहद से दिल्ली पहुंची थी। उधर, भारतीय दूतावास ने मंगलवार देर रात बताया था कि ईरान और इजरायल के बीच सैन्य संघर्ष के दौरान शुरू किए गए भारतीयों को निकालने के अभियान को बंद कर रहे हैं, क्योंकि दोनों देशों के बीच युद्ध विराम हो गया है। दूतावास ने इवैक्युएशन (लोगों को निकालने) के लिए नए नामों को रजिस्टर करने के लिए खोली गई डेस्क को बंद कर दिया।

### हल्द्वानी में उफनाती नहर में गिरी कार, चार की मौत

**HALDWANI :** तेज बरसात के बीच उफनाती नहर में एक कार गिरने से चार जिंदगियां एक पल में खत्म हो गईं बुधवार सुबह फायर ब्रिगेड दफ्तर के पीछे बहने वाली सिंचाई नहर में एक कार अनियंत्रित होकर गिर गई। कार सवार एक बच्चे समेत चार लोगों की मौत हो गई है, जबकि तीन अन्य लोग घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार उधमसिंहनगर जिलेके किच्छा के रहने वाले यह लोग कार से कहीं जा रहे थे। सुबह तेज बारिश के बीचउनकी कार अनियंत्रित होकर सिंचाई नहर में गिर गई। नहर में गिरने के दौरान कार उलटी हो गई और बहकर पुलिया के नीचे फंस गई। जिसके कारण कार के अंदर पानी घुस गया और लोग इसमें फंस गए। इससे कार में बैठे लोगों को संभलने का मौका ही नहीं मिला।

### पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की मीटिंग में झारखंड को मिली बड़ी सौगात

# झरिया संशोधित मास्टर प्लान के लिए 5940 करोड़ रुपये मंजूर, 100 वर्षों से जल रहा शहर

**PHOTON NEWS RANCHI :** बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की मीटिंग में झारखंड के लिए बड़ी सौगात दी गई। केंद्रीय कैबिनेट ने झारखंड के धनबाद जिले के बहुत पुराने मुद्दे पर स्वीकृति प्रदान कर दी। झरिया भूमिगत (अंडरग्राउंड) आग के लिए संशोधित मास्टर प्लान के लिए 5940 करोड़ रुपये की मंजूरी मिल गई। कैबिनेट में पारित प्रस्ताव की जानकारी केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। जमीन के अंदर कोयले में लगी आग के कारण झरिया शहर पिछले 100 वर्षों से अधिक समय से जल रहा है। गौरतलब है कि आग प्रभावित परिवारों को राहत देने के लिए वर्ष 2009 में झरिया मास्टर प्लान बना था।

### आग प्रभावित परिवारों को राहत देने के लिए 2009 में बना था मास्टर प्लान, 2021 में समाप्त हो गई थी अवधि

#### पुनर्वासित परिवारों के लिए बड़ी राहत

संशोधित मास्टर प्लान में आग से प्रभावित क्षेत्रों से पुनर्वासित किए जा रहे परिवारों के लिए आजीविका सृजन पर जोर दिया गया है। इससे उन्हें बड़ी राहत मिलेगी। इसके तहत कौशल विकास कार्यक्रम चलाए जाएंगे। पुनर्वास वाले परिवारों की आर्थिक आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए आय-सृजन के अवसर भी पैदा किए जाएंगे। केंद्र सरकार ने अगस्त 2009 में धनबाद जिले में आग, भूस्खलन और पुनर्वास से निपटने के लिए झरिया मास्टर प्लान को मंजूरी दी थी। इसकी कार्यान्वयन अवधि 10 वर्ष और कार्यान्वयन-पूर्व अवधि दो वर्ष रखी गई थी।

#### एक लाख रुपये का आजीविका अनुदान

मंत्री ने बताया कि संशोधित जेएमपी योजना में पुनर्वासित परिवारों की स्थायी आजीविका के साधन सृजित करने पर जोर दिया गया है। पुनर्वासित परिवारों की आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए विशेष कौशल विकास और रोजगार परक उपाय किए जाएंगे। एक लाख रुपये का आजीविका अनुदान और वैध भू-स्वामित्व धारक (एलटीएच) परिवारों और अपंजीकृत भू-धारक (नॉन-एलटीएच) परिवारों- दोनों को तीन लाख रुपये तक संस्थागत ऋण सहायता दी जाएगी।

#### 7000 करोड़ से अधिक का था पिछला प्लान

12 अगस्त 2009 को तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार ने 7112.11 करोड़ रुपये के बजट के साथ झरिया मास्टर प्लान को मंजूरी दी थी, ताकि अग्नि प्रभावित परिवारों के पुनर्वास सहित आग और भू-धंसान से जुड़ी समस्याओं का निबटारा किया जा सके। आग से निबटने की पूरी जिम्मेदारी बीसीसीएल की थी, जबकि कोलकर्मियों को पुनर्वासित करने की जिम्मेदारी बीसीसीएल और गैर बीसीसीएल कर्मियों के पुनर्वासित करने की जिम्मेदारी झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकरण (जेआरडीए) की है। बता दें कि जमीन के अंदर कोयले में लगी आग के कारण झरिया शहर पिछले 100 वर्षों से अधिक समय से जल रहा है। राष्ट्रीयकरण के वक्त झरिया कोयलांचल के करीब 17.32 स्क्वायर किलोमीटर में आग का दायरा फैला हुआ था, लेकिन यह करीब 1.53 स्क्वायर किलोमीटर क्षेत्र में सिमट चुका है।

#### सुनिश्चित होगा सुरक्षित पुनर्वास

केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने ने कहा कि योजना के चरणबद्ध कार्यान्वयन से आग तथा धंसाव से निपटने तथा प्राथमिकता पर प्रभावित परिवारों को अत्यंत विकट स्थलों से सुरक्षित पुनर्वास सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि कोयला कंपनियों के राष्ट्रीयकरण से बहुत पहले कई वर्षों तक अवैज्ञानिक तरीकों का उपयोग करके खनन किया जाता था। इससे दशकों से पूरे झरिया क्षेत्र में भूमिगत आग जल रही है। इससे स्थानीय निवासियों को बहुत परेशानी हो रही है। आग की लपटें अक्सर जमीन से ऊपर उठती हैं और अक्सर जमीन में धंस जाती हैं।

### पुणे मेट्रो के दूसरे चरण को भी हरी झंडी

**NEW DELHI :** केंद्रीय मंत्री परिषद ने बुधवार को हुई बैठक में पुणे मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण को भी हरी झंडी देवी। इसमें 12.75 किलोमीटर लंबे दो एलिवेटेड गलियारे शामिल हैं और इसे 3,626 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जाएगा। पुणे मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण के अंतर्गत दो गलियारों- वनाज से चांदनी चौक और रामवाड़ी से वाघोली को मंजूरी दी गई। ये गलियारे मौजूदा वनाज-रामवाड़ी गलियारे का विस्तार होंगे। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, ये दो एलिवेटेड गलियारे 12.75 किलोमीटर लंबे होंगे।

## शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष यात्रा पर रवाना, रचा नया इतिहास आज स्पेस में होगी लैंडिंग




**NEW DELHI @ PTI :** बुधवार को भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने एक्सिओम स्पेस द्वारा संचालित वाणिज्यिक मिशन के तहत तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा के लिए रवाना होकर इतिहास रच दिया। रूसी अंतरिक्ष यान के जरिये भारतीय अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा की अंतरिक्ष यात्रा के 41 साल बाद किसी भारतीय की यह यात्रा हो रही है। स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट ने दोपहर 12 बजकर एक मिनट पर एक्सिओम मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों के लेकर फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर से आईएसएस के लिए उड़ान भरी, जिसका दुनिया भर के लोगों ने स्वागत किया। शुक्ला के माता-पिता लखनऊ स्थित 'सिटी मॉन्टेसरी स्कूल' में इस ऐतिहासिक उड़ान के गवाह बने। इसी स्कूल से शुक्ला ने पढ़ाई की है। प्रक्षेपण के 10 मिनट बाद अंतरिक्ष यात्रियों ने धरती का चक्कर काटना शुरू कर दिया, जिसके बाद ड्रैगन अंतरिक्षयान के धरती से ऊपर 200 किलोमीटर की ऊंचाई पर कक्षा शुक्ला ने अपने संदेश में कहा, नमस्कार मेरे प्यारे देशवासियों। कमाल की सवारी थी। मेरे साथ मेरे कंधे पे मेरा तिरंगा है।




ग्रुप कैप्टन का स्पेसक्राफ्ट से आया पहला संदेश- मेरे कंधे पे है मेरा तिरंगा...

» प्रक्षेपण के 10 मिनट बाद अंतरिक्ष यात्रियों ने शुरू कर दिया धरती का चक्कर काटना

» शुक्ला के माता-पिता लखनऊ स्थित 'सिटी मॉन्टेसरी स्कूल' में बने इस ऐतिहासिक उड़ान के गवाह

### उत्पाद विभाग ने वित्त विभाग से मांगे ऑडिटर

**RANCHI :** उत्पाद विभाग ने शराब दुकानों को अपने कब्जे में लेने के लिए वित्त विभाग से ऑडिटर्स की मांग की है। जुलाई से राज्य में नयी उत्पाद नीति लागू की जानी है। नयी नीति में दुकानों की नीलामी का प्रावधान है। फिलहाल इन दुकानों को प्लेसमेंट एजेंसियों के सहारे झारखंड बिवरेजेज कॉरपोरेशन द्वारा चलाया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में लागू उत्पाद नीति में राज्य सरकार द्वारा ही खुदरा शराब दुकानों के माध्यम से शराब बेचने का प्रावधान है। इस प्रावधान के आलोक में राज्य बिवरेजेज कॉरपोरेश द्वारा प्लेसमेंट एजेंसियों के सहारे खुदरा शराब दुकानों के माध्यम से शराब की बिक्री की जाती है। अलग-अलग प्लेसमेंट एजेंसियों को 1453 खुदरा शराब दुकानों को चलाने की जिम्मेवारी दी गयी है। इन प्लेसमेंट एजेंसियों ने शराब की बिक्री से मिली पूरी रकम कॉरपोरेशन के खाते में जमा नहीं की है। इन एजेंसियों पर करीब 100 करोड़ रुपये के बकाये का अनुमान है।

### सूझबूझ से बाघ को कमरे में बंद कर स्थानीय पुलिस व वन विभाग को दी गई जानकारी

## रांची के सिल्ली में ग्रामीण के घर में घुसा बाघ, मचा हड़कंप, किया गया रेस्क्यू

**PHOTON NEWS RANCHI :** रांची जिले के सिल्ली-मुरीओपी क्षेत्र के मारदू गांव में एक ग्रामीण पुरंदर के घर में बाघ के घुस जाने की खबर से पूरे गांव में हड़कंप गया। हालांकि पुरंदर ने सूझबूझ से बाघ को एक कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस और वन विभाग को दी गई। जानकारी के अनुसार बुधवार को अहले सुबह 4:30 बजे पूरन चंद्र महतो की पुत्री सनिका कुमारी बकरी बांधने अपने घर से बाहर निकली थी, उसी समय एक बाघ कमरे में घुस गया और छिप कर बैठ गया। उसने अंदर कमरे में सो रहे पिता को इसकी सूचना दी और हल्ला करना शुरू किया। पिता ने हल्ला करने से मना करते हुए अंदर कमरे का दरवाजा बंद कर दिया, मगर अंदर कमरे की खिड़की खुली थी, जिससे बाघ अंदर कमरे में प्रवेश कर गया। सूचना पाकर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू कर लिया।

### दहशत में आया पूरा गांव, प्रशासन ने लागू की निषेधाज्ञा

#### पिंजरे में कैद

बाघ के कमरे के अंदर घुसते ही लोगों ने बाहर में लगे लोहे के दरवाजे को बंद कर दिया। काफी मशक्कत के बाद आखिरकार वन विभाग का रेस्क्यू ऑपरेशन सफल हो गया। काफी जद्दोजहद के बाद बाघ वन विभाग के पिंजरे में कैद कर लिया गया। इसके लिए पलामू टाइगर रिजर्व की टीम बुलाई गई थी।



रेस्क्यू के बाद पिंजरे के अंदर कैद बाघ।

#### जुटी लोगों की भीड़

खबर फैलते ही आसपास से ग्रामीण काफी संख्या में जुट गए। सूचना पाकर प्रमुख जितेंद्र बड़ाइक, गांव के मुखिया वार्ड सदस्य, वन विभाग के वनरक्षी एवं ओपी पुलिस भी घटना स्थल पहुंची। देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सभी आपस में चर्चा कर रहे थे कि आखिर कौन सा जानवर हो सकता है। लोग इस बात को लेकर आश्वस्त नहीं थे कि जानवर बाघ ही है।

### सुबह से ही आकाश में छाए रहे बादल, तापमान में आई गिरावट, गर्मी से राहत

## रिमझिम बारिश से बदला रांची का मौसम अगले 96 घंटे भारी वर्षा की चेतावनी

**PHOTON NEWS RANCHI :** बुधवार को झारखंड की राजधानी रांची में सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला-बदला नजर आया। सुबह से ही आकाश में बादल छाए रहे। रुक-रुक कर रिमझिम बारिश होती रही। इससे तापमान में गिरावट आई। इससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। इधर, झारखंड में अगले 96 घंटे भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। गुरुवार को तीन जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है, वहीं पांच जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी कर लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। आईएमडी ने अपने पूवार्नुमान में बताया है कि राज्य के दक्षिण-पश्चिमी भाग में कहीं-कहीं पर बहुत भारी बारिश हो सकती है।

### मौसम विभाग ने जारी किया ऑरेंज और येलो अलर्ट

- तीन जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा व पांच जिलों में हो सकती है भारी बारिश
- 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाओं के चलने का अनुमान

## प्रधानमंत्री ने आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में शामिल योद्धाओं को किया सलाम



**AGENCY NEW DELHI :** देश में साल 1975 में थोपे गए आपातकाल की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को 'संविधान हत्या दिवस' पर इस काले कालखंड की लड़ाई में शामिल हर योद्धा को सलाम किया है। उन्होंने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर लिखा, हम अपने संविधान में निहित सिद्धांतों को मजबूत करने तथा विकसित भारत के अपने सपने को साकार करने के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराते हैं। हम प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुएं तथा गरीबों और वंचितों के सपनों को पूरा करें।

- पीएम मोदी ने 'संविधान हत्या दिवस' के संबंध में 'एक्स' पर किए कई पोस्ट
- भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा करने और उसके आदर्शों को बनाए रखने पर दिया जोर

#### आरएसएस का था युवा प्रचारक

पीएम ने लिखा, आज भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक, आपातकाल लागू होने के पचास साल पूरे हो गए हैं। भारत के लोग इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाते हैं। इस दिन, भारतीय संविधान में निहित मूल्यों को दरकिनार कर दिया गया, मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया, प्रेस की स्वतंत्रता को खत्म कर दिया गया और कई राजनीतिक नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्रों और आम नागरिकों को जेल में डाल दिया गया। ऐसा लग रहा था जैसे उस समय सत्ता में बैठी कांग्रेस सरकार ने लोकतंत्र को बंधक बना लिया था। प्रधानमंत्री ने तब के क्रूर कालखंड याद करते हुए लिखा, जब आपातकाल लगाया गया था, तब मैं आरएसएस का युवा प्रचारक था। आपातकाल विरोधी आंदोलन मेरे लिए सीखने का एक अनुभव था।

**बेहतर संभावना** | पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार ने हर स्तर पर किए प्रयास

## देश की चक्रवात चेतावनी प्रणाली में लगातार देखा जा रहा सुधार

**PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK :** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के 11 साल पूरे होने के बाद विविध क्षेत्रों में उपलब्धियों का आकलन कई स्तरों पर जारी है। यह काम सरकारी स्तर से लेकर पार्टी के संगठन के साथ अन्य निजी संस्थाओं के माध्यम से किया जा रहा है। विज्ञान, तकनीक, कृषि, सामाजिक कल्याण और प्रतिरक्षा के क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि मौसम विज्ञान के क्षेत्र में भी उपलब्धियों का खाका प्रशंसनीय दिख रहा है। यह महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है कि पिछले 11 वर्षों में देश में चक्रवात चेतावनी प्रणाली में काफी हद तक सुधार हुआ है और यह सटीक बनने की ओर अग्रसर है। चंद दिन पहले पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) के सचिव डॉ. एम. रविचंद्रन ने बताया है कि पिछले एक दशक में चक्रवात चेतावनी प्रणाली में अपेक्षित सटीकता आई है। 48 घंटों के अंदर भूस्खलन के पूवार्नुमान में 65 प्रतिशत और भारी बारिश, कोहरा और लू जैसी अन्य गंभीर मौसम की घटनाओं में 40 प्रतिशत तक सुधार हुआ है।

### पहले की अपेक्षा पूर्वानुमानों में 40 प्रतिशत तक सटीकता का हुआ विकास

### 48 घंटों के अंदर लैंडस्लाइड के पूर्वानुमान में 65% तक सामने आई एक्यूरेसी

- मानसून के पूर्वानुमान में आए बदलावों के कारणों का समझाया गया वैज्ञानिक आधार
- राष्ट्रीय मानसून मिशन के तहत बनाया गया सांख्यिकीय से भौतिकी आधारित मॉडल
- अनुसंधान के बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकी में निरंतर निवेश से सुधरा सिस्टम



पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव डॉ. एम. रविचंद्रन ने विस्तार से दी जानकारी

#### पिछले साल शुरू किया गया था मिशन मौसम

विभागीय सचिव ने 2014 से 2025 तक मंत्रालय की प्रमुख उपलब्धियों को बताया और कहा, ये सुधार पिछले एक दशक में अनुसंधान के बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकी में निरंतर निवेश का परिणाम हैं। सितंबर 2024 में सरकार ने भारत को मौसम के लिए तैयार और जलवायु के प्रति स्मार्ट बनाने के लिए एक राष्ट्रव्यापी पहल मिशन मौसम भी शुरू की।

#### महासागर विज्ञान और मानवयुक्त पनडुब्बी

रविचंद्रन ने बताया कि महासागर विज्ञान में डीप ओशन मिशन ने मत्स्य-6000 के सफल गीले बंदरगाह परीक्षणों के साथ एक महत्वपूर्ण मोड़ को चिह्नित किया, जो भारत की मानवयुक्त पनडुब्बी है। यह समुद्र तल से 6000 मीटर नीचे तक पहुंचने में सक्षम है। इससे गहरे समुद्र में अन्वेषण और समुद्री संसाधनों के सतत निष्कर्षण का मार्ग प्रशस्त होगा। रविचंद्रन का कहना है कि हमने हिंद महासागर में दो सक्रिय और दो निष्क्रिय हाइड्रोथर्मल वेंट भी खोजे हैं। जैव विविधता सर्वेक्षणों में 23 नई प्रजातियों की पहचान की है, जिससे महासागर विज्ञान में भारत की स्थिति मजबूत हुई है। मंत्रालय ने भारत के अनन्य आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) से अनुमानित 9.2 लाख टीडब्ल्यूएच वार्षिक अक्षय ऊर्जा क्षमता का आकलन करने के लिए एक एकीकृत महासागर ऊर्जा एटलस भी जारी किया है।

### 2026 से अब 2 बार होगी सीबीएसई 10वीं की परीक्षा

**NEW DELHI :** सीबीएसई (सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन) 10वीं के स्टूडेंट 2026 से साल में 2 बार एग्जाम देंगे। एग्जामिनेशन कंट्रोलर संयम भारद्वाज ने बुधवार को यह जानकारी दी है। नए परीक्षा पैटर्न के मुताबिक, पहली परीक्षा सभी छात्रों के लिए जरूरी होगी और दूसरी ऑप्शनल। पहली परीक्षा फरवरी और दूसरी मई में होगी। नतीजे अप्रैल और जून में जारी किए जाएंगे। इसके साथ ही सप्लीमेंट्री एग्जाम खत्म कर दिए गए हैं। 12वीं बोर्ड पर अभी यह फैसला लागू नहीं होगा। दूसरी परीक्षा यानी ऑप्शनल एग्जाम में छात्रों को साइंस, मैथमेटिक्स, सोशल साइंस और लैंग्वेजेस में से किन्हीं 3 सब्जेक्ट में अपनी परफॉर्मेंस सुधारने की इजाजत दी जाएगी। विंटर बाउंड स्कूलों के छात्रों को दोनों परीक्षाओं में से किसी में भी बैठने की इजाजत होगी। अगर कोई छात्र पहली परीक्षा में 3 या अधिक सब्जेक्ट्स में शामिल नहीं हुआ है, तो उसे दूसरी परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

BRIEF NEWS

## महामाया मंदिर से लाखों के जेवर चोरी

**RAMGARH :** जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में से एक महामाया मंदिर को भी चोरों ने नहीं बक्शा। इस मंदिर में भी सेंध लगाकर चोरों ने लाखों रुपए के जेवर और नगदी उड़ा लिए। इस मामले में मंदिर कमेटी के सचिव झलक देव महतो ने रामगढ़ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। सूचना के बाद बुधवार को रामगढ़ थाना प्रभारी पीके सिंह खुद मौके पर पहुंचे और उन्होंने घटनास्थल का मुआवजा किया। उन्होंने बताया कि चोरों के आने और जाने के रास्ते के अलावा उन सुरागों को भी ढूंढा जा रहा है, जिससे उनकी पहचान हो सके। उन्होंने कहा कि जल्द ही चोर गिरफ्तार कर लिए जाएंगे। मंदिर कमेटी के सचिव झलक देव महतो ने पुलिस को बताया कि चोरों ने 10 ग्राम का सोने का नथिया, पांच ग्राम का सोने का टीका, सोने का पानी चढ़ा हुआ दो नेकलेस, आधा किलो के चांदी के तीन मुकुट, चांदी का चार छत्र, दान पेटी में मौजूद 10,000 रुपए , सीसीटीवी कैमरे, डीवीआर, एलइडी टीवी और बर्तन तक ले गए। रामगढ़ थाना प्रभारी पीके सिंह ने चोरी की वारदात की बारीकी से जांच की। इसके बाद उन्होंने कहा कि जेवर चुराने वाले चोर जल्द गिरफ्तार किए जाएंगे। पुलिस उनकी पहचान के लिए विभिन्न स्थानों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरे भी खंगाल रही है। कितने लोग आए थे और उन्होंने मंदिर का ताला किस चीज से तोड़ा इसका भी पता लगाया जा रहा है।

## 25 लाख रुपये के साथ दो साइबर ठग धराए

**JAMTARA :** जामताड़ा साइबर थाने की पुलिस को अबतक की सबसे बड़ी ठगी की रकम रिकवरी करने में सफलता मिली है। बुधवार की सुबह जामताड़ा शहर के गायछंद मोहल्ले में परेश मंडल के घर पर छापेमारी के दौरान दो साइबर अपराधी हाथ लगे। ये शातिर यहां ठगी की रकम को बांटने की फिराक में इकट्ठे हुए थे। छापेमारी के दौरान के दौरान आरोपियों के पास से 25 लाख 20 हजार रुपये कैश बरामद हुए हैं, जबकि इनके पास से करीब 22 लाख रुपये की हुंडई कार, एक लैपटॉप, 10 मोबाइल, 20 सिम कार्ड, पांच एटीएम कार्ड व एक चेकबुक भी बरामद हुए हैं। पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी प्रदीप कुमार मंडल करमाटांड़ थाना क्षेत्र के ताराबहाल का रहने वाला है। दूसरा अपराधी रघुवीर मंडल करमाटांड़ थाना क्षेत्र के कासीटांड़ का रहने वाला है। रघुवीर के पिता वर्तमान में जामताड़ा के गायछंद मोहल्ले में घर बनाकर रह रहे हैं और इसी घर से साइबर ठगी का धंधा संचालित हो रहा था। इस बात की जानकारी बुधवार देर शाम प्रेस कांफ्रेंस के दौरान जामताड़ा एसपी राजकुमार मेहता ने दी। एसपी ने बताया कि विभागीय गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो की अगुवाई छापेमारी कर आरोपियोंको रंगेहाथों दबोचा है। आरोपियोंके पास से एक लैपटाप, 10 मोबाइल, 20 सिम कार्ड, पांच एटीएम कार्ड व एक चेकबुक बरामद भी बरामद हुआ है। सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

# धनबाद में गैंगस्टर प्रिंस खान के 9 गुर्गे गिरफ्तार, कराया पैदल मार्च

## एसएसपी प्रभात कुमार के एक्शन से अपराधियों में मचा हड़कंप

**PHOTON NEWS DHANBAD :** कोयलांचल में दहशत का पर्याय बने गैंगस्टर प्रिंस खान और उसके गिरोह के खिलाफ पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है। विदेश में बैठकर व्यवसायियों को धमकाने और रंगदारी वसूलने वाले प्रिंस खान के 9 शातिर गुर्गों को धनबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इन अपराधियों के पास से 5 पिस्टल, 27 कारतूस, 4 मोटरसाइकिल और 6 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार हुए सभी अपराधियों का नाम पिछले साल शहाबुद्दीन हत्या मामले में सामने आया था। यह गिरोह रंगदारी वसूली और पैसे पहुंचाने का काम करता था। कुछ व्यवसायियों के नाम भी सामने आए हैं, जो रंगदारी की रकम देते थे।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एसएसपी प्रभात कुमार ● फोटोन न्यूज

धनबाद के नए एसएसपी प्रभात कुमार ने पदभार संभालने के एक महीने के अंदर ही यह कड़ा एक्शन लिया है। उन्होंने अपराधियों और प्रिंस खान का खौफ खत्म करने के लिए गिरफ्तार आरोपियों को रणधीर वर्मा चौक से जेल तक पैदल मार्च कराया। इस दौरान राहगीर इन अपराधियों को देखकर हैरान रह गए और उत्सुकतावश पूछ रहे थे कि ये कौन हैं।

**गिरफ्तार अपराधियों में कई नामचीन नाम शामिल**

पुलिस ने जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उसमें पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत चक्रधरपुर के मो. हाशिम (45), पीर मोहम्मद उर्फ गबरू (24), पूर्वी सिंहभूम जिला अंतर्गत मानगो के अजय कांडेयांग, बबलू कांडेयांग, पिंटू लोहार, सरायकेला-खरसावां जिले के मो. एहसान, धनबाद के मो. सरवर, तनवीर आलम और सैफ अली उर्फ मुन्ना शामिल हैं।

**एसएसपी ने कहा**

एसएसपी प्रभात कुमार ने मीडिया से कहा कि सभी गिरफ्तार अपराधी प्रिंस खान के लिए काम करते थे और किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे। गुप्त सूचना के आधार पर यह गिरफ्तारी की गई है। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि शहाबुद्दीन हत्याकांड में इनका सीधा हाथ था।

### अपराधियों ने दो व्यवसायियों को मारी गोली

**HAZARIBAG :** हजारीबाग जिला के केरेडारी प्रखंड स्थित पतरा पुल के समीप बुधवार को अपराधियों ने सुकर व्यवसायी को गोली मार दी। गोली लगने से बड़कागांव थाना क्षेत्र के उरीमारी लुरूंगा निवासी कुलेश्वर बेदिया पिता चेता बेदिया व बैजू बेदिया पिता गणेश बेदिया गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। कुलेश्वर बेदिया के सीने में गोली लगी हैं। जो शरीर में अटका हुआ हैं। वहीं बैजू बेदिया के हाथ को छूते हुए गोली निकल गई। घटना की सूचना मिलते ही सीकरी ओपी के एसआई संजीव कुमार दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए केरेडारी ले गए । जहां जेएलकेएम नेता बालेश्वर कुमार और केरेडारी थाना प्रभारी विवेक कुमार के पहल पर गंभीर रूप से घायल कुलेश्वर बेदिया को बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया गया। गोली बारी की घटना में शामिल तीन बाइक सवार भागने में सफल रहें। केरेडारी और सीकरी ओपी पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई हैं। दोनों घायल युवक सुकर पालन का कार्य करते हैं।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एसपी शादिक अनवर

## पैसे लेने आए पीएलएफआई के दो उग्रवादी हुए गिरफ्तार

**LOHARDAGA :** पुलिस ने प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीएलएफआई के दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पैसे लेने आए दोनों उग्रवादियों को कुडू थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। लोहरदगा एसपी सादिक अनवर रिजवी ने बुधवार को कॉन्फ्रेंस आयोजित कर पूरे मामले का खुलासा करते हुए बताया की कुडू थाना क्षेत्र अंतर्गत लवागाई में पुलिया निर्माण कार्य करने वाले संवेदक से प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीएलएफआई की ओर से लगातार लेवी की मांग की जा रही थी और लेवी नहीं देने पर जान से मारने और आगजनी करने की धमकी दी जा रही थी। वहीं बीते दिन पूल निर्माण कार्य में लगे वाहनों को जलाने का प्रयास किया गया और पीएलएफआई नक्सली संगठन के नाम पर पोस्टरबाजी की गई। लोहरदगा पुलिस ने जाल बिछाकर नक्सलियों को लेवी के पैसे देने के लिए बुलाया और रंगेहाथ 30 हजार रुपए के साथ दोनों नक्सलियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार नक्सलियों की पहचान खूंटी जिला के घाघरा गांव के रहने वाले निखिल मुंडा उर्फ पिंटू और सुनील संगा के रूप में हुई है।

# पलामू में मेडिकल छात्रों ने किया विरोध प्रदर्शन निलंबन लौटाने के बाद खत्म हुआ हंगामा

## अनुशासन समिति ने दो छात्रों को किया था निलंबित, विरोध में उतरे सभी डॉक्टर

**AGENCY PALAMU :** पलामू में बुधवार को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल में छात्रों का जोरदार हंगामा हुआ। यह विरोध उस वक्त शुरू हुआ, जब कॉलेज प्रशासन की अनुशासन समिति ने दो छात्रों को निलंबित कर दिया। इसके विरोध में करीब 90 इंटर्न और 490 जूनियर डॉक्टर सड़क पर उतर आए और हॉस्पिटल सुपरिटेंडेंट कार्यालय के पास प्रदर्शन किया। छात्रों का आरोप है कि कॉलेज के प्रिंसिपल जानबूझकर छात्रों को व्यक्तिगत तौर पर निशाना बनाते हुए उन पर दबाव डाल रहे हैं। छात्रों का कहना है कि उन्हें धमकियां दी जाती हैं और करियर खत्म करने की बात तक कही जाती है। विरोध प्रदर्शन के चलते मेडिकल कॉलेज की ओपीडी सेवाएं प्रभावित रहीं, जिससे मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

प्रदर्शन करते मेडिकल कॉलेज के छात्र व चिकित्सक ● फोटोन न्यूज

### प्रशासन और छात्रों में सुलह, खत्म हुआ आंदोलन

मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल पीएन महतो, सुपरिटेंडेंट और सीनियर डॉक्टरों ने छात्रों से वार्ता कर मामले का समाधान किया। संवाद के बाद छात्रों का निलंबन वापस ले लिया गया और फाइन भी खत्म कर दिया गया है।

### नियमों का पालन जरूरी : प्रिंसिपल पीएन महतो

मामले के समाधान के बाद प्रिंसिपल पीएन महतो ने छात्रों से नियमों का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कॉलेज परिसर में छात्रों को बाइक चलाते समय हेलमेट अवश्य लगाना होगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया कि छात्रों को प्रशासन की ओर से कोई धमकी या डराने का प्रयास नहीं किया गया है।

### राज्य सरकार तक पहुंची छात्रों की शिकायत

दूसरी ओर, छात्रों ने राज्य सरकार को एक पत्र लिखकर कॉलेज के प्रिंसिपल को हटाने की मांग की है। राज्य सरकार को लिखे पत्र में छात्रों ने प्रिंसिपल पर करियर खत्म करने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

# तीन करोड़ की लागत से बनई नदी पर बनाया जाएगा डायवर्सन : सांसद

**AGENCY KHUNTI :** खूंटी-सिमडेगा मुख्य मार्ग पर क्षतिग्रस्त बनई नदी पुल के पास आवागमन बहाल करने के लिए तीन करोड़ रुपये की लागत से डायवर्सन का निर्माण कराया जाएगा। गुरुवार से डायवर्सन का काम शुरू हो जाएगा। यह जानकारी सांसद कालीचरण मुंडा ने दी।

उल्लेखनीय है कि सांसद ने इस मुद्दे को लेकर राज्य की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका सिंह पांडेय से मंगलवार को मुलाकात की थी।

उल्लेखनीय है कि 19 जून को हुई भारी बारिश के कारण खूंटी-तोरपा-कोलेबिरा पथ के 8वें किमी पर पेलौल गांव के पास स्थित पुल टूट गया था। बारिश के कारण ओलम्पियन निक्की प्रधान के गांव हेसल और सांसद कालीचरण मुंडा के पैतृक गांव माहिल जानेवाले रास्ते में भी निमार्णाधीण पुलिया का डाईवर्सन ध्वस्त हो गया है। इससे आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह से मिलते सांसद कालीचरण मुंडा व विधायक सुदीप गुड़िया

### तोरपा विधायक ने भी मंत्री को समस्याओं से कराया अवगत

तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया ने भी मंगलवार को ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका सिंह पांडेय से उनके आवास पर मुलाकात कर अपने विधानसभा क्षेत्र के दो क्षतिग्रस्त पुलों के पुनर्निर्माण की मांग की थी। उन्होंने बताया कि हाल की भारी बारिश में खूंटी-कोलेबिरा मुख्य मार्ग स्थित पेलौल के पास तजना नदी पर बना पुल टूट गया है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। विधायक ने मंत्री को बताया कि आगामी सावन में इस मार्ग से आम्रेश्वरधाम जाने वाले कांवरियों को भी भारी कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि कमडारा-बानो मार्ग पर सोय नाले पर बना पुल भी क्षतिग्रस्त है, जिससे ग्रामीणों, विद्यार्थियों और आपात सेवाओं को आने-जाने में परेशानी हो रही है। विधायक ने दोनों स्थानों पर यथाशीघ्र तकनीकी टीम भेजकर स्थल निरीक्षण कराने और वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की थी।

### मेटलर्जी छात्रों के लिए प्रारंभ हुआ 'बिहाइंड द टीचर्स डेस्क'

**JAMSHEDPUR :** सामग्री और धातुकर्म अभियांत्रिकी पर राष्ट्रीय स्तर के छात्रों के लिए संगोष्ठी 'बिहाइंड द टीचर्स डेस्क'(बीटीटीडी-2025) का 14वां संस्करण बुधवार को प्रारंभ हुआ। 25-27 जून तक चलने वाले कार्यक्रम का प्रथम सत्र बुधवार को आदित्यपुर स्थित एनआईटी जमशेदपुर, जबकि द्वितीय सत्र बमार्माइंस स्थित एनएमएल ऑडिटोरियम में हुआ। यह कार्यक्रम भारतीय धातु संस्थान (आईआईएम) जमशेदपुर चैप्टर द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जमशेदपुर; सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (एनएमएल) और टाटा स्टील लिमिटेड के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। संगोष्ठी का उद्घाटन मुख्य अतिथि, डॉ. संदीप घोष चौधरी (निदेशक, सीएसआईआर-एनएमएल, जमशेदपुर), विशिष्ट अतिथि डॉ. गौतम सूत्रधार (निदेशक, एनआईटी जमशेदपुर) और चैतन्य भानु (उपाध्यक्ष, टाटा स्टील लिमिटेड), डॉ. अतनु रंजन पाल (अध्यक्ष, आईआईएम जमशेदपुर चैप्टर), ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) अरुण गांगुली (महासचिव, आईआईएम) और डॉ. चिरदीप घोष (अध्यक्ष, बीटीटीडी-2025) ने स्मारिका विमोचन के साथ किया।

# कोडरमा में सड़क दुर्घटना में बच्चे की मौत, दो घायल

**AGENCY KODERMA :** कोडरमा थाना अंतर्गत होली फैमिली के समीप टोटो की चपेट में आने से पांच वर्षीय बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक बच्चे की पहचान विनय हांसदा (पिता सुदीप हांसदा, होली फैमिली) के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार बुधवार को चालक संगीता कुमारी नामक बच्ची, एक अन्य व्यक्ति खीरू सिंह (35) को झुमरीतिलैया से अपने टोटो में बैठाकर कोडरमा जा रहे थे। होली फैमिली के समीप महिलाएं सड़क पर खड़ी थीं। इसी दौरान एक बच्चा अचानक सड़क पर दौड़ गया और बिल्कुल टोटो के सामने आ गया।

बच्चे को बचाने का प्रयास किया गया, लेकिन वह टोटो की चपेट में आ गया। इससे वह घायल हो गया और टोटो भी नियंत्रण बिगड़ जाने के कारण पलट गया। इससे टोटो में बैठी बच्ची भी घायल हो गई।

इधर, घायल बच्चे और बच्ची को स्थानीय लोगों की मदद से सदर अस्पताल कोडरमा ले जाया गया। जहां इलाज के क्रम में बच्चे की मौत हो गई। वहीं टोटो में सवार बच्ची और टोटो सवार अन्य दो लोगों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है।

इधर, बच्चे की मौत की खबर सुनकर बच्चे के परिजन सदर अस्पताल पहुंचे। कोडरमा पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया।

अस्पताल पहुंचे पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

### 27 जुलाई से 23 केंद्रों पर होगी स्नातक परीक्षा

**JAMSHEDPUR :** कोल्हान विश्वविद्यालय ने स्नातक (सत्र 2024-28) पहले सेमेस्टर के परीक्षा का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसके तहत परीक्षा दो पालियों में 27 जुलाई से शुरू होगी और 5 अगस्त तक चलेगी। जारी नोटिफिकेशन के तहत इस परीक्षा की पहली पाली सुबह 9.30 बजे से शुरू होकर दोपहर 12.30 बजे तक संचालित होगी। वहीं दूसरी पाली दोपहर 2 बजे से शुरू होकर शाम 5 बजे तक संचालित होगी। दोनों पाली की परीक्षा शुरू होने के आधा घंटा पहले छात्रों को केंद्र पर पहुंचने को कहा गया है। इस परीक्षा में करीब 22 हजार परीक्षार्थी शामिल होंगे। एडमिशन कार्ड परीक्षा शुरू होने से 10 दिन पहले विवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा। जहां से परीक्षार्थी इसे डाउनलोड कर पाएंगे। कोल्हान विवि ने परीक्षा का केंद्र भी निर्धारित कर दिया है।

### कल दोपहर 2.30 बजे प्रारंभ होगी यात्रा, शाम 7.30 बजे पहुंचेगी साकची बस स्टैंड

# बिष्टुपुर राम मंदिर से निकलेगी इस्कॉन की रथयात्रा

**PHOTON NEWS JSR :** बिष्टुपुर स्थित राम मंदिर से 27 जून को इस्कॉन की रथयात्रा निकलेगी। यात्रा की तैयारी में इस्कॉन के अलावा शहर के कई धार्मिक और सामाजिक संगठन सक्रिय हैं।

तीनों रथों की विशेष साज-सज्जा की गई है, जिन पर प्रभु जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा विराजमान होकर भक्तों के साथ नगर भ्रमण पर निकलेंगे। रथ यात्रा हरे कृष्णा-हरे राम के संकीर्तन के साथ दोपहर 2.30 बजे प्रारंभ होगी और बिष्टुपुर के राम मंदिर से गोपाल मैदान, जुस्को गोलचक्कर, स्ट्रेट माइल रोड, कीनन स्टेडियम, साकची बड़ा गोलचक्कर होते हुए साकची वाहन पड़ाव स्थल तक शाम 7.30 बजे पहुंचेगी। कुल 4.5 किलोमीटर की यह यात्रा भक्ति, भव्यता और सामाजिक समरसता का प्रतीक बनेगी।

बिष्टुपुर स्थित राम मंदिर में जयकारा लगाते रथयात्रा के आयोजक ● फोटोन न्यूज

यात्रा के दौरान भक्तों की सुविधा हेतु जलपान, प्रसाद और पेय पदार्थों से युक्त स्टॉल्स की व्यवस्था की गई है। इस रथ यात्रा के सफल आयोजन के लिए इस्कॉन जमशेदपुर ने लगभग 1000 स्वयंसेवकों को जिम्मेदारियां सौंपी हैं, जिनमें अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद, सैन्य मातृ शक्ति, विश्व हिंदू परिषद, दुर्गा वाहिनी, क्रीड़ा भारती, द वॉइस ऑफ ह्यूमैनिटी, रोबिन हुड आर्मी, ग्रीन कैप्स फाउंडेशन, ब्लड वॉरियर्स, साइलेंट टेल्स एनजीओ, आरका जैन यूनिवर्सिटी, नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी सहित कई संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल हैं।

बिष्टुपुर के राम मंदिर परिसर में आयोजित विशेष बैठक में इस्कॉन जमशेदपुर के प्रमुख स्वामी पद्मनाभ जगन्नाथ दास की अध्यक्षता में तैयारियों की अंतिम समीक्षा की गई। इसमें रथ यात्रा के संचालन, मार्ग में आने वाली संभावित बाधाओं, भक्तों की सुरक्षा तथा सामाजिक सौहार्द बनाए रखने पर चर्चा हुई। प्रशासन और आयोजकों की अपील है कि रथ यात्रा के दौरान सभी लोग संयम और शांति बनाए रखें, ताकि यह आयोजन आध्यात्मिक एकता और सांस्कृतिक गौरव का उदाहरण बन सके। आयोजकों ने कहा कि इस बार भी हजारों की संख्या में भक्त शामिल होंगे।

# दुबई में फंसे झारखंड के 15 प्रवासी श्रमिकों ने लगाई मदद की गुहार

**AGENCY GIRIDIH :** गिरिडीह, हजारीबाग,और धनबाद जिले के प्रवासी मजदूरों के विदेश में फंसे होने का मामला एक बार फिर सामने आया है। इन जिलों के 15 प्रवासी मजदूर दुबई में फंसे हैं। सभी मजदूर मसाई कॉन्ट्रैक्टिंग एलएलसी कंपनी में काम करने गए थे। प्रवासी मजदूरों की ओर से वायरल वीडियो में कहा गया है कि पिछले तीन माह से मजदूरों को कंपनी की ओर से मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया है। मजदूरों के सामने खाने-पीने का संकट खड़ा हो गया है। मजदूरों ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर अपनी दुर्दशा बताते हुए केंद्र और राज्य सरकार से वतन वापसी में सहयोग की अपील की है। केंद्र और झारखंड सरकार से श्रमिकों की मदद करने की अपील मजदूरों ने सोशल मीडिया पर अपनी पीड़ा बताई है।

वीडियो कॉल करके अपनी पीड़ा बताते प्रवासी मजदूर ● फोटोन न्यूज

**ये मजदूर फंसे**

जानकारी के मुताबिक फंसे मजदूरों के नाम हजारीबाग जिले के बिष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के अलखरी खुर्द के चुरामन महतो, चंद्रिका महतो, कैलाश महतो, उदयपुर के बिशुन महतो, जगन्नाथ सिंह, चितरामो के लखन सिंह, सुखदेव सिंह, गोविंदपुर के अर्जुन महतो, आंगो थाना क्षेत्र अंतर्गत जोलमी के त्रिलोकी महतो, पलमा के बालेश्वर महतो, गिरिडीह जिले के बगोदर थाना क्षेत्र के अम्बाडीह के बैजनाथ महतो, महेंद्र महतो, निमियांघाट थाना क्षेत्र के अंतर्गत माकन के सीताराम महतो, मूरत महतो और धनबाद जिले के तोपचांची थाना क्षेत्र के अंतर्गत नेरो के संजय कुमार महतो शामिल हैं।

झारखंड में प्रवासी श्रमिकों के लिए काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता सिकंदर अली ने केंद्र और झारखंड सरकार से अपील करते हुए कहा है कि इन मजदूरों की सकुशल वतन वापसी के लिए ठोस पहल की जाए। इसके पहले भी कई बार ऐसा मामला सामने आया है, जब प्रवासी मजदूर पैसे कमाने के लिए विदेश चले गए और वहां जाने के बाद उनका शोषण किया गया।

BRIEF NEWS

## ब्राउन शुगर के साथ दो युवक गिरफ्तार

**RANCHI :** अरगोड़ा थाना क्षेत्र के अशोक कुंज, कश्यप विहार स्थित एक किराये के मकान से दो युवकों को 400 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया गया है। बुधवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि उस इलाके में कुछ संदिग्ध युवक नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री कर रहे हैं। सूचना के आधार पर सिटी एसपी के निर्देश पर हटिया डीएसपी के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया। इसके तहत नवनीत कुमार विश्वास के किराये के मकान पर विधिवत छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने दिनेश कुमार राम और शिवम कुमार नामक दो युवकों को 400 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया। साथ ही दो मोबाइल फोन और 1900 रुपये नकद बरामद किया है।

## पैनम कोल माइंस के अवैध खनन मामले में हाईकोर्ट में हुई सुनवाई

**RANCHI :** बुधवार को पैनम कोल माइंस की ओर से अवैध खनन किए जाने की सीबीआई जांच और विस्थापितों के पुनर्वास की मांग को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति गौतम कुमार चौधरी की बेंच द्वारा की गई। राज्य सरकार की ओर से उपस्थित अधिवक्ता ने कोर्ट को सूचित किया कि पैनम माइंस के खिलाफ अब तक उठाए गए सभी कानूनी कदमों की विस्तृत जानकारी कोर्ट को दी गई है। इसके बाद हाई कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 10 जुलाई की तिथि निर्धारित की है। पैनम माइंस को वर्ष 2015 में सरकार ने पाकुड़ और दुमका जिले में कोयला खनन का लीज दिया था लेकिन उसपर यह आरोप है कि उसने लीज से ज्यादा खनन किया। इससे सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुक्सान हुआ है।

## सामूहिक रूप से 51 जोड़ों का हुआ विवाह

**RANCHI :** महिला उत्थान जनहित सेवा संस्था की ओर से बुधवार को रांची के पुराना विधानसभा स्थित सभागार में भव्य सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। इसमें 51 जोड़े वैदिक विधि-विधान से परिणय सूत्र में बंध गए। समारोह में आचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विवाह की सभी रस्में पूरी कराई। कार्यक्रम में जोहार पार्टी के अध्यक्ष कुशवाहा विजय और सामाजिक कार्यकर्ता भैरो सिंह बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए और नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। संस्था की अध्यक्ष रेणु सिंह ने बताया कि यह प्रयास समाज के उन जरूरतमंद तबकों के लिए है जो आर्थिक कारणों से विवाह जैसे पवित्र संस्कार को पूरा नहीं कर पाते। इस बार 51 जोड़ों की शादी कर उन्हें बर्तन सेट, बक्सा सहित अन्य आवश्यक सामग्री भेंट की गई है।

# नगर निकायों में पीएम आवास योजना की मनी 10वीं वर्षगांठ

**PHOTON NEWS RANCHI :** प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के क्रियान्वयन के बुधवार को 10 वर्ष पूरा हो गया। इन 10 वर्षों में राज्य के नगर निकायों के हजारों शहरी बेघरों के पक्के आवास का सपना पूर्ण हुआ है और गरीब लाभुकों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव हुए हैं। योजना के 10 वर्ष पूरा होने पर राज्य के विभिन्नं नगर निकायों में वर्षगांठ मनाया गया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के चतुर्थ घटक लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निमार्ण के क्रियान्वयन में झारखंड राज्य अग्रणी राज्यों में से एक है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत भारत सरकार की ओर से चतुर्थ घटक लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण (बीएलसी) के तहत एक लाख 78 हजार 309 आवासों की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इसमें से एक लाख 31 हजार 232 आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है और शेष आवासों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। उल्लेयखनीय है कि देश में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) का सामाजिक अंकेक्षण (सोशल ऑडिट) कराने वाला पहला राज्य झारखंड हैक प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के आवासों के आवेदन महिलाओं के नाम से भरे जाते हैं। इससे कि आवासों का स्वामित्व महिलाओं के नाम से दिया जाता हैक इस कदम से समाज में महिलाओं का आत्मसम्मान और मनोबल बढ़ा है। झारखंड सरकार की ओर से कुष्ठ रोग से प्रभावित परिवारों के आवासीय जरूरतों को पूरा करने के लिए विशेष प्रयास किया जा रहा है। इन परियोजनाओं में केंद्रांश के अतिरिक्त राज्य सरकार की ओर से लाभुक अंशदान सहित परियोजना लागत की पूरी राशि का वहन किया जा रहा है। इन परियोजनाओं में अब तक 720 परिवारों का गृह प्रवेश कराया जा चुका है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के 10 वें वर्षगांठ के अवसर पर राज्य के सभी नगर निकायों में विभिन्न कार्यक्रम और गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इनमें लाभार्थी सम्मेलन, लाभुकों के जीवन में आए बदलाव की स्टोरी, फोटोग्राफ्स और विडियो का प्रचार-प्रसार, महिला लाभुकों का सम्मान, निर्मित आवासों में लाभुकों का गृह प्रवेश शामिल है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के विभिन्न घटकों के तहत राज्य को महिला सशक्तिकरण पहल के अंतर्गत झारखंड को राष्ट्रीय स्तर पर तीन पुरस्कार दिया गया है।

योजना के 10 वर्ष पूरे होने पर नगर निकायों में वर्षगांठ मनातीं महिलाएं

### 32,701 आवासों को दी गई स्वीकृति

तृतीय घटक किफायती आवास पारियोजनाओं (एएचपी) के तहत 32,701 आवासों की स्वीकृति दी गयी है। इसमें से 4,498 आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के 10 वें वर्षगांठ के अवसर पर निदेशक, नगरीय प्रशासन निदेशालय नैंसी सहाय ने सभी लाभार्थियों और नगर निकायों को बधाई दी।

### केंद्रीय शहरी कार्य मंत्रालय ने की झारखंड की तारीफ

मौके पर निदेशक ने बताया कि राज्य में शहरी आवास विहीनों एवं वंचितों के लिए केंद्र सरकार की ओर से प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 का शुभारंभ किया गया हैकइसके तहत पात्र लाभुक अपने नगर निकाय अथवा ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। राज्य में विभिन्न अवसरों पर लाभुकों के नवनिर्मित आवासों का गृह प्रवेश कराया गया है। इसके लिए आवासन और केंद्रीय शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से विभिन्न अवसरों पर राज्य की प्रशंसा की गयी हैकघटक चार बीएलसी के लाभुकों के आवासों पर झारखंड की स्थानीय संस्कृति को चित्रकला के माध्यम से दर्शार्या गया है। इसमें स्थानीय कलाकारों और स्थानीय कला का प्रचार प्रसार हुआ है। साथ ही पूरे देश में झारखंड के इस प्रयास को सराहा गया और कई राज्यों द्वारा इसका अनुसरण भी किया गया है।

### हर घर नल से जल कार्यक्रम की वर्तमान स्थिति को लेकर की गई समीक्षा

# जल जीवन मिशन की सफलता में लीडरशिप दें सभी डीसी : मुख्य सचिव

**PHOTON NEWS RANCHI :** हर घर नल से जल को लेकर चल रहे जल जीवन मिशन की झारखंड में वर्तमान स्थिति को लेकर मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता में बुधवार को समीक्षा की गयी। इस दौरान मिशन के आड़े आ रही समस्याओं का समाधान निकालने की कोशिश की गई। वर्चुवल माध्यम से जुड़े तमाम जिले के उपायुक्तों को मुख्य सचिव ने मिशन के सुचारू क्रियान्वयन में लीडरशिप देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मिशन के कार्यों में समन्वय स्थापित करने के लिए सक्रिय सहभागिता निभाएं। इसकी नियमित समीक्षा करें। इलाके के मुखिया के साथ नियमित अंतराल पर बैठक करें। इससे इलाके की अच्छी जमीनी जानकारी मिलेगी। इस फीडबैक का उचित उपयोग करें। उन्होंने कहा कि अधूरा कार्य और पूरा भुगतान का मामला सामने आने पर उसे गंभीरता से लें। उसकी जांच कराएं और समुचित कार्रवाई सुनिश्चित करें।

अधिकारियों के साथ बैठक करतीं मुख्य सचिव अलका तिवारी ● फोटोन न्यूज

### देखरेख के लिए हर जिले में होंगे दो इंजीनियर

उन्होंने उपायुक्तों को निर्देश दिया कि वे जब भी किसी काम से फील्ड में जाएं, तो वहां के जल जीवन मिशन के कार्यों को जरूर देखें। उसका आकलन करें और जरूरत पड़ने पर मौके पर ही समस्या का समाधान करें। जल जीवन मिशन की सफलता के लिए सभी उपायुक्तों को दो कमिटेड इंजीनियर दिये जा रहे हैं। वे उपायुक्तों के अधीन कार्य करेंगे। मुख्य सचिव ने कहा कि उनका टेक्निकल सेल बना कर पूरा काम लें। रोज उन्हें काम सौंपे और उसकी रिपोर्ट लें।

### एजेंसी के जिम्मे है पांच साल तक रख-रखाव का जिम्मा

मुख्य सचिव ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत कार्यकारी एजेंसी को पांच साल तक रख-रखाव की जिम्मेदारी तय है। इस कारण छोटी-मोटी समस्या के समाधान में देरी नहीं होनी चाहिये। जो एजेंसी इसमें विफल रहती है, उसके खिलाफ प्रस्ताव दें, उसका निराकरण मुख्यालय स्तर से यथाशीघ्र होगा। वहीं निर्देश दिया कि प्रशासनिक स्तर की बाधा को उपायुक्त प्राथमिकता के स्तर पर अपनी लीडरशिप में दूर कराएं। इसके अलावा उपायुक्तों को जल जीवन मिशन के अधूरे कार्यों को पूरा कराने, पूरी हो चुकी योजना को ग्राम समिति को सुपुर्द करने का निर्देश दिया।

### 2028 तक सभी घरों में नल से पहुंचाना है जल

15 अगस्त 2019 को सभी ग्रामीण घरों, स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में नल से जल पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन की शुरूआत हुई थी। दिसंबर 2028 तक इस योजना के तहत कार्य संपन्न करना है। इसके तहत अब तक झारखंड में 97,535 योजनाएं ली गई हैं। उनमें से 56,332 योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं। 24,781 योजनाएं ग्राम समिति को सुपुर्द की जा चुकी ही। बाकी बची योजनाओं को ग्राम समिति को सुपुर्द करने की कार्रवाई की जा रही है। बताते चलें कि झारखंड में 29,398 गांव हैं। उनमें से 6963 गांवों को पूर्णतः नल के जल से जोड़ा जा चुका है। झारखंड के गांवों में 62,54,059 घर हैं। उनमें से 34,42,332 घरों में नलका से पानी आपूर्ति की जा रही है।

## जगन्नाथपुर रथ यात्रा को लेकर ट्रैफिक में बदलाव, कई रास्तों पर वाहनों की रहेगी नो एंट्री

**PHOTON NEWS RANCHI :** जगन्नाथपुर में रथ यात्रा और मेला को लेकर 26 जून से इलाके के ट्रैफिक रूट में बदलाव किया गया है। धुर्वा गोलचक्कर, नया सराय रोड, जेएससीए स्टेडियम और पुराना विधानसभा रोड पर सुबह 8 से रात 12 बजे तक वाहनों का प्रवेश पूरी तरह से बंद रहेगा। नयासराय और जेएससीए स्टेडियम की ओर से आने वाले वाहन तिरिल मोड़ तक ही आ सकेंगे। इसके अलावा शहीद मैदान से मौसीबाड़ी गोलचक्कर और प्रभात तारा मैदान तिराहा से जगन्नाथपुर बाजार तक वाहनों की इंट्री बंद रहेगी। इस संबंध में बुधवार को ट्रैफिक एसपी कैलाश करमाली ने बताया कि वाहन सवार रिंग रोड से ही अपने गंतव्य तक परिचालन कर सकेंगे।

साथ ही ट्रैफिक एसपी ने जगन्नाथपुर ट्रैफिक थानेदार को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे खुद अपनी टीम के साथ लगातार भ्रमणशील रहते हुए यातायात व्यवस्था पर पूरी नजर रखेंगे।

**आज व कल सामान्य वाहनों का प्रवेश रहेगा बंद :** ट्रैफिक संचालन को ध्यान में रखते हुए 26 और 27 जून को सामान्य वाहनों का धुर्वा गोलचक्कर से पुराने विधानसभा भवन की ओर परिचालन बंद किया गया है। इसके अलावा प्रभात तारा मैदान से शालीमार बाजार की ओर भी सामान्य वाहनों की इंट्री बंद की गई है। एचईसी और बिरसा चौक की ओर से आने वाले वाहन सवार शहीद मैदान से शालीमार बाजार होते हुए प्रभात तारा मैदान से जेएससीए स्टेडियम से दाहिने मुड़कर तिरिल मोड़ होते हुए अपने गंतव्य की ओर परिचालन कर सकेंगे।

**सुरक्षा के होंगे पुख्ता इंतजाम :** डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि जगन्नाथपुर मेला और रथ यात्रा को लेकर सुरक्षा के कड़े और पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती की जाएगी। वॉच टावर सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन कैमरे से निगरानी की जाएगी। सादे लिबास में भी महिला पुलिस और पुरुष पुलिस की तैनाती की गई है।

### पार्किंग की व्यवस्था

- तुपुदाना, हटिया, खूंटी, धुर्वा गोलचक्कर से आने वाले वाहनों के लिए धुर्वा गोलचक्कर के पश्चिम स्थित खाली मैदान और प्रभात तारा के पास मैदान में पार्किंग की व्यवस्था रहेगी।
- बालालोंग या धुर्वा बस स्टैंड व नया हाईकोर्ट की ओर से आने वाले वाहनों के लिए प्रभात तारा मैदान में नया सराय और न्यू विधान सभा रोड से आने वाले वाहनों के लिए तिरिल मोड़ और हेलीपैड मैदान अरगोड़ा या बिरसा चौक की ओर से आने वाले वाहनों के लिए शहीद मैदान एवं विधानसभा मैदान में पार्किंग की व्यवस्था की गई है।
- धुर्वा सेक्टर-एक या दो की ओर से आने वाले वाहनों के लिए मौसीबाड़ी गोलचक्कर के बगल में खाली मैदान में पार्किंग की व्यवस्था रहेगी।

## बाहरियों की तुलना में स्थानीय युवाओं को नहीं मिल पा रहा रोजगार : इरफान

**PHOTON NEWS RANCHI :** मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि बिहार, मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों के युवा झारखंड में अनुभव के आधार पर बड़ी संख्या में नौकरी ले रहे है, जबकि स्थानीय युवक पीछे हो रहे हैं। राज्य में ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। मंत्री ने यह बातें बुधवार को अपने ऑफिशियल ट्विटर प्लेटफॉर्म पर बयान जारी करते हुए कहा। मंत्री ने ट्विटर प्लेटफॉर्म पर लिखा है पारदर्शी और निष्पक्ष प्रक्रिया के तहत स्थानीय प्रतिभाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। ताकि, उनका भविष्य सशक्त बन सके। उन्होंने कहा कि इस गंभीर मुद्दे को देखते हुए वे व्यक्तिगत तौर पर एक वैकल्पिक मापदंड पर विचार कर रहे हैं, जो केवल अनुभव नहीं, बल्कि युवाओं की योग्यता और क्षमता को आधार बनाएगा। इसके पास शैक्षणिक योग्यता है उसे नौकरी मिलनी चाहिए। ताकि स्थानीयों को रोजगार के अधिक अवसर मिल सके। मंत्री ने कहा कि यह कदम झारखंड के स्थानीय युवाओं को रोजगार के उचित अवसर देने के लिए आवश्यक है। अनुभव के नाम पर झारखंड के युवाओं को पीछे धकेलना एक अन्याय है, जिसे अब सुधारा जाएगा।

## अब बिरसा हरित आम बागवानी बनी विकास योजनाओं की रीढ़ : डीडीसी

**PHOTON NEWS RANCHI :** बिरसा हरित आम बागवानी योजना अब प्रखंड स्तर पर ग्रामीण विकास की रीढ़ बन चुकी है। यह न सिर्फ किसानों की आमदनी बढ़ाने का सशक्त माध्यम बन रही है, बल्कि मनरेगा योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन की मिसाल भी पेश कर रही है। उक्त बातें उप विकास आयुक्त (डीडीसी) सौरभ कुमार भुवानिया ने बुधवार को बेड़ो प्रखंड की इटा पंचायत में आयोजित आम महोत्सव-सह-बागवानी मेला में कहीं। मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल डीडीसी ने कहा कि मनरेगा के तहत 200 एकड़ भूमि पर आम बागवानी का कार्य इटा पंचायत को आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत आधार दे रहा है। यह पहल अन्य प्रखंडों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी।

### आमों के स्टॉलों का किया निरीक्षण

कार्यक्रम के दौरान डीडीसी ने सभी पंचायतों द्वारा लगाए गए आमों के स्टॉल का निरीक्षण किया, जहां विभिन्न प्रजातियों के आमों की प्रदर्शनी लगाई गई थी। उन्होंने किसानों को आम बागवानी में बीमा योजना का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया और इसे एक प्रेरणादायक कदम बताया। इस अवसर पर डीडीसी ने बारिश के बीच मनरेगा पार्क का निरीक्षण भी किया। वहां पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम को बीडीओ राहुल उरांव, सीओ प्रताप मिंज, विधायक प्रतिनिधि प्रो. करमा उरांव एवं पूर्व मुखिया बुधराम बड़ा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में जिपस वेरोनिका उरांव, डॉ. ऋतुराज, बीपीओ संजय तिर्की, मुखिया अनीता बाड़ा, अंजू कश्यप, एसडीओ पुरुषोत्तम भाई पटेल, सोमरा लोहरा, तंजीर आलम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, लाभुक किसान एवं प्रखंडकर्मी उपस्थित थे।

### रांची में दशकों से भव्य रूप में होता है यह धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन

# वैश्विक पहचान की प्रतीक्षा में दूसरी सबसे बड़ी जगन्नाथपुर रथयात्रा

**PHOTON NEWS RANCHI :** झारखंड की राजधानी रांची स्थित ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथयात्रा अब न सिर्फ राज्य का बल्कि देश का एक प्रमुख धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन बन चुकी है। ओडिशा की पुरी रथ यात्रा महोत्सव के बाद रांची की यह रथयात्रा भारत की दूसरी सबसे बड़ी पारंपरिक रथयात्रा के रूप में पहचानी जा रही है। लेकिन सवाल यह है कि धुर्वा जगन्नाथपुर रथयात्रा को कब वैश्विक पहचान मिलेगी। जगन्नाथपुर रथयात्रा को राष्ट्रीय और वैश्विक धार्मिक पर्यटन के मानचित्र पर स्थान दिलाने पर मांग उठने लगी है। जगन्नाथपुर मंदिर धुर्वा के प्रथम सेवक सेवायित सह जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति के सदस्य और बड़कागढ़ स्टेट के प्रत्यक्ष उत्तराधिकारी ठाकुर सुधांशु नाथ शाहदेव ने बुधवार को बातचीत में कहा कि जगन्नाथपुर रथ यात्रा और मेला न सिर्फ धार्मिक अनुष्ठान, बल्कि यह झारखंड की आदिवासी और मूलवासियों की सांस्कृतिक सभ्यता की पहचान और यहां के किसानों की आत्मा है। आदिवासी मूलवासियों के भावना अनुरूप अब जगरनाथपुर रथ यात्रा को वैश्विक स्तर पर राष्ट्रीय पहचान मिलनी चाहिए। रथ यात्रा में लोकनृत्य, पारंपरिक गीत और जनजातीय संस्कृति की झलक दिखती है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरन को बीते दिनों मुलाकात के क्रम कहा गया है वे इस महोत्सव को बी श्रेणी से निकालकर पूरी रथयात्रा की तर्ज पर वैश्विक पहचान दिलाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

### क्या है इतिहास

झारखंड की राजधानी रांची के धुर्वा स्थित जगन्नाथपुर मंदिर को सन 1691 में बड़कागढ़ रियासत के नागवंशी राजा ठाकुर एनी नाथ शाहदेव ने बनवाया था। जहां हर साल आषाढ़ शुक्ल द्वितीया पक्ष को भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र की भव्य रथ यात्रा निकाली जाती है। इस अवसर पर झारखंड, बिहार, बंगाल, छत्तीसगढ़ समेत देश विदेश के लाखों श्रद्धालु रथ यात्रा में उपस्थित होकर श्रद्धाभाव से भगवान जगरनाथ का आशीर्वाद लेते हैं।

### परंपरागत चीजों की खरीदारी के लिए लोग करते हैं इंतजार

जगन्नाथपुर रथ मेला में पारंपरिक चीजें मिलती हैं। इसका इंतजार लोगों को सालों भर रहता है। इसलिए कई श्रद्धालु और यहां आनेवालों को सालों से इंतजार रहता है। मेले में पारंपरिक वाद्य यंत्र, मांदर, पैला, दउली, तीर धनुष, बांसुरी, ढोलक, नगाड़ा, शहनाई जैसी चीजें बिकती हैं।

## रांची दंगा के आरोपी महबूब को अग्रिम जमानत देने से हाईकोर्ट का इनकार

**PHOTON NEWS RANCHI :** साल 2022 में रांची के मेन रोड में हुए दंगा मामले के आरोपित महबूब आलम को झारखंड हाई कोर्ट ने अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। बुधवार को सुनवाई के पश्चात न्यायाधीश आनंद सेन की अदालत ने महबूब आलम की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया।

10 जून 2022 को जुमे की नमाज के बाद रांची के मेन रोड इलाके में उपद्रव, पत्थरबाजी और गोलीबारी की घटना हुई थी। इस घटना के बाद डेली मार्केट थाना में बड़ी संख्या में लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले में कई लोगों को आरोपित बनाया गया है। महबूब आलम को भी इसी मामले में आरोपित बनाया गया है, जिसको लेकर आलम ने अग्रिम जमानत की मांग की थी लेकिन हाई कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई के बाद उसे खारिज कर दिया।

## राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय का प्रशिक्षण शिविर शुरू

**RANCHI :** भारत सरकार सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय रांची की ओर से बुधवार को सप्तऋषि भवन तुपुदाना में चार दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, दिल्ली की अपर महानिदेशक सुनीथा भास्कर ने किया। मौके पर सुनीथा भास्कर ने कहा कि सांख्यिकीय आंकड़े किसी भी देश की नीतिगत योजनाओं की रीढ़ होती है। इस सर्वेक्षण से देश को पर्यटन, आवागमन और निर्माण से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णयों में सहूलियत मिलेगी। प्रशिक्षण शिविर में भारतीय सांख्यिकी सेवा के चार और अधीनस्थ सांख्यिकी सेवा के 65 अधिकारी शामिल हैं।

## समाचार सार

### गोविंद माधव शरण का निधन, अंत्येष्टि कल

**JAMSHEDPUR :** टाटा स्टील के अवकाश प्राप्त वरिष्ठ पदाधिकारी गोविंद माधव शरण (68) का बुधवार शाम 4.45 बजे टीएमएच में निधन हो गया। उनकी अंत्येष्टि 27 जून को बिष्टुपुर स्थित पार्वती घाट पर होगी। वे टाटा स्टील, स्पेशल प्रोजेक्ट, अर्बन सर्विसेज (सीएसआर) हेड के पद से 2017 में सेवानिवृत्त हुए थे। उन्होंने 34 वर्षों तक कंपनी की सेवा की। शरण ने वर्ष 1982 में टाटा स्टील के कंप्यूटर सर्विसेज विभाग से करियर शुरू किया था। उन्हें गीत-संगीत के साथ रंगकर्म में भी खासी रुचि थी। वे अपने पीछे पत्नी चंद्रा शरण सहित एक पुत्र व एक पुत्री छोड़ गए हैं। स्व. शरण टीएमएच में करीब सवा माह से कोमा में थे। उनके निधन की खबर से न केवल कारपोरेट जगत, बल्कि शहर के संगीतकार व रंगकर्मी भी मर्माहत हैं।

### पूर्व डिप्टी सीएम सुधीर महतो की मनाई गई जयंती

**GHATSILA :** झामुमो के संपर्क कार्यालय में बुधवार को झारखंड आंदोलनकारी सह पूर्व उपमुख्यमंत्री सुधीर महतो की 69वीं जयंती मनाई गई। उनके चित्र पर श्रद्धांजलि देने के बाद कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रखा। विधायक प्रतिनिधि जगदीश भक्त ने कहा कि सुधीर महतो का निधन घाटशिला में ही हुआ था। वे एक शादी समारोह में शामिल होकर जमशेदपुर लौट रहे थे कि रास्ते में हृदयगति रुकने से मौत हो गई थी। कार्यक्रम में काजल डॉन, काला सरकार, बाबूलाल मुर्मू, सुशील मार्डी, बिमल मार्डी, गोपाल कोइरी, राजा सिंह, प्रकाश निषाद, सब्यसाची चौधरी, सौरभ बोस, जितेन दास, जीतराय टुडू, बिशु मुर्मू, रवि कर्मकार आदि उपस्थित थे।

### केंद्रीय विद्यालय की बस दुर्घटनाग्रस्त

**CHAIBASA :** केंद्रीय विद्यालय, मेघाहातुबुरु की बस बिरसा स्मारक के समीप बुधवार को दोपहर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें कई बच्चे सवार थे। गनीमत रही कि बस चालक ने समय रहते बस को नियंत्रित कर लिया और यह खाई में गिरने से बच गई। जानकारी के अनुसार, बुधवार को दोपहर में स्कूल की छुट्टी के बाद छात्र-छात्राओं को ले जा रही बस बिरसा स्मारक के समीप असंतुलित हो गई। सड़क किनारे लगे गार्डवाल में फंसकर बस रुक गई, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई। सभी छात्र सुरक्षित हैं। बच्चों को वैकल्पिक वाहन से घर पहुंचाया गया। हादसे के समय मूसलधार वर्षा हो रही थी, जिससे सड़क पर फिसलन हो गई थी।

### संस्था ने लिया गुड़ाबांदा प्रखंड के सबरों का हाल

**GHATSILA :** पूर्वी सिंहभूम जिले के गुड़ाबांदा प्रखंड के मुड़ाकाटी व सिंहपुरा पंचायत में आदिम जनजाति उत्थान मंच के जिला अध्यक्ष लोबिन सबर ने प्रतिनिधिमंडल के साथ बुधवार को कई गांवों का दौरा किया। उन्होंने आदिम जनजाति के बारे विस्तार से जानकारी ली। बारिश के कारण क्षतिग्रस्त घरों का जायजा लिया, तो उनकी आर्थिक स्थिति के संबंध में जानकारी ली। अर्जुनबेड़ा गांव निवासी गुलटू सबर, लुलु सबर, जानकी साबर, कोंदा सबर, बुधु सबर, मंगल सबर, जिंदा सबर, लखी सबर, सोमवारी सबर एवं ज्वालकाटा गांव निवासी दिलीप सबर, कमल सबर, बुदनी सबर तथा गोलकाटा गांव में 21 सबर परिवार हैं, जिसमें 3 सबर परिवार को आवास मिला है। इन सभी परिवारों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी दी गई। इसके साथ परिवार को इन योजना का लाभ दिलाने के लिए पहल करने का भरोसा दिया। इस मौके पर जिला सचिव कान्हु सबर, प्रखंड अध्यक्ष बुधदेव साबर, सुकरा सबर, सुभाष सबर, प्रदीप सबर आदि उपस्थित थे।

### केयू की परीक्षा अब 30 की जगह 5 जुलाई को

**JAMSHEDPUR :** कोल्हन विश्वविद्यालय ने स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर की सीसी-3 और सीसी-103 की परीक्षा की तिथि बदल दी है। यह परीक्षा पहले 30 जून को दोनों पाली में होनी थी। अब यह 5 जुलाई 2025 को ली जाएगी। बाकी सभी परीक्षाएं पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार ही होंगी। परीक्षा तिथि में यह बदलाव छात्र संगठनों की मांग पर किया गया है। छात्र संगठनों ने हूल दिवस के कारण परीक्षा की तिथि बदलने की मांग की थी। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. अशोक कुमार झा ने यह जानकारी दी।

### वज्रपात से 22 वर्षीय युवती की मौत

**CHAKRADHARPUR :** पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर प्रखंड अंतर्गत इटिहासा पंचायत के करला गांव में बुधवार की शाम वज्रपात होने से 22 वर्षीय युवती की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, करला गांव निवासी स्व. रघुनाथ सोय की पुत्री राजमुनी सोय बुधवार शाम को शौच करने खेत में गई थी। इसी दौरान बारिश शुरू हो गई। उसी समय वज्रपात हो गया, जिससे वह उसकी चपेट में आ गई। घटना के बाद परिजनों ने उसे तत्काल चक्रधरपुर स्थित अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया। यहां जांच के दौरान चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। हालांकि अस्पताल देर से पहुंचने के कारण बुधवार को उसका पोस्टमार्टम नहीं हो सका। इसके बाद शव को चक्रधरपुर रेलवे अस्पताल के शीतगृह में रखा गया है। युवती का पोस्टमार्टम गुरुवार को होगा।

# जमशेदपुर में मिली चतरा के व्यवसायी सुबोध सिंह की लाश

## मानगो के होटल में ठहरा था कारोबारी, संदिग्ध हालात में शव मिलने से पुलिस कर रही हर पहलू से जांच

**PHOTON NEWS JSR :** जमशेदपुर के मानगो क्षेत्र अंतर्गत एमजीएम थाना क्षेत्र स्थित एक होटल के कमरे से चतरा जिले के जाने-माने व्यवसायी और संवेदक सुबोध सिंह का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद होने से हड़कंप मच गया है। यह घटना बुधवार को सामने आई, जिसने न केवल स्थानीय क्षेत्र बल्कि चतरा जिले में भी सनसनी फैला दी है।

सूत्रों के अनुसार, सुबोध सिंह होटल सन इंटरनेशनल के एक कमरे में ठहरे हुए थे, जहां उनका शव संदिग्ध स्थिति में मिला। होटल प्रबंधन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद शव को टाटा मुख्य अस्पताल (टीएमएच) भेजा गया। एमजीएम थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन फिलहाल अधिकारियों ने मीडिया को कोई विस्तृत जानकारी देने से परहेज किया है। सिर्फ इतना कहा गया कि मामले की जांच जारी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। सुबोध सिंह चतरा शहर के बाइपास रोड स्थित नगवां मोहल्ला के निवासी थे और उनका मूल गांव हंटरगंज प्रखंड के ढौलिया में स्थित है। वे एक सफल कारोबारी और संवेदक के रूप में जिले में ख्याति प्राप्त कर चुके थे। उनकी रहस्यमयी और असमय मौत की खबर से चतरा के व्यापारिक समुदाय में शोक और स्तब्धता का माहौल है। पुलिस फिलहाल हर पहलू से जांच में जुटी है, जिसमें होटल स्टाफ से पूछताछ, सीसीटीवी फुटेज खंगालना और फोन रिकॉर्ड खंगालने जैसी प्रक्रिया शामिल हैं। परिजन सुबोध सिंह की मौत की सूचना मिलते ही तुरंत जमशेदपुर के लिए रवाना हो गए हैं।

होटल के पास जुटे परिजन व अन्य ● फोटोन न्यूज

## दो नाबालिग लड़कियों का अपहरण शादी के बहाने युवक ने रची साजिश

**JAMSHEDPUR :** गोलमुरी थाना क्षेत्र से दो नाबालिग लड़कियों के अपहरण का मामला सामने आया है। परिजनों ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि 23 जून की शाम को दोनों लड़कियों को बहला-फुसलाकर शादी की नीयत से भगाया गया। मुख्य आरोपी की पहचान सरायकेला-खरसावां जिले के कोलाबिरा निवासी सुमित मंडल के रूप में हुई है, जिसने दो अन्य अज्ञात साथियों के साथ मिलकर यह घटना अंजाम दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, घटना के दिन शाम लगभग 6 बजे दोनों किशोरियां घर से बाहर निकली थीं, लेकिन देर रात तक जब वे वापस नहीं लौटीं, तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। मोहल्ले में पूछताछ करने पर पता चला कि उन्हें सुमित मंडल ने अपने दो साथियों के साथ भगाया है।

पुलिस ने तीनों आरोपियों को नामजद किया है और जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, जिन दो लड़कियों का अपहरण हुआ है, उनमें एक की उम्र 15 वर्ष और दूसरी की 17 वर्ष है, जिससे यह मामला और भी गंभीर बन गया है। पुलिस इसे संभावित मानव तस्करी और नाबालिगों के शोषण के नजरिए से भी देख रही है। गोलमुरी थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए एक विशेष टीम गठित की गई है। यह टीम मोबाइल लोकेशन, कॉल डिटेल्स और अन्य तकनीकी माध्यमों की मदद से आरोपियों की तलाश में जुटी है। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और लड़कियों को सकुशल बरामद कर लिया जाएगा।

## जमशेदपुर में टेंडर माफिया का भंडाफोड़, अभियंता के हटते ही उजागर हुआ भ्रष्ट तंत्र

बड़कुंवर गागराई

**JAMSHEDPUR :** पूर्वी सिंहभूम जिले में ग्रामीण कार्य विभाग में लंबे समय से चल रहे टेंडर घोटाले का पदार्फाश हो गया है। पूर्व मंत्री और भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष बड़कुंवर गागराई द्वारा लगाए गए आरोप अब सच साबित हो रहे हैं। उन्होंने हेमंत सरकार पर टेंडर माफिया को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की थी। अब इस मामले में बड़ा मोड़ तब आया जब अभियंता राजेश रजक को निविदा प्रक्रिया से हटा दिया गया। उनके हटते ही महीनों से लंबित सैकड़ों टेंडरों की तकनीकी जांच प्रक्रिया अचानक शुरू हो गई, जिससे विभाग में छिपा भ्रष्टाचार खुद सामने आने लगा। पूर्व मंत्री बड़कुंवर गागराई ने बुधवार को बयान दिया कि राजेश रजक और मुख्य अभियंता श्रवण कुमार की मिलीभगत से निविदा प्रणाली को मनमाने तरीके से संचालित किया जा रहा था। रजक पर आरोप है कि उसने जमशेदपुर प्रमंडल में 62 में से 24 महत्वपूर्ण निविदाएं अपने खास ठेकेदारों को दिलवाई, जिसकी राशि लगभग 190 करोड़ रुपये है। बदले में वह 12 प्रतिशत तक कमीशन वसूलता था, जिसमें से 10 प्रतिशत खुद रखता और शेष दो प्रतिशत कथित तौर पर मंत्री को भेजता था। रजक पर डिजिटल सिग्नेचर के दुरुपयोग का भी आरोप है। वह छुट्टियों के दिन टेंडर प्रकाशित करता था ताकि नए और निष्पक्ष ठेकेदार भाग नहीं ले सकें।

## सिदगोड़ा के सरकारी स्कूल में हुई चोरी एक ही रात में ले गए पांच सीलिंग फैन

**PHOTON NEWS JSR :** सिदगोड़ा थाना क्षेत्र स्थित बागुनहातू सरना मिडिल स्कूल में चोरी हो गई। प्रिंसिपल मुकेश कुमार ठाकुर ने बताया कि बुधवार को सुबह जब वे 6.45 बजे स्कूल पहुंचे, तो देखा कि स्कूल का मुख्य दरवाजा खुला हुआ है। अंदर जाने पर उन्होंने पाया कि कक्षा-8 की छत पर लगे पंखे गायब हैं। पता चला कि चोर स्कूल से कुल पांच सीलिंग फैन, दो बल्ब और एक दीवार घड़ी चुरा ले गए हैं। घटना की सूचना सिदगोड़ा थाना पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची, स्कूल का मुआयना किया, वीडियो रिकॉर्डिंग की और लौट गई। प्रिंसिपल ने बताया कि पहली बार स्कूल में चोरी नहीं हुई है। पिछले कुछ हफ्तों से लगातार चोरी की घटनाएं हो रही हैं। कुछ दिन पहले कक्षा एक और दो से भी पंखे चोरी हो गए थे। इस महीने अब तक कुल सात पंखे चोरी हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि हर बार पुलिस को सूचना दी जाती है, लेकिन न तो कोई गिरफ्तारी होती है और न ही कोई चोरी गया सामान बरामद हुआ है। ठाकुर ने बताया कि उनकी नियुक्ति 2017 में हुई थी और तब से अब तक अनगिनत बार चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। कभी खिड़की का ग्रिल काटकर चोर अंदर घुसते हैं, तो कभी खुले दरवाजे से। विधानसभा चुनाव से पहले भी चोरों ने स्कूल की पूरी वायरिंग चुरा ली थी, जिसकी सूचना डीसी, एसडीओ, एसएसपी सहित विभागीय अधिकारियों को दी गई थी। स्थानीय निवासी कंचन दत्ता ने बताया कि स्कूल के आसपास नशेड़ी युवकों का जमावड़ा लगा रहता है। ये युवक स्कूल परिसर के पास बैठकर गांजा और शराब पीते हैं। आशंका जताई जा रही है कि इन्हीं नशेड़ी युवकों की मिलीभगत से चोरी की घटनाएं हो रही हैं।

घटना की जानकारी देते प्रिंसिपल मुकेश कुमार ठाकुर ● फोटोन न्यूज

## वोकेशनल व बीएड शिक्षकों का हुआ संविदा विस्तार, मिलेगा वेतन

**JAMSHEDPUR :** कोल्हान विश्वविद्यालय के संविदा शिक्षकों के लिए खुशखबरी है। उनके एक साल से लंबित समस्या का समाधान हो गया है। कुलपति डॉ. अंजिला गुप्ता ने बुधवार को व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में कार्यरत 73 शिक्षकों के अनुबंध विस्तार को मंजूरी दे दी है। इनमें एमएड के 3, बीएड के 48 और एमबीए, बीबीए, बीसीए व आईटी के 22 शिक्षक शामिल हैं। अनुबंध विस्तार की स्वीकृति के साथ ही अब इनके वेतन भुगतान का रास्ता भी साफ हो गया है। अगले दो से तीन दिनों में इन शिक्षकों का वेतन खाते में भेज दिया जाएगा। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. एके झा ने बताया कि पिछले महीने ही सिंडिकेट से इसकी स्वीकृति मिल गई थी। इसमें बाद ही सेवा विस्तार किया गया। वहीं वोकेशनल व बीएड शिक्षकों का सेवा विस्तार होने से वोकेशनल सेल के को-ऑर्डिनेटर संजीव आनंद ने कुलपति डॉ. अंजिला गुप्ता का आभार जताया।

## टाटा स्टील के इंजीनियर के घर से 20 लाख के जेवरात की चोरी

घटनास्थल पर जांच करने पहुंचे पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

**JAMSHEDPUR :** मानगो थाना क्षेत्र अंतर्गत जवाहरनगर रोड नंबर-14 स्थित टाटा स्टील के जूनियर इंजीनियर शाह फैसल के आवास से करीब 20 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात चोरी होने का मामला सामने आया है। यह घटना उस वक्त उजागर हुई, जब शाह फैसल की पत्नी गोलमुरी क्षेत्र में एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए जेवर निकालने प्रथम तल स्थित कमरे में पहुंचीं। जब उन्होंने अलमारी खोली तो देखा कि जेवरातों से भरा बैग गायब है। शाह फैसल के मुताबिक, अलमारी का लॉकर बंद था, लेकिन उसकी चाबी बाहर टेबल पर रखी हुई थी। इससे आशंका जताई जा रही है कि चाबी का इस्तेमाल कर लॉकर खोलकर चोरी की गई है। परिवार की ओर से इस घटना की सूचना तुरंत मानगो थाना को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और घर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

## चक्रधरपुर में युवक को सांप ने काटा, अस्पताल में भर्ती

अस्पताल पहुंचे परिजन व समाजसेवी ● फोटोन न्यूज

**CHAKRADHARPUR :** पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर प्रखंड अंतर्गत बोडादोरो गांव में मंगलवार देर रात घर में खाना खाने के दौरान 20 वर्षीय युवक के पैर में सांप ने काट लिया। इसके बाद उसे चक्रधरपुर स्थित अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के मुताबिक, बोडादोरो गांव निवासी बलराम सामड के पुत्र विवेक सामड रात में भोजन कर रहा था। इस दौरान उसके दायें पैर में जहरीले चित्ती सांप ने डस लिया। युवक की स्थिति गंभीर हो गई। घटना की सूचना मिलने पर समाजसेवी सदानंद होता अस्पताल पहुंचे और युवक के इलाज में मदद की। होता ने कहा कि किसी को सांप काटे तो झाड़-फूंक या घरेलू इलाज न करें।

सीधे नजदीकी हॉस्पिटल लेकर इलाज कराए। उन्होंने कहा कि सभी अस्पताल में एंटीवेनम दवा उपलब्ध है।

## टाटा जू में बीमार भालू की हो गई मौत

**JAMSHEDPUR :** टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क में एक सप्ताह से बीमार चल रहे एक भालू की मंगलवार देर रात मौत हो गई। भालू को चिकित्सकों की निगरानी में लगातार इलाज दिया जा रहा था, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हो सका और आखिरकार उसने दम तोड़ दिया। भालू की मौत की खबर मिलते ही जिले के पशुपालन पदाधिकारी डॉ. सुधाकर मुंडा और क्षेत्रीय वन पदाधिकारी (डीएफओ) सबा आलम अंसारी टाटा जू पहुंचे। इसके बाद पशु चिकित्सकों की एक टीम ने भालू का पोस्टमार्टम किया। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। पोस्टमार्टम और फोरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही यह कहा जा सकेगा कि भालू की मौत किसी बीमारी, संक्रमण, उम्र या किसी अन्य कारण से हुई है। डीएफओ सबा आलम अंसारी ने मीडिया से कहा कि रिपोर्ट से पहले किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। रिपोर्ट आने के बाद आगे की जानकारी साझा की जाएगी।

## जमशेदपुर के 10 स्थानों से कल निकलेगी जगन्नाथ रथयात्रा

रथयात्रा की तैयारी का जायजा लेते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS JSR :** जमशेदपुर में 27 जून को 10 स्थानों से भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी। इसे लेकर शहर भर में तैयारियां तेजी से चल रही हैं। इसे शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। प्रभारी एसडीओ धालभूम गौतम कुमार ने बुधवार को डीएसपी ट्रैफिक और डीएसपी विधि-व्यवस्था के साथ परसुडीह, बिष्टुपुर और साकची सहित अन्य प्रमुख मार्गों का निरीक्षण किया। उन्होंने रथ यात्रा के संभावित रूट की स्थिति देखी और नगर निकायों को रास्तों की सफाई के निर्देश दिए।

बिष्टुपुर के राम मंदिर से मुख्य रथ यात्रा निकलेगी। इसके अलावा बाराद्वारी, मानगो, बेल्डीह के नागा मंदिर में कार्यक्रम होंगे। कदमा में रंकिणी मंदिर से भी रथयात्रा निकलेगी। अधिकारियों ने बताया कि अब तक 10 आयोजकों ने प्रशासन को रथयात्रा की जानकारी देते हुए आवेदन सौंपा है। रूट निरीक्षण के दौरान देखा गया कि रथ यात्रा के मार्ग पर कोई बाधा न हो और श्रद्धालुओं को सुगमता से यात्रा में भाग लेने का अवसर मिले। यात्रा के दिन कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए विभिन्न स्थानों पर मजिस्ट्रेट तैनात रहेंगे। इसके साथ ही, ट्रैफिक पुलिस द्वारा रूट डायवर्जन की योजना तैयार की जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

### आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कांग्रेस पर बोला हमला, कहा-

# सत्ता के लालच में कांग्रेस ने संविधान को कुचला, लोकतंत्र का घोंटा गला

**PHOTON NEWS JSR :** आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर भाजपा देश भर में जनजागरण अभियान चला रही है। इसी क्रम में, बुधवार को भाजपा, जमशेदपुर महानगर के तत्वावधान में साकची स्थित जिला कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने आपातकाल को लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय बताते हुए कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। रघुवर दास ने कहा कि 25 जून 1975 की रात तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सत्ता के लालच में संविधान को रौंदकर पूरे देश को जेलखाना बना दिया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को लोकतंत्र पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है, क्योंकि इसी पार्टी ने लोकतंत्र का गला घोंटने का पाप किया है। रघुवर दास ने विस्तार से बताया कि 12 जून 1975 को इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा इंदिरा गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द किए जाने और उन्हें चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित किए जाने के बाद, अपनी कुर्सी बचाने के लिए आधी रात को आपातकाल लागू करा दिया था। बिना कैबिनेट की मंजूरी के तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद से हस्ताक्षर करा कर पूरे देश को अंधकार में धकेल दिया गया।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मोरारजी देसाई, चंद्रशेखर जैसे कई विपक्षी नेताओं, आरएसएस व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों को रातों-रात जेल में भर दिया गया। प्रेस की आजादी छीन ली गई, न्यायपालिका को दबाया गया और जनता के मौलिक अधिकारों का गला घोंट दिया गया।

साकची में पत्रकारों को संबोधित करते रघुवर दास ● फोटोन न्यूज

### कई दिनों की फरारी के बाद गिरफ्तार हुए थे रघुवर दास

आपातकाल में अपने अनुभव साझा करते हुए रघुवर दास ने कहा कि वे तब किशोर संघ भालूबासा में छात्र आंदोलन से जुड़े थे, जहां रात के समय एक व्यक्ति से उन्हें सूचना मिली कि आपातकाल लागू हो गया है। उसी रात पुलिस पहुंची और वहां बांस-पुआल से बनाए जा रहे छात्र संघर्ष समिति का कार्यालय तोड़ दिया। कई दिनों तक फरार रहने के बाद वे 6-7 जुलाई को गिरफ्तार किए गए। पहले जमशेदपुर के साकची जेल और फिर 16 अगस्त को गया सेंट्रल जेल भेजे गए। इस दौरान पूर्व विधायक स्व. दीनानाथ पांडेय व जमशेदपुर के कई लोग जेल में साथ थे। उन्होंने कहा कि उस समय मेरी उम्र 18-19 साल थी। मैंने कॉलेज में नया-नया दाखिला लिया था। मेरी मां ने मेरे संघर्ष में हमेशा मेरा पूरा साथ दिया और वो दौर मेरे जीवन का निर्णायक मोड़ था।

### फायरिंग में कई छात्रों को लगी थी गोली

उन्होंने याद किया कि 10 जुलाई 1975 को बसंत टॉकीज के पास छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस फायरिंग में कई छात्रों को गोली लगी थी, जिसके चलते आज भी उस स्थान को शहीद चौक के नाम से याद किया जाता है। लोकनायक जयप्रकाश नारायण स्वयं दो बार जमशेदपुर आए और आंदोलन को नेतृत्व दिया। इस दौरान उनका सानिध्य मिला था। देशवासियों ने ह्रासिंहासन खाली करोड़ का शंखनाद किया और 1977 के आम चुनाव में तानाशाही कांग्रेस की इंदिरा सरकार को उखाड़ फेंका। उन्होंने आपातकाल के संघर्ष में बलिदान देने वाले सभी लोकतंत्र प्रहरियों को नमन किया।

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने केंद्र सरकार से अपील की कि जैसे स्वतंत्रता आंदोलन को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है, उसी तरह आपातकाल की सच्चाई को भी छात्रों को पढ़ाया जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां जान सकें कि किस तरह सत्ता के लिए संविधान का गला घोंटा गया और लोकतंत्र की हत्या की गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बार-बार संविधान की दुहाई देती है, लेकिन अपने शासनकाल में इसी संविधान का सबसे अधिक दुरुपयोग किया है। 60 वर्षों के शासन में कांग्रेस ने अनुच्छेद-356 का दुरुपयोग कर 90 गैर-कांग्रेसी सरकारों को गिराया।

अंत में रघुवर दास ने कहा कि भाजपा देश को आपातकाल की कड़वी सच्चाई से अवगत कराने का कार्य कर रही है, ताकि जनता यह न भूले कि कांग्रेस ने सिर्फ सत्ता के लिए किस तरह देश के लोकतंत्र, संवैधानिक संस्थाओं और नागरिक अधिकारों को कुचलने का प्रयास किया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश की जनता उस तानाशाही मानसिकता को कभी वापस नहीं आने देगी। लोकतंत्र की रक्षा के लिए भाजपा और देश की जनता सतर्क और सजग है।

**ये भी रहे उपस्थित :** प्रेस वार्ता में जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा, पूर्व जिलाध्यक्ष सह आपातकाल कार्यक्रम के सह-वक्ता अभय सिंह, अभियान के प्रदेश सह-संयोजक जटाशंकर पांडेय, जिला उपाध्यक्ष सह कार्यक्रम के जिला संयोजक बबुआ सिंह, जिला मीडिया प्रभारी प्रेम झा व सह-मीडिया प्रभारी अखिल सिंह मौजूद रहे।

## इंटर की पढ़ाई बंद होने पर आंदोलन की तैयारी

**CHAIBASA :** कोल्हान विश्वविद्यालय के अंतर्गत सभी कॉलेजों में इंटरमीडिएट की पढ़ाई बंद करने के खिलाफ कोल्हान छात्र संघर्ष समिति ने 1 जुलाई को न्याय यात्रा निकाली जाएगी। इस की घोषणा बुधवार को प्रेस वार्ता में टाटा कॉलेज छात्र संघ के पूर्व सचिव पिपुन बारीक व झामुमो छात्र मोर्चा के जिला अध्यक्ष सनातन पिंगुवा ने कहा कि पढ़ाई बंद होने से शिक्षक-शिक्षिकाओं को भी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है' छात्रों का कहना है कि टाटा कॉलेज में छात्रावास की सुविधा होने के कारण दूरदराज के छात्र यहां पढ़ाई कर रहे हैं, परंतु टाटा कॉलेज में इंटर बंद होने से विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित होगगी। यह न केवल छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ है, बल्कि समाज के विकास में भी बाधा है। केंद्र सरकार को चाहिए कि वह शिक्षा व्यवस्था को और सशक्त करे, ना कि उसे सीमित करे। इस मौके पर एनएसयूआई के कोल्हान यूनिवर्सिटी अध्यक्ष वीर सिंह बलमुचु व झामुमो युवा मोर्चा के सचिव मंजीत हांसदा ने भी अपने विचार रखे।

BRIEF NEWS

### भारत-नेपाल बॉर्डर पर मैत्री पुल के पास मिला हैंड ग्रेनेड

**CHAMPARAN :** भारत-नेपाल सीमा के रक्सौल बार्डर पर बहनेवाली सरिसवा नदी पर बने मैत्री पुल के नीचे से हैंड ग्रेनेड मिलने के बाद पूरे इलाके में हडकंप व्याप्त है। मिली जानकारी के अनुसार सरिसवा नदी में नहा रहे बच्चो को हैंड ग्रेनेड मिला,जिसे बच्चे खिलौना समझ कर हाथ में लेकर घूम रहे थे। इसी दौरान एसएसबी जवानो की नजर उस पर पड़ी तो हैंड ग्रेनेड को अपने कब्जे में ले लिया। एसएसबी के अधिकारियो के अनुसार हैड ग्रेनेड मिलने के सरिसवा नदी सहित आसपास के क्षेत्रो में सर्च आपरेशन चलाया जा रहा है,ताकि कही और ग्रेनेड या हथियार तो नदी में तो नहीं फेका गया है।

### शांतिपूर्ण ढंग से मुहर्रम पर्व संपन्न कराने को लेकर हुई बैठक

**ARARIA :** फारबिसगंज जुम्मन चौक स्थित मुहर्रम कमेटी के प्रधान महासचिव मो.वाहिद अंसारी के आवास पर बुधवार को शांतिपूर्ण ढंग से मुहर्रम पर्व को संपन्न कराने को लेकर मुहर्रम कमेटी की बैठक अध्यक्ष दिलशाद अहमद की अध्यक्षता में हुई। बैठक में शांतिपूर्ण ताजिया जुलूस के साथ अखाड़ों और उसके लिए लाइसेंस के साथ नमाज,इबादत और धार्मिक आयोजनों को लेकर गहनतापूर्वक विचार विमर्श किया गया। ताजिया जुलूस को लेकर बिजली के तार, गड्ढे वाली सड़क की मरम्मती, पेड़ की टहनियों की छंटाई जैसे प्रशासनिक कवायद और गुहार लगाने पर चर्चा की गई।

### चार माह से बंद था मध्याह्न भोजन, डीएम के निर्देश पर दोबारा शुरू हुआ संचालन

**PURNIA :** पूर्णिया जिलाधिकारी अंशुल कुमार की अध्यक्षता में आयोजित एक समीक्षात्मक बैठक के दौरान यह जानकारी सामने आई कि बनमनखी प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय शर्मा टोल, बिशनपुर दत्त में विगत लगभग चार माह से मध्याह्न भोजन योजना का संचालन ठप पड़ा हुआ है। इस गंभीर लापरवाही को संज्ञान में लेते हुए डीएम ने मध्याह्न भोजन योजना के प्रभारी पदाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी बनमनखी को निर्देशित किया कि अविलंब विद्यालय में एमडीएम योजना का संचालन सुनिश्चित कराया जाए। डीएम के निर्देश के क्रम में एसडीओ बनमनखी द्वारा उक्त विद्यालय का निरीक्षण किया गया।

### नवोदय विधालय में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू

**CHAMPARAN :** जिले के पीपराकोठी स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में वर्ग छ में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन शुरू कर दिया गया है। आवेदन 29 जुलाई तक दिया जा सकता है। जिलाधिकारी पूर्वी चंपारण ने बताया कि पीपराकोठी स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा छः में 80 सीटों पर प्रवेश के लिए पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया गया है।

# बिहार में पूरी तरह छाया मानसून, अगले 6 दिनों तक होगी बारिश

**AGENCY PATNA :** बिहार में मानसून पूरी तरह से छा गया है। दक्षिण-पश्चिम मानसून के सक्रिय होने से राज्य के ज्यादातर जिलों में हर दिन बारिश हो रही है। मंगलवार को पटना और उसके आसपास के इलाकों में तेज हवाओं के साथ जोरदार बारिश हुई। इससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 6 दिनों तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बारिश होने की संभावना है। कुछ जगहों पर मध्यम तो कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। किशनगंज और पश्चिम चंपारण जिलों के लिए बिजली गिरने का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

## गरज के साथ वज्रपात का येलो अलर्ट आईएमडी ने किया जारी

प्रतीकात्मक फोटो

### मौसम विज्ञान केंद्र ने जारी किया अपडेट

पटना मौसम विज्ञान केंद्र का कहना है कि अगले 6 दिनों तक राज्य के कई हिस्सों में बारिश जारी रहेगी। इस दौरान कुछ जगहों पर मध्यम तो कुछ जगहों पर भारी बारिश की संभावना है। वहीं, किशनगंज और पश्चिम चंपारण जिलों के लिए बिजली गिरने का येलो अलर्ट जारी किया गया है। विभाग ने इस दौरान लोगों को सावधान रहने की सलाह दी है। खासकर खुले इलाकों में मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने और बिना छत के खड़े रहने से बचने के लिए कहा गया है।

### किशनगंज में सबसे अधिक बारिश

पिछले 24 घंटों में किशनगंज के गलगिलिया इलाके में सबसे ज्यादा 120.4 मिमी बारिश दर्ज की गई है। इसके अलावा गया, समस्तीपुर, अररिया, भागलपुर, मधुबनी, वैशाली, नालंदा, पूर्वी चंपारण, रोहतास और दरभंगा समेत कई जिलों में भी बारिश हुई है।

### लोगों से सतर्क रहने की अपील

पटना आईएमडी ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। मौसम विभाग का कहा है कि खुले में मोबाइल इस्तेमाल करने से बचें और बारिश के दौरान खुले स्थानों पर जाने और रहने से बचे। विभाग का कहना है कि बारिश के मौसम में बिजली गिरने का खतरा सबसे अधिक होता। मौसम विभाग ने किशनगंज और पश्चिम चंपारण के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया है।

## गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए की कार्रवाई

# नवादा में 9 साइबर अपराधी गिरफ्तार, कई सामान बरामद

**AGENCY NAVADA :** जिले में वारिसलीगंज पुलिस ने बुधवार को थाना क्षेत्र के चकवाय पंचायत स्थित मीरविगहा गांव से नौ साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान मीरविगहा गांव निवासी सतेन्द्र प्रसाद के पुत्र सुधांशु पटेल, विजय पासवान के पुत्र विक्की कुमार, स्वर्गीय अर्जुन राम के पुत्र राजेश कुमार, द्वारिका ठाकुर के पुत्र सुधीर कुमार, रामवृक्ष पासवान के पुत्र गौतम कुमार, स्वर्गीय प्रेमन पंडित के पुत्र अरविन्द पंडित, अनिल मिस्त्री के पुत्र मंटू कुमार, राजेन्द्र पंडित के पुत्र सुरज कुमार एवं झारखंड राज्य के बोकारो जिला स्थित वेरमो निवासी जगदीश शर्मा के पुत्र संतोष कुमार के रूप में की गई। बुधवार को थाना परिसर में पकरीबरावां एसडीपीओ महेश कुमार चौधरी ने प्रेसवार्ता कर बताया कि पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देश पर पुलिस की एक टीम बनाई गई । थेन के बाघी गांव में छापेमारी की गई.उक्त छापेमारी में पुलिस ने कुल नौ साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया। वहीं पुलिस को देखते ही दर्जन भर से ज्यादा साइबर अपराधी फरार होने में सफल रहा। जबकि गिरफ्तारी स्थल से पुलिस ने कुल 11 एण्ड्रॉयड मोवाइल, एक कीपैड मोवाइल, एक डेटा कॉपी तथा एक कस्टमर सीट जब्त किया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार साइबर अपराधी रिलायंस फाइनेंस व अन्य कंपनियों से लोन दिलाने के नाम पर भोले-भाले लोगों को ठगी का शिकार बनाता है। एसडीपीओ ने बताया कि जब्त मोवाइल में लगा सिम कार्ड का नम्बर फर्जी पाया गया। दो मोबाइल नम्बर से साइबर से संबंधित पुलिस के पास ठगी का शिकायत दर्ज है। छापेमारी के दौरान फरार साइबर अपराधी के विरुद्ध पुलिस छापेमारी कर जल्द गिरफ्तार करने की बात एसडीपीओ ने कही।

जानकारी देते एसडीपीओ महेश कुमार चौधरी व अन्य

### पूर्वी चंपारण में मिले शव की हुई पहचान, पिता निकला पुत्री का हत्यारा

**EAST CHAMPARAN :** जिले के तुरकौलिया थाना क्षेत्र स्थित पुलवाघाट धनौती नदी के किनारे 20 जून को मिले सड़े गले शव की पहचान पुलिस ने कर ली है। उक्त शव की पहचान तुरकौलिया नयका टोला गांव के मनोज सिंह की पुत्री चांदनी कुमारी (16वर्ष) के रूप में हुई है। इसकी जानकारी देते एएसपी सदर-1 शिवम धाकड़ ने बताया कि चांदनी की हत्या उसके पिता मनोज ने ही किया था। हत्या के बाद साक्ष्य को छुपाने के लिए उसने गड्ढा खोदकर शव को गाड़ दिया था। पुत्री के प्रेम-प्रसंग के कारण पिता ने उक्त कदम उठाया। पुलिस ने मामले में हत्यारे पिता को गिरफ्तार कर लिया है। मनोज हरसिद्धि थाना क्षेत्र के धवही गांव का रहने वाला है। वर्तमान में वह तुरकौलिया के नयका टोला में घर बनाकर रह रहा था। एएसपी ने बताया कि 20 जून को एक अज्ञात शव पुलवाघाट के पास मक्के के खेत से मिला। तुरकौलिया थाना ने मजिस्ट्रेट और एफएसएल टीम की उपस्थिति में सड़े गले शव के अवशेष को गड्ढे से बरामद किया। अनुसंधान के क्रम में बेतिया से डॉग स्क्वायड की टीम भी मंगाई गई थी। इस दौरान सड़े गले शव के पास से एक पीले रंग का फ्रॉक भी मिला था। जिसपर कढ़ाई की गई थी और उस टेलर का टैग भी लगी थी। अज्ञात शव के सड़े गले होने के कारण एफएमटी विभाग एसकेएमसीएच मुजफ्फरपुर में डीएनए का प्रोफाइलिंग की गई है। फ्रॉक में लगे टैग से टेलर की पहचान कर टेलरिंग मास्टर से भी पूछताछ की गई, साथ ही वैज्ञानिक साक्ष्य एवं सूचना के आधार पर शव के संबंध में जानकारी प्राप्त हुआ। जिसके बाद पुलिस ने इस ब्लाइंड केस को सुलझा लिया है। पुत्री की हत्या करने वाले आरोपी पिता मनोज सिंह ने अपना गुनाह कबूल करते बताया कि बेटी के प्रेम प्रसंग से तंग आ गया था, लोक लाज के डर से उसने बेटी की हत्या कर शव को गड्ढा खोद कर छुपा दिया था।

## मुख्यमंत्री ने बिहार लोक सेवा आयोग से चयनित 101 सहायक वास्तुविदों को दिया नियुक्ति पत्र

नियुक्ति पत्र प्रदान करते सीएम नीतीश कुमार व अन्य

**AGENCY PATNA :** मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित 'संवाद' में भवन निर्माण विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बिहार लोक सेवा आयोग से चयनित 101 सहायक वास्तुविदों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वास्तुविदों का कार्य इमारतों की डिजाईन बनाने के साथ-साथ पूरी निर्माण प्रक्रिया का रचनात्मक एवं तकनीकी मार्गदर्शन करना होता है ताकि निर्मित भवन सुंदर तथा उपयोगी हो। साथ ही वहां धूप, हवा एवं रोशनी का संतुलन हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि आज के इस कार्यक्रम में बिहार लोक सेवा आयोग से चयनित 101 सहायक वास्तुविदों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया है, मैं आप सभी को बधाई एवं शुभकामनायें देता हूँ और आपसे उम्मीद करता हूं कि आप अच्छे ढंग से अपने कार्य का निर्वहन करेंगे।

आज 101 चयनित वास्तुविदों में प्लानिंग में पीजी की योग्यता रखने वाले 31, आपदा जोखिम में विशेषज्ञता रखने वाले 02, अर्बन डिजाईनिंग के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाले 02 एवं लैंडस्केपिंग के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाले अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। ऐसे वास्तुविद जो विशेष योग्यता रखते हैं, उनकी योग्यता के अनुसार उनको कार्य आवंटित करने का प्रस्ताव है।

# बढ़ते अपराध व प्रशासनिक विफलता के खिलाफ राजद कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

**AGENCY ARARIA :** अररिया समाहरणालय परिसर स्थित धरना स्थल पर राजद की ओर से बुधवार को बढ़ते अपराध और प्रशासनिक विफलता के खिलाफ जिलाध्यक्ष मनीष यादव की अध्यक्षता में एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया।जिसमें बड़ी संख्या में राजद कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और बिहार सरकार पर अपराध पर रोक लगाने में असफल करार दिया।अपराध मुक्त बिहार के मांग को लेकर राजद कार्यकर्ताओं ने जमकर बिहार सरकार को अपने निशाने पर लिया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार में अपराध बेलगाम हो चुका है।सत्ता संपोषित अपराधियों के द्वारा विपक्ष के नेताओं और कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जा रहा है।

फारबिसगंज में अंजार अंसारी हत्याकांड पर वक्ताओं ने निष्पक्ष जांच करते हुए आरोपितों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की।वक्ताओं ने बढ़ते अपराध को लेकर कहा कि भाजपा और जदयू के नेताओं के लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के काल को जंगलराज की संज्ञा देते हैं,जबकि वर्तमान समय में बिहार महाजंगलराज वाली स्थिति से गुजर रहा है।दिनदहाड़े लूटकांड और हत्या का दौर चल रहा है और पुलिस प्रशासन उस पर रोकथाम लगाने में पूरी तरह विफल है। व्यापारी,कारोबारी सहित आम जनता की स्थिति त्राहिमाम वाली है।वक्ताओं ने नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली भाजपा और जदयू की सरकार को पूरी तरह विफल करार दिया।

### अवैध रूप से विद्युत चोरी करने के आरोप में 52 पर प्राथमिकी दर्ज

**SAHARSA :** जिले में अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी की घटना की रोकथाम को लेकर चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत सभी कनीय विद्युत अभियंता के नेतृत्व मे एक जांच दल का गठन कर 52 पर प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है। वहीं बकाया नहीं जमा नहीं करने के कारण 1575 लोगों का कनेक्शन काटा गया। कनीय विद्युत अभियंता के द्वारा बताया गया की मीटर से पहले मुख्य सर्विस तार मे कटिंग कर एवं एक अतरिक्त तार जोड़कर मीटर बाईपास करते हुए अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर नौ लाख रुपये जिसमें विद्युत बकाया सहित जुमार्ना लगायी गयी है। उक्त उपभोक्ताओं के द्वारा मीटर बाईपास करने के कारण वास्तविक मान पठन अवरुद्ध हो रहा था तथा विभाग के राजस्व की क्षति हो रही थी।

# आपातकाल का कलंक कांग्रेस का काला कारनामा : प्रवीण कुमार

**AGENCY ARARIA :** लोकतंत्र पर प्रहार करने का दुःखद दिन 25 जून 1975 को देश के माथे पर आपातकाल का कलंक लगाने वाली कांग्रेस के काले कारनामे को देश कभी ना भूलेगा,न देश कभी कांग्रेस को इसके लिए माफ करेगा। उक्त बातें भाजपा विधानसभा प्रभारी प्रवीण कुमार ने आपातकाल के 50वीं बरसी पर कहीं। आपातकाल देश के लिए काला अध्याय विषय से कार्यकताओं को अवगत कराने हेतु बुधवार को नगर अध्यक्ष वीरेंद्र प्रसाद मिंटू की अध्यक्षता में आयोजित एक बैठक को संबोधित करते हुए विधानसभा प्रभारी कुमार ने कहा कि स्वतंत्र भारत मे 25 जून 1975 के अर्द्धरात्रि को कांग्रेस द्वारा देश पर थोपे गये शर्मनाक आपातकाल के दौरान रात में सोते हुए लोकनायक जयप्रकाश नारायण सहित अटल बिहारी वाजपेयी, मोरारजी देसाई, चरण सिंह, राजनारायण, नानाजी देशमुख कपूरी ठाकुर जैसे अनेकों प्रमुख नेता सहित 21 महीने के आपात काल मे 1 लाख 10 हजार लोगों गिरफ्तार कर प्रेस पर सेंसर लगा,अखबारों के जुबान पर ताले जड़ दिये गये और देश वासियों भीषण यातनाएं सहने पर मजबूर कर दिया गया था। कुमार ने संविधान के अनुच्छेद 352 का दुरुपयोग कर लगाए गए इमरजेंसी के विरुद्ध गम्भीर यातनाएं सह कर भी अपनी आवाज बुलंद करने वाले सत्याग्रहियों सेनानियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि एक परिवार की सत्ता के लालच ने संसद को निष्क्रिय बनाकर देश को रातों रात जेल में तब्दील कर दिया।

## 14 वर्षों में 2412 करोड़ खर्च कर छात्राओं की तादाद में हुआ इजाफा, आत्मविश्वास भी बढ़ा

# पोशाक योजना बनी बेटियों की ताकत, बदल गई स्कूलों की तस्वीर

**AGENCY PATNA :** बिहार की बेटियों के लिए शिक्षा अब सिर्फ सपना नहीं, हक बन चुकी है। इसके पीछे एक बड़ी वजह बनी है मुख्यमंत्री पोशाक योजना। जिसने 14 वर्षों में न सिर्फ छात्राओं की संख्या बढ़ाई, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास और गरिमा भी दी। 2011 से शुरू हुई इस योजना के तहत अब तक करीब 1 करोड़ 94 लाख 55 हजार 264 छात्राओं को पोशाक के लिए राशि दी जा चुकी है, जिस पर सरकार ने कुल 2412.47 करोड़ रुपये खर्च किए गए।

साल 2018-19 में योजना की राशि 1000 से बढ़ाकर 1500 रुपये कर दी गई, जिससे छात्राओं की स्कूल में उपस्थिति और आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2025-26 में एक करोड़ से अधिक छात्राओं को अप्रैल माह में ही पोशाक की राशि डीबीटी के जरिए भेज दी गई। इसके लिए सरकार ने 710 करोड़ रुपये की व्यवस्था की थी।

### शिक्षा बजट में जबरदस्त वृद्धि

वर्ष 2005 में शिक्षा विभाग का बजट जहां 4400 करोड़ रुपये था, वहीं अब यह बढ़कर 60,000 करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। इसमें पोशाक और साइकिल योजना जैसे प्रोत्साहन कार्यक्रम प्रमुख हैं। राज्य का राजकोषीय घाटा भी 2020-21 के 9.2 फीसद से घटकर 2023-24 में लगभग 3 फीसद पर आ गया है। जिससे स्पष्ट है कि सरकार वित्तीय अनुशासन और शिक्षा निवेश, दोनों में संतुलन बनाए हुए हैं।

### बेटियों की बढ़ी भागीदारी

इन योजनाओं का सीधा असर राज्य की साक्षरता दर, खासकर बालिका शिक्षा में अभूतपूर्व वृद्धि के रूप में सामने आया है। सरकारी और स्वतंत्र रिपोर्टों में यह स्पष्ट हुआ है कि विद्यालयों में लड़कियों की उपस्थिति और नामांकन दर दोनों में उल्लेखनीय उछाल आया है।

### स्थायी लोक अदालत को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

**BHAGALPUR :** जिला विधिक सेवा प्राधिकार भागलपुर द्वारा बुधवार को कोर्ट बिल्डिंग स्थित कांफ्रेंस हॉल, व्यवहार न्यायालय परिसर में स्थायी लोक अदालत की स्थापना एवं क्षेत्राधिकार विषय पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, भागलपुर राजेश नारायण सेवक पाण्डेय ने किया। इस मौके पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि स्थायी लोक अदालत विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की धारा 22-बी के अंतर्गत स्थापित की जाती है। इसका उद्देश्य जन उपयोगी सेवाओं से संबंधित विवादों का त्वरित, प्रभावी एवं सुलभ समाधान सुनिश्चित करना है।

### अपनी शिकायतें लेकर सचिवालय की परिक्रमा न करें शिक्षक : डॉ. सिद्धार्थ

**AGENCY ATNA :** स्थानांतरण से संबंधित अपनी शिकायतों को लेकर राज्य के विभिन्न जिलों से शिक्षकों की सचिवालय परिक्रमा लगातार जारी है। जिससे शिक्षा विभाग के कामकाज प्रभावित होने लगे हैं। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने बुधवार को राज्य के सभी जिलाधिकारियों को पत्र जारी कर उन्हे निर्देश दिया है कि जब जिलों में ही स्थानांतरित शिक्षकों की स्थापना संबंधित समस्याओं के समाधान की व्यवस्था है, तब शिक्षकों का सीधे राज्य मुख्यालय की परिक्रमा करना उचित नहीं है। इससे विभाग में कामकाज के संचालन में समस्याएं उत्पन्न हो रही है। डॉ. सिद्धार्थ ने जिलाधिकारियों को लिखे अपने पत्र में कहा है कि शिक्षा विभाग का स्थापना बल दस लाख है। अगर इस बल का आंशिक प्रतिशत भी अपनी समस्याओं को लेकर राज्य मुख्यालय आता है तो यह संख्या बहुत बड़ी हो जाती है। इससे शिक्षकों को तो समस्या हो ही रही है, साथ ही विभागीय कार्यों के संचालन में भी समस्याएं आ रही हैं। अपनी स्थानांतरण संबंधी समस्याओं को लेकर शिक्षकगण राज्य मुख्यालय में कार्यरत पदाधिकारियों से संपर्क स्थापित करने की कोशिश करते हैं। जिससे विभागीय कामकाज में दिक्कतें पैदा होती हैं। उन्होंने अपने पत्र में लिखा है कि जिलों के अंदर स्थापना संबंधी समस्याओं को जिलास्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला स्थापना समिति द्वारा केस टू केस विचार कर यथोचित कार्रवाई की जाती है।

## कर्नाटक सरकार का फेक न्यूज कानून या विचारों का गला घोंटने की साजिश

कर्नाटक सरकार द्वारा प्रस्तावित सोशल मीडिया विनियामक प्राधिकरण विधेयक 2025, जिसमें सोशल मीडिया पर फेक न्यूज फैलाने पर सात साल की सजा और दस लाख रुपये तक जुमार्ने का प्रावधान है, भारतीय लोकतंत्र के लिए चिंताजनक संकेत है। यह कानून सतही तौर पर गलत सूचना के विरुद्ध कार्रवाई का प्रयास लगता है, लेकिन इसके गहरे राजनीतिक और वैचारिक निहितार्थ हैं। यह कदम भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ऐतिहासिक प्रवृत्तियों की पुनरावृत्ति के समान है, जिसमें असहमति और आलोचना को कुचलने की नीति रही है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा सोशल मीडिया उपभोक्ता देश है। 2025 तक भारत में लगभग 85 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, जिनमें से 70 करोड़ लोग सोशल मीडिया का नियमित उपयोग करते हैं। वाट्सएप के 53 करोड़, यूट्यूब के 45 करोड़, फेसबुक के 35 करोड़, इंस्टाग्राम के 33 करोड़ और ट्विटर (एक्स) के 2.5 करोड़ से अधिक मासिक सक्रिय उपयोगकर्ता हैं। सोशल मीडिया अब केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि समाचार, सूचना, अभिव्यक्ति, रोजगार और जनआंदोलनों का प्रभावी मंच बन चुका है। इसी डिजिटल शक्ति को नियंत्रित करने की राजनीतिक इच्छा ने इस प्रकार के कठोर विधेयक को जन्म दिया है। इस प्रस्ताव के अनुसार एक छह सदस्यीय प्राधिकरण गलत सूचना की पहचान करेगा और जरूरत समझे तो सामग्री को हटाने, प्रकाशन को रोकने या आर्थिक दंड लगाने का अधिकार रखेगा। इस प्रक्रिया में सरकार समर्थित निकाय को यह निर्णय लेने की खुली छूट मिल जाती है कि कौन-सी जानकारी सत्य है और कौन-सी असत्यझ्र जो लोकतांत्रिक विचार प्रक्रिया के विपरीत है। इतिहास गवाह है कि कांग्रेस पार्टी जब-जब सत्ता में रही है, उसने असहमति की आवाजों को कुचलने के प्रयास किए हैं। वर्ष 1975 में लगाया गया आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को निलंबित कर, प्रेस पर सेंसरशिप लागू की और हजारों विपक्षी नेताओं को बिना सुनवाई जेलों में डाल दिया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधीन, अखबारों की प्रतियों को प्रिंट से पहले अनुमोदन के लिए भेजना अनिवार्य कर दिया गया था। यही नहीं, कांग्रेस की यूपीए सरकार के दौरान भी इंटरनेट सेंसरशिप की कोशिशें की गईं। आईटी एक्ट की धारा 66ए का दुरुपयोग कर सोशल मीडिया पोस्ट के आधार पर छात्रों और आम नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने 2015 में श्रेया सिंगल बनाम भारत सरकार के ऐतिहासिक निर्णय में इस धारा को असंवैधानिक घोषित किया। फिर भी कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारें नए रूपों में सेंसरशिप को पुनः लागू करने का प्रयास करती रही हैं। वर्तमान प्रस्तावित कानून में जो सबसे खतरनाक बात है वह यह कि किसी भी सोशल मीडिया पोस्ट को इस आधार पर फेक न्यूज करार दिया जा सकता है कि वह किसी समुदाय, जाति, धर्म, महिला या राज्य की छवि को नुकसान पहुंचा रहा है। यह परिभाषा इतनी व्यापक और अस्पष्ट है कि इसका उपयोग किसी भी आलोचक, पत्रकार, राजनीतिक विरोधी या आम नागरिक के विरुद्ध किया जा सकता है। कर्नाटक सरकार पर कुछ आरोप लगे हैं जैसे साम्प्रदायिक तत्वों को सरकारी ठेकों में 4% आरक्षण दिया है। वक्फ बोर्ड की शक्तियों और बजट में वृद्धि की है, सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के विरुद्ध हिजाब को समर्थन दिया है, सरकारी पैसे से मदरसों में सांप्रदायिक शिक्षा को सुचारू किया है, शांति सम्मेलनों के नाम पर केवल मुस्लिम वर्ग को वरीयता दी है। विगत दिनों कई जिलों में हनुमान जयंती और रामनवमी के जुलूस पर प्रतिबंध या धारा 144 तथा पुलिस द्वारा कड़ी शर्तें लगाई गईं, जिसे पक्षपातपूर्ण बताया गया। श्रीराम सेना, बजरंग दल आदि संगठनों के खिलाफ एफआईआर और प्रतिबंधात्मक कार्रवाई बढ़ी है। बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की बात कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र में भी की गई थी। हिंदू मंदिरों की आय का सरकारी नियंत्रण करते हुए मंदिरों की आय का प्रयोग अन्य सेकुलर उद्देश्यों हेतु करना, जबकि अन्य धर्मस्थलों की आय उनके समुदाय के पास ही रहती है। मंदिर प्रबंधन बोर्डों में गैर-सनातन व्यक्तियों की भागीदारी करना। कक्षा 10 की पाठ्यपुस्तकों से वीर सावरकर, हिंदू महापुरुषों से जुड़ी जानकारी कम करना या हटाना, जबकि मुस्लिम शासकों पर अध्याय जोड़ना गोतस्करी और गोहत्या पर सख्ती के बजाय ऐसे मामलों में सरकार द्वारा समर्थन करना। उक्त कार्यों से यह युक्तियुक्त आशंका हो गई है कि इस कानून का दुरुपयोग हिंदू समाज के विरुद्ध ही बड़े पैमाने पर किया जा सकता है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो और विधि मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि आईटी एक्ट के अंतर्गत दर्ज मामलों में दोषसिद्धि दर अत्यंत कम- मात्र 3 से 5 प्रतिशत के बीच है। उदाहरणस्वरूप, वर्ष 2022 में फेक न्यूज, साइबर मानहानि, अफवाह फैलाने आदि के तहत लगभग 8500 मामले दर्ज किए गए, लेकिन केवल 410 मामलों में ही दोष सिद्ध हो सका। ऐसे में इतने कम दोषसिद्धि दर वाले अपराधों के लिए कठोर दंड और उच्च आर्थिक जुमार्ना न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता। प्रस्तावित कानून में विशेष न्यायालयों की स्थापना और प्राधिकरण को अर्ध-न्यायिक अधिकार देने की बात कही गई है। ये व्यवस्थाएं निष्पक्ष न्याय की अवधारणा को कमजोर करती हैं। जब जांच, प्रमाण और निर्णय- तीनों प्रक्रिया एक ही प्राधिकरण के अधीन हो जाए, तो वह तंत्र सत्ता का औजार बन सकता है। यह भी महत्वपूर्ण है कि इस कानून का सबसे अधिक असर उन्हीं वर्गों पर पड़ेगा जो पहले से हाशिये पर हैं- स्वतंत्र पत्रकार, प्रगतिशील विचारक, विपक्षी कार्यकर्ता और सामान्य नागरिक जो सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों पर सवाल उठाते हैं। ऐसी स्थिति में यह कानून अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का नहीं, अभिव्यक्ति पर नियंत्रण का औजार बन जाता है। भारत का संविधान अपने अनुच्छेद 19(1)(ए) में प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मूल अधिकार देता है। हालांकि इस अधिकार पर कुछ युक्तियुक्त प्रतिबंध संभव हैं, किंतु वे केवल संकुचित, स्पष्ट और न्यूनतम होने चाहिए।

# इजरायल-ईरान के साथ भारत के आर्थिक रिश्ते मजबूत

ANALYSIS



प्रहलाद सबनानी

वर्ष 1914 से वर्ष 1918 के बीच प्रथम विश्व युद्ध एवं वर्ष 1939 से वर्ष 1945 के बीच द्वितीय विश्व युद्ध इसके उदाहरण हैं। इजराइल-ईरान के बीच हाल ही में प्रारंभ हुए युद्ध में अमेरिका भी कूदने की तैयारी करता हुआ दिखाई दिया और अंकित खुद भी गया है। यदि संघर्ष विराम नहीं होता तो बहुत संभव है कि ईरान की सहायता के लिए रूस एवं चीन भी इस युद्ध में कूद पड़ें एवं यह युद्ध तृतीय विश्व युद्ध का स्वरूप ले ले। ऐसा कहा जा रहा है कि इजरायल एवं अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन करवाना चाह रहे हैं, ताकि ईरान में उनके हितों को साधने वाली सरकार स्थापित हो सके। वैश्विक स्तर पर आज परिस्थितियां बहुत सहज रूप से नहीं चल रही है। विभिन्न देशों के बीच विश्वास की कमी हो गई है, जिसके चलते छोटे-छोटे मुद्दों को तूल दी जाकर आपस में खटास पैदा करने के प्रयास हो रहे हैं। कुछ देश, दो देशों के बीच, इन मुद्दों को हवा देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। जैसे आतंकवाद के मुद्दे को ही लें, यदि ये देश आतंकवाद से स्वयं ग्रसित हैं, तो इनके लिए आतंकवाद बुराई की जड़ है और यदि कोई अन्य देश आतंकवाद को लम्बे समय से झेल रहा है तो इन देशों के लिए आतंकवाद कोई बहुत बड़ा मुद्दा नहीं है। बल्कि, आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देशों को प्रोत्साहन दिया जाता हुआ दिखाई दे रहा है।

रूस-यूक्रेन एवं इजरायल-हमास के बीच युद्ध अभी समाप्त भी नहीं हुआ है और तीसरे मोर्चे इजरायल-ईरान के बीच भी युद्ध शुरू हो गया। गनीमत रही की 24 जून को दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम हो गया। गौरतलब है कि इस बीच भारत-पाकिस्तान के बीच भी युद्ध छिड़ गया था, परंतु भारत की बड़े भाई की भूमिका के चलते इस युद्ध को शीघ्रता से समाप्त करने में सफलता मिल गई थी। दो देशों के बीच युद्ध में किसी एक देश का फायदा नहीं होकर बल्कि दोनों ही देशों का नुकसान ही होता है। परंतु, आवेश में आकर कई बार दो बड़े देश भी आपस में टकरा जाते हैं एवं इन दोनों देशों के पक्ष एवं विपक्ष में कुछ देश खड़े हो जाते हैं, जिससे कुछ इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित हो जाती हैं कि विश्व युद्ध छिड़ जाते हैं। वर्ष 1914 से वर्ष 1918 के बीच प्रथम विश्व युद्ध एवं वर्ष 1939 से वर्ष 1945 के बीच द्वितीय विश्व युद्ध इसके उदाहरण हैं। इजराइल-ईरान के बीच हाल ही में प्रारंभ हुए युद्ध में अमेरिका भी कूदने की तैयारी करता हुआ दिखाई दिया और अंकित खुद भी गया है। यदि संघर्ष विराम नहीं होता तो बहुत संभव है कि ईरान की सहायता के लिए रूस एवं चीन भी इस युद्ध में कूद पड़ें एवं यह युद्ध तृतीय विश्व युद्ध का स्वरूप ले ले। ऐसा कहा जा रहा है कि इजरायल एवं अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन करवाना चाह रहे हैं, ताकि ईरान में उनके हितों को साधने वाली सरकार स्थापित हो सके। वैश्विक स्तर पर आज परिस्थितियां बहुत सहज रूप से नहीं चल रही है। विभिन्न देशों के बीच विश्वास की कमी हो गई है, जिसके चलते छोटे-छोटे मुद्दों को तूल दी जाकर आपस में खटास पैदा करने के प्रयास हो रहे हैं। कुछ देश, दो देशों के बीच, इन मुद्दों को हवा देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। जैसे आतंकवाद के मुद्दे को ही लें, यदि ये देश आतंकवाद से स्वयं ग्रसित हैं, तो इनके लिए आतंकवाद बुराई की जड़ है और यदि कोई अन्य देश आतंकवाद को लम्बे समय से झेल रहा है तो इन देशों के लिए आतंकवाद कोई बहुत बड़ा मुद्दा नहीं है। बल्कि, आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देशों को प्रोत्साहन दिया जाता हुआ दिखाई दे रहा है। चौधरी बन रहे कुछ देश अपनी विस्तरवादी नीतियों के चलते कई देशों में अपने हित साधने वाली सरकारों



की स्थापना करना चाह रहे हैं एवं इन देशों में इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित करने के प्रयास कर रहे हैं ताकि ये देश आपस में लड़ाई प्रारम्भ करें। रूस एवं यूक्रेन के बीच युद्ध इसका जीता जागता उदाहरण है। साथ ही, कुछ देशों की कथनी और करनी में पाए जाने वाले फर्क के चलते भी वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां बिगड़ रही हैं। चौधरी बन रहे देशों को तो उदाहरण पेश करते हुए अपनी कथनी एवं करनी में फर्क को समाप्त करना ही होगा। अन्यथा वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां भयावह स्तर तक पहुंच सकती हैं। चूंकि इजरायल भी आतंकवाद से पीड़ित देश है एवं इजरायल की सीमाएं चार मुस्लिम राष्ट्रों से जुड़ी हुई हैं- यथा- उत्तर में लेबनान, दक्षिण पश्चिम में ईजिप्ट (एवं गाजा), पूर्व में जॉर्डन (एवं वेस्ट बैंक) एवं उत्तर पूर्व में सीरिया। अतः इजरायल अत्यधिक आक्रात्मकता के साथ आतंकवादियों (हमास एवं हूथी आदि संगठनों) से युद्ध करता रहता है। इस्लाम के अनुयायी यहूदियों के कट्टर दुश्मन हैं, इसके चलते भी इजरायल के नागरिकों को आतंकवाद को लंबे समय से झेलना पड़ रहा है। ईरान के बारे में तो कहा जा रहा है कि ईरान स्थित लगभग 60 प्रतिशत मस्जिदों में इबादत के लिए कोई भी व्यक्ति पहुंच ही नहीं रहा है, क्योंकि ईरान में एवं ईरान द्वारा पड़ोसी देशों में फैलाए गए आतंकवाद से ईरान के मूल नागरिक अत्यधिक परेशान हैं। महिलाओं पर आतंकवादियों द्वारा किए जा रहे अत्याचारों से स्थानीय नागरिक बहुत दुखी हैं। अतः अब वे अपने पुराने धर्म जोरोस्ट्रीयन को अपनाने के लिए आतुर दिखाई दे रहे हैं अथवा इस्लाम धर्म का परित्याग करना चाह रहे हैं। जोरोस्ट्रीयन, ईरान का मूल धर्म हैं एवं यह अब ईरान के कुछ (बहुत कम) क्षेत्रों में सिमट कर रह गया है। भारत में भी जोरोस्ट्रीयन धर्म को मानने वाले पारसी समुदाय के कुछ नागरिक शांतिपूर्वक रह रहे हैं एवं भारत के आर्थिक विकास में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं। वैश्विक स्तर पर निर्मित हो रही उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारत की विशेष भूमिका रह सकती है, क्योंकि भारत के इजरायल एवं ईरान दोनों ही देशों के साथ आर्थिक रिश्ते बहुत मजबूत हैं। भारत, ईरान से भारी मात्रा में कच्चा तेल खरीदता रहा है एवं भारत ने ईरान में चाबहार बंदरगाह के निर्माण में भारी आर्थिक एवं तकनीकी सहायता प्रदान की है। चाबहार बंदरगाह का संचालन भी ईरान की सरकार के साथ भारतीय इंजीनियरों द्वारा ही किया जा रहा है। भारत और ईरान के बीच प्रतिवर्ष 200 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का विदेशी व्यापार होता है। दूसरी ओर, इजराइल भारत का रणनीतिक साझीदार है। भारत इजरायल से भारी मात्रा में सुरक्षा उपकरण भी खरीदता है। भारत और इजरायल के बीच प्रतिवर्ष 650 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का विदेशी व्यापार होता है, इसमें भारत द्वारा इजराइल से आयात किए जाने वाले सुरक्षा उपकरणों की राशि शामिल नहीं है। कुल मिलाकर, भारत के इजराइल एवं ईरान, दोनों देशों के साथ बहुत पुराने व्यापारिक एवं सांस्कृतिक रिश्ते हैं। भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में वसुधैव कुटुंबकम; सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय एवं सर्वे भवंतु सुखिनः की भावना पर विश्वास किया जाता है। अतः भारतीय नागरिक सामान्यतः शांत स्वभाव के होते है एवं पूरे विश्व में ही भ्रातत्व के भाव का संचार करते हैं। आज चार करोड़ से अधिक भारतीय मूल के नागरिक विभिन्न देशों के आर्थिक विकास में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं। इन देशों में होने वाले अपराधों में भारतीय मूल के नागरिकों की संलिप्तता लगभग नहीं के बराबर पाई गई है। इसी कारण के चलते आज वियतनाम, जापान, इजराइल, आस्ट्रेलिया एवं सिंगापुर जैसे कई देश भारतीय मूल के नागरिकों को अपने देश में कार्य करने एवं बसाने में सहायता करते हुए दिखाई दे रहे हैं। खाड़ी के देश यथा ओमान, बहरीन, सऊदी अरब, यूनाइटेड अरब अमीरात आदि में भी लाखों की संख्या में भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे हैं एवं शांतिप्रिय जीवन व्यतीत कर रहे हैं। कुल मिलाकर, विभिन्न देशों में निवासरत भारतीय मूल के नागरिकों का रिकार्ड बहुत ही संतोषजनक पाया जाता है, क्योंकि भारतीयों की मूल प्रकृति ही सनातन हिंदू संस्कारों के अनुरूप पाई जाती है एवं वे किसी भी प्रकार के कर्म में धर्म को जोड़कर ही इसे सम्पन्न करने का प्रयास करते हैं और धर्म के अनुरूप किये गए किसी भी कार्य से किसी का अहित हो ही नहीं सकता। उक्त वर्णित परिप्रेक्ष्य में वैश्विक स्तर पर जब चौधरी बन रहे देशों द्वारा अन्य देशों के साथ न्याय नहीं किया जाता हुआ दिखाई दे रहा है तो ऐसे में भारत को आगे आकर युद्ध में झोंके जा रहे देशों के नागरिकों की मदद करनी चाहिए। भारत की तो वैसे भी नीति ही वसुधैव कुटुनबकम की है। यदि पूरे विश्व में भाईचारा फैलाना है तो सनातन हिंदू संस्कृति के अनुपालन से ही यह सब सम्भव हो सकता है। उक्त परिस्थितियों के बीच सनातन हिंदू संस्कृति की स्वीकार्यता विभिन्न देशों के नागरिकों की बीच तेजी से बढ़ भी रही है, क्योंकि कई देश अब आतंकवाद से बहुत अधिक परेशान हो चुके हैं। अतः अब वे किसी तीसरे रास्ते की तलाश में हैं। इन विपरीत परिस्थितियों के बीच उनके पास अब विकल्प केवल सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को अपनाने का ही बचता है, जिसके प्रति वे लालायित भी हैं। और फिर, आतंकवाद से यदि छुटकारा पाना है तो इससे लड़ते हुए छुटकारा पाने में तो कुछ देशों को कई प्रकार के बलिदान देने पड़ सकते हैं और यदि सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को स्वीकार कर लिया जाता है तो कई देशों के नागरिकों को इस बलिदान से बचाया जा सकता है।

# प्राकृतिक तरीके से बरकरार रखें शरीर का हाइड्रेशन

पसीने के कारण शरीर से जरूरी मिनरल्स और पानी तेजी से निकल जाते हैं। इसकी वजह से शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन की दिक्कत हो जाती है। ऐसा गर्मी में अधिक होता है। गर्मी में अपने शरीर को हाइड्रेट करने के लिए ज्यादातर लोग पानी पीते हैं, लेकिन यह पर्याप्त नहीं होता। क्योंकि एक तो पानी बेस्वाद होता है और दूसरे इसमें पर्याप्त मिनरल नहीं होते, जोकि शरीर को भरी दुपहरी ऊर्जावान रख सकें। हालांकि कुछ लोग अपनी प्यास बुझाने के लिए काबोर्नेटेड ड्रिंक्स का सहारा लेते हैं, जिनमे केमिकल और आर्टिफीसियल फ्लेवोर्स को मिलाकर एक उम्दा स्वाद तैयार किया जाता है और लोग अपने परिवार और मेहमानों को शौक से काबोर्नेटेड ड्रिंक्स पिलाते हैं। लेकिन, इन ड्रिंक्स के लगातार उपयोग से शुगर और पेट सहित अन्य अनेक समस्याएं खड़ी हो जाती हैं। गर्मियों के मौसम में शरीर को तरोताजा रखने के लिए अनेक हेल्दी ड्रिंक्स उपलब्ध हैं, जो शरीर में पानी की कमी दूर करते हैं और आपको अन्दर से मजबूत भी रखते हैं। नारियल पानी प्राकृतिक और स्वास्थ्यवर्धक पेय है। यह शरीर को हाइड्रेट करता है। इससे आप ऊर्जावान और एक्टिव महसूस करते हैं। यह ना सिर्फ शरीर को ठंडक देता है, बल्कि इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर होता है। इससे ताजगी और ऊर्जा दोनों प्रदान होती है। नारियल पानी पीने से थकान और कमजोरी दूर होती है और यह पाचन क्रिया को भी सुधारता है। नारियल पानी को दिन में किसी भी समय पिया जा सकता है। हालांकि आयुर्वेदाचार्य इसे सुबह खाली पेट पीने की सलाह देते हैं ताकि आपको इसका अधिकतम लाभ मिल सके। नारियल पानी में एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन सी होते हैं। यह स्किन को अंदर से ग्लोइंग बनाने में मददगार हैं। सुबह खाली पेट एक गिलास नारियल पानी पीने से त्वचा हेल्दी और आकर्षक बनती है। नारियल पानी में फाइबर होता है। यह पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद करता है। रोजाना एक गिलास नारियल पानी पीने से पेट को हेल्दी रखने में मदद मिल सकती है। नारियल पानी में 94 प्रतिशत पानी की मात्रा होती है। यह शरीर को जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स की पूर्ति करता है। गर्मियों के महीने में आउटडोर एक्टिविटीज और स्पोर्ट्स आदि के बाद नारियल पानी का सेवन काफी लाभदायक माना जाता है। गर्मियों में पुदीना छाछ पीने से पेट शांत रहता है और पाचन क्रिया सही रहती है। यह शरीर को ठंडक और हाइड्रेशन दोनों प्रदान करता है। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन बी 12 जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देने के साथ-साथ कमजोरी और थकान को भी दूर करते हैं। छाछ में इलेक्ट्रोलाइट्स तत्व विद्यमान होते हैं। यह शरीर के वाटर बैलेंस को बनाए रखने में मदद रखते हैं। छाछ में दूध और दही के मुकाबले पानी की मात्रा ज्यादा होती है जबकि फैट और कैलोरी की मात्रा कम होती है। मोनोपौज के बाद जिन महिलाओं का स्वभाव चिड़-चिड़ा हो जाता है। उन्हें निमयित रूप से एक गिलास छाछ का सेवन करना चाहिए। अगर छाछ के खट्टे स्वाद से आप परेशान रहते हों तो इसका सेवन हल्के-फुल्के मसाले और काला नमक मिलाकर किया जा सकता है। छाछ को दोपहर के खाने के साथ पीना सबसे ज्यादा हितकर माना जाता है।इस समय छाछ पीने से ब्लोटिंग, गैस और एसिडिटी से छुटकारा मिलता है। हम अकसर तला भुना या मसालेदार खाना खाते रहते हैं। इसकी वजह से शरीर के अंदर का तापमान बढ़ जाता है। छाछ में प्रोबायोटिक्स तत्व मौजूद होते हैं और रोजाना एक गिलास छाछ पीने से इस समस्या से राहत पाई जा सकती है। गर्मियों में ज्यादा से ज्यादा पानी पीने की सलाह दी जाती है, लेकिन अनेक लोगों को सादे पानी का स्वाद पसन्द नहीं आता। इसकी वजह से वह पानी पीने से कतराते हैं। अगर आप भी उनमें से हैं तो फ्लेवर्ड पानी आपके लिए बेहतर विकल्प है। फलों से तैयार यह पानी आपके लिए स्वास्थ्यवर्धक हो सकता है। आपको गर्मी से भी बचाएगा और पानी की कमी भी नहीं होने देगा। फ्लेवर्ड पानी बनाने के लिए सादे पानी में ताजे फल, जड़ी बूटियों, सब्जियों और मसालों आदि का स्वाद मिलाकर इसे स्वादिष्ट और पौष्टिक बनाया जाता है। पानी को फ्लेवर्ड बनाने से उसमें विटामिन्स और मिनरल्स की मात्रा भी बढ़ जाती है। इस वजह से हम दिन भर ऊर्जावान रहते हैं। फ्लेवर्ड पानी के कारण हम काबोर्नेटेड ड्रिंक्स और सोडा आदि के सेवन से बचे रहते हैं। फ्लेवर्ड वॉटर में कई तरह के फल और जड़ी बूटियों के तत्व मिले होने से यह हेल्दी होता है और अच्छे से डिटॉक्स करता है। लेकिन फ्लेवर्ड वॉटर तब हानिकारक भी हो जाता है, अगर वह बाजार का बोतल बंद फ्लेवर्ड वाटर है और उसमें जरूरत से ज्यादा कृत्रिम मिठास और प्रिजर्वेटिव्स होते हैं। फ्लेवर्ड वॉटर बनाने के लिए मटके या सुराही में ठंडा पानी भरें। इसमें पतले कटे हुए फल, हर्ब्स या मसालों की स्लाइस डालें। इसे कुछ घंटे या रात्रि भर रेफ्रीजिरेटर में ठंडा होने दें। अब आपका फ्लेवर वाटर तैयार हो गया है। गर्मियां आ गई हैं तो ऐसे में बार-बार गरमा-गरम चाय पीना सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। ऐसे में आप एंटी ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर हर्बल चाय ट्राई कर सकते हैं। यह सेहत और स्वाद दोनों तरफ से बेहतर साबित होगी। हर्बल चाय खासकर मिंट और ग्रीन टी गर्मियों में बहुत फायदेमंद होती है। यह न केवल शरीर को हाइड्रेट करती है, बल्कि शांति और ताजगी भी देती है। हर्बल चाय में शहद या कम चीनी का उपयोग करें ताकि यह ज्यादा हेल्दी रहे। हर्बल चाय के साथ-साथ आप आइस्ड टी भी उपयोग कर सकते हैं,जो आपको तरोताजा रखेगी। आइस्ड टी में हर्बल चाय के अतिरिक्त कुछ कूलिंग और रिफ्रेशिंग चीजों को भी शामिल किया जाता है।

## Social Media Corner

सच के हक में...



ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने भारत के लिए अंतरिक्ष में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है, पूरा देश एक भारतीय की सितारों की यात्रा पर उत्साहित और गर्वित है। वह और अमेरिका, पोलैंड और हंगरी के एक्सिओम मिशन 4 के उनके साथी अंतरिक्ष यात्री साबित करते हैं कि दुनिया वास्तव में एक परिवार है- 'वसुधैव कुटुम्बकम'। इस मिशन की सफलता के लिए मेरी शुभकामनाएं, जो नासा और इसरो के बीच स्थायी साझेदारी को दशार्ता है। चालक दल द्वारा किए जाने वाले व्यापक प्रयोग वैज्ञानिक अध्ययन और अंतरिक्ष अन्वेषण के नए आयाम स्थापित करेंगे।

**(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का 'एक्स' पर पोस्ट)**



कांग्रेस पार्टी पूरे देश में पिछले 1 साल से संविधान बचाओ आंदोलन चला रही है। इससे बीजेपी घबरा गई। जिनका देश की आजादी के आंदोलन में कोई योगदान नहीं रहा। जिनका संविधान निर्माण में कोई योगदान नहीं रहा। जिन्होंने संविधान का विरोध किया- उसकी कॉपी जलाई, वो कांग्रेस पार्टी को संविधान के ऊपर नसीहत दे रहे है। मोदी सरकार अपनी सारी नाकामियों पर परदा डालने के लिए रोज नए कार्यक्रम और नारे देती है। विफल विदेश नीति, महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, आर्थिक बदहाल, गरीब और अमीर की बढती खाई, चंद उद्योगपतियों को नाजायज फायदा पहुंचाए जाने और बढती सांप्रदायिकता जैसे मसलों से जनता का ध्यान भटकाना चाहती है। इस समय देश में अघोषित आपातकाल है। न ये सरकार संविधान की इज्जत करती है और न संसद की।

**(मल्लिकार्जुन खड़गे का 'एक्स' पर पोस्ट)**

# डूंगरपुर के लोक में बसा बालिका कालीबाई का बलिदान

यह घटना उन दिनों की है, जब अंग्रेजों ने भारत से जाने की घोषणा कर दी थी और भारत विभाजन की प्रकिया भी आरंभ हो गई थी। लेकिन, अंग्रेज जाते जाते कुछ ऐसा करके जाना चाहते थे कि चर्च की जमाशट पर कोई अंतर न आए और न उनकी कोई सांस्कृतिक परंपरा प्रभावित हो। इसके लिए उनके कुछ स्लीपर सेल सक्रिय थे जो देशभर में काम रहे थे। इसी षड्यंत्र में इस बालिका का बलिदान हुआ। कालीबाई एक तेरह वर्षीय वनवासी बालिका थी। यह राजस्थान के डूंगरपुर जिले के वनांचल की रहने वाली थी । कालीबाई का जन्म कब हुआ, इसका इसका उल्लेख कहीं नहीं मिलता। अनुमानतः कालीबाई का जन्म जून 1934 माना गया। अंग्रेजीकाल में चर्च ने वनवासी अंचलों में अपने विद्यालय आरंभ करने का अभियान चलाया हुआ था, जिनका उद्देश्य वनवासी समाज को उनके मूल से दूर करना था। उनकी शिक्षा की शैली कुछ ऐसी थी कि वनवासी क्षेत्र में मतांतरण तेजी से होने लगा था। उस समय के अनेक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और सामाजिक सांस्कृतिक संगठन इसके लिए चिंतित थे। विशेषकर ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जो आर्यसमाज या राम-कृष्ण मिशन से जुड़े थे, उनमें यह भाव अधिक प्रबल था। राजस्थान में स्वामी दयानंद सरस्वती और स्वामी विवेकानंद के बहुत प्रवास हुए थे, इसलिए राजस्थान क्षेत्र में इन दोनों संस्थाओं का प्रभाव था। सुप्रसिद्ध स्वाधीनता सेनानी नानाभाई खांट आर्यसमाज से जुड़े थे। उन्होंने डूंगरपुर जिले के रास्तापाल गांव में एक विद्यालय आरंभ किया। विद्यालय में वनवासी बच्चों की शिक्षा का प्रबंध किया गया था। विद्यालय में उस समय की आधुनिक शिक्षा तो दी जाती थी, पर भारतीय गुरु शिष्य परंपरा को भी जीवंत किया था। विद्यालय ने शाम को एक प्रार्थना सभा का आरंभ भी किया, जिसमें वनवासी परिवार भी आने लगे। इस विद्यालय में मुख्य शिक्षक सेंगाभाई थे। वनवासी बालिका कालीबाई भी यहां पढ़ने आती थी। यह भील समाज से संबंधित थी। उसकी आयु अनुमानित तेरह वर्ष थी। यह क्षेत्र डूंगरपुर रियासत के अंतर्गत आता था। आर्यसमाज ने विद्यालय आरंभ करने की अनुमति महारावल डूंगरपुर से ले ली थी। इस क्षेत्र में एक चर्च भी सक्रिय था। इस विद्यालय और उसकी गतिविधि से वनवासी समाज चर्च से दूर होने लगा। चर्च को आपत्ति हुई। चर्च ने कमिश्नर को शिकायत की। अंग्रेजों ने भले भारत से जाने की घोषणा कर दी थी, पर उनकी पूरी प्रशासनिक व्यवस्था और रियासतों पर रुतबा कम न हुआ था। शिकायत मिलते ही कमिश्नर ने डूंगरपुर के महारावल पर दबाब बनाया और विद्यालय बंद करने के आदेश हो गए। आदेश मिलते ही नानाभाई ने विद्यालय तो यथावत रखा और उन्होने महाराज से मिलने का प्रयास किया, लेकिन अनुमति न मिली। मिलने का समय टाला गया। नानभाई को आशा थी महाराज से मिलने के बाद अनुमति यथावत हो जाएगी, इसलिए विद्यालय बंद न हुआ। वे यह भी जानते थे कि अंग्रेज तो जाने वाले हैं। तब चर्च और अंग्रेज अधिकारियों के आगे क्यों झुकना। उनके इनकार करने से अधिकारी बौखला गए। भारी पुलिस बल के साथ अधिकारी विद्यालय पहुंचे। वे ताला लगाकर विद्यालय सील करना चाहते थे, किंतु शिक्षक सेंगाभाई ने विद्यालय के द्वार पर खड़े होकर रास्ता रोकना चाहा। पुलिस ने पकड़ कर किनारे किया और विद्यालय पर ताला लगा दिया। शिक्षक सेंगाभाई को रस्सी से गाड़ी के पीछे बांध दिया गया। गाड़ी रवाना हुई तो शिक्षक सेंगाभाई घसीटते हुए जा रहे थे। उनका पूरा शरीर लहूलुहान हो गया। रास्ते में कालीबाई खेत में काम कर रही थी। उसने देखा कि उनके गुरु को पुलिस गाड़ी में पीछे बांधकर घसीटते हुए लेकर जा रही है। कालीबाई के हाथ में हंसिया था। वह हंसिया लेकर दौड़ी और रस्सी काट दी। पुलिस इससे और बौखला गई। पुलिस ने गोलियां चला दी। पुलिस की गोली से कालीबाई का शरीर छलनी हो गया। गोली की आवाज सुनकर भील समाज एकत्र हो गया।

## वैश्विक हमलावर

डोनाल्ड ट्रंप अमनपसंद तो बिल्कुल नहीं हैं। सत्ता से बाहर रहने के दौरान उन्होंने अमेरिका के अनवरत चलने वाले युद्धों का विरोध किया था। उन्होंने दावा किया था कि अगर वे राष्ट्रपति होते तो यूक्रेन युद्ध कभी शुरू नहीं होता। ट्रंप के समर्थकों ने अमेरिका के वैश्विकवादियों को उसके अनवरत चलने वाले युद्धों के लिए दोषी ठहराया था। फिर भी ट्रंप के कार्यकाल में वाशिंगटन के सबसे करीबी सहयोगी इजरायल ने 13 जून को ईरान पर उस वक्त हमला करना शुरू कर दिया, जब अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत चल ही रही थी। शुरू में तो ट्रंप और उनके विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका इस जंग में शामिल नहीं है और उन्होंने ईरान को पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैनिकों या सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने के खिलाफ चेताया। ईरान ने निशाना नहीं बनाया। तेहरान का जवाबी हमला पूरी तरह से आक्रमणकारी इजरायल पर केंद्रित था। लेकिन, एक हफ्ता बाद जब इजरायल ईरान की बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने के लिए जूझने लगा, तब अमेरिका के बी-2 बमवर्षक विमानों ने जहां ईरान के सबसे ज्यादा किलेबंद फोर्डो परमाणु संयंत्र पर बंकर-तोड़ बम गिराए, वहीं अमेरिकी पनडुब्बियों ने नतांज और इस्फहान परमाणु संयंत्रों पर टॉमहॉक मिसाइलें दागी। इस प्रकार यह साफ तौर पर ट्रंप का युद्ध बन गया। वह शांति का वादा कर-के सत्ता में आए थे और मात्र छह महीनों में ही वह एक जंगबाज और वैश्विक हमलावर बन गए हैं। जहां तक जंग का सवाल है, तो अमेरिका ने अपनी गलतियों से शायद ही कुछ सीखा है। उसने 2001 में जब अफगानिस्तान पर हमला किया था, तो अलकायदा को मिटाने, तालिबान को हराने और उस देश को लोकतांत्रिक बनाने की कसमें खाईं थीं। लेकिन, 20 साल बाद उसने इस देश को तालिबान को वापस सौंप दिया। इसने 2003 में यह झूठ बोलकर इराक पर हमला किया (और उसे तबाह कर दिया) कि बगदाद के पास सामूहिक विनाश के हथियार हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

# Three lessons for today from Emergency 1975

Come June 25, India will be observing the 50th anniversary of a murderous attack on its democracy. Announcing the cabinet decision last July, Home Minister Amit Shah had said that, as a reminder of how Indira Gandhi had thrown lakhs of people behind bars for no fault of their own and the way media's voice was muzzled, the government had decided to observe every June 25 as 'Samvidhaan Hatya Diwas'. He further stated, "This day will commemorate the massive contributions of all those who endured the inhuman pains of the 1975 Emergency."

On March 21, 1977, India Gandhi decided to withdraw the Emergency after the results of that year's Lok Sabha elections were announced. While the electoral verdict was the last nail on the coffin, many other factors hugely contributed to compel Mrs Gandhi to backtrack. One of them was the satyagraha movement started mainly by the RSS and Sangh-inspired organisations.

The RSS's role in mobilising the satyagraha movement was appreciated by many, including by some who were diehard opponents of RSS ideology. Achyutrao Patwardhan, a noted socialist leader, is on record saying, "I am pleased to learn that the volunteers of the RSS, as well as any other group of political resistance, were willing to openly collaborate and support those who opposed Emergency and are able to work with enthusiasm and integrity, against the diabolical regime that resorts to blatant repression and lies."

Deeply impressed by the satyagrahis' valour in leading the movement in the face of police atrocities and brutality, CPI(M) leader A K Gopalan observed, "There must be some high ideal giving them indomitable courage for such a heroic act and sacrifice." (June 9, 1979, Indian Express).The history of the Emergency, conducted in a draconian manner that independent India has never witnessed, has three key lessons that all Indians must learn. Firstly, the dynasty-driven political parties pose a serious threat to democracy. Remember, most dynastic parties emerged on the political horizon of India around the 1970s. It was in that decade that many dynasties tightened their stranglehold on otherwise ideology-driven parties and converted them into family businesses.There is reason to believe that Indira Gandhi's brand of politics inspired them. By the late 1960s, Indira Gandhi realised that she was almost totally isolated in her party. Deeply disturbed by this, instead of re-building bridges, she chose to create her own party, only to realise that she could completely rely only on her close family members—especially her younger son Sanjay Gandhi. In the mid-1970s, with the opposition parties coming together and sharpening their attack, media roundly criticising her and anti-corruption youth movements in Gujarat and Bihar gaining momentum, a sense of insecurity overwhelmed Indira Gandhi's mind. Alone at the top and suspicious of her colleagues in Congress—although it was completely under her control—she found dependable support in only in Sanjay. Her dependence was so complete that although she rescinded Sanjay's directives on June 25, 1975 to cut power supply to media houses and keep high court chambers under lock, she couldn't directly confront her son.

Over the years, the Indira-Sanjay duo became a model to orchestrate son-rises in different political parties. Remember, it is the post-Emergency era that has witnessed the emergence of younger generations among the Thackerays, Stalins, Abdullahs and the Yadavs of UP and Bihar coming forward to take control of the parties earlier helmed by their fathers. It would not be an exaggeration to suggest that the Emergency emboldened many to convert their parties into family fiefdoms. Dynastic parties do not just lack in ideology-based policy perspectives, but also promote birth-based discrimination, something that our Constitution rejects lock, stock and barrel.

# 50 years after Emergency, our democracy still fragile

**The most important question for us today is — what have we learnt, what can we learn from the experience of the Emergency**

REMEMBERING is somewhat easy, not forgetting much more difficult. Remembering involves recalling. In the case of the Emergency that was declared on June 25, 1975, just 50 years back, one can resurrect much of what happened in the following 21 months in considerable detail. The events are well chronicled and, above all, etched in the memory of those who lived through that period. The more challenging task is 'not forgetting', for it entails learning from that experience so that we are not "condemned to repeat" the same mistakes.

Hence, the most important question for us today is — what have we learnt, and even more importantly, what can we learn from the experience of the Emergency?

Looking back at those tumultuous months, perhaps the most important lesson for us is that there is a distinction between the letter of the law and the spirit of the law, and it is the latter that can nurture democratic life.

In 1975, the Allahabad High Court set aside Prime Minister Indira Gandhi's Lok Sabha election victory on the grounds of electoral malpractices. Although the Supreme Court stayed that verdict, the opposition within the House and outside asked for her resignation on moral grounds. They questioned her moral legitimacy to rule and govern, invoking as it were, an appeal to the conscience (and not merely to the letter of the law) to do the right thing.

Mrs Gandhi prioritised political judgement over the moral one and we know the consequence of that decision. In the hustle and bustle of electoral competitive politics, the moral frequently loses out to the practical-political, and every time that happens democracy takes a step back. How can we bring the 'moral' back into political life?The Emergency has left us with this difficult question, and even today we are no closer to answering it. However, what that period in our history has shown is that democracy stays on track when governments take note of the concerns raised by the Opposition. When they dismiss them, as Mrs Gandhi did then, democracy is at risk.Our Constitution has provisions for declaring state and national emergency along with clauses for 'preventive detention'. In fact, in 1975, the Emergency was declared under the existing constitutional provisions. The suspension of civil liberties and political rights, mass arrests of Opposition leaders, journalists and other dissenting voices under MISA (Maintenance of Internal Security Act) that allowed indefinite preventive detention, search and seizure without warrant, muzzling of the freedom of the press, postponement of elections to central and state legislative bodies, and with it, the concentration of power in the hands of the central executive, was made possible by the invocation of Article 352.This, more than anything else, has made us aware that our democracy is fragile and our rights vulnerable.

We cannot take either for granted. In 1975, even the Supreme Court ruled that writ petitions challenging the legality of detention could not be considered by the court during the period of the Emergency. Hence, without continuous vigilance by citizens and all institutions, we may always remain vulnerable.A few lessons have been learnt. In 1978, the 44th Amendment of the Constitution stipulated that Articles 20 and 21 (dealing with personal liberty) could not be suspended even during a declared Emergency. Since then, the Supreme Court has also made some course correction. Reflecting on its own (in)action during the Emergency, it has extended and strengthened the right to liberty. In 2017, a Constitutional Bench ruled that the right to life and liberty is inalienable and its limitation must be in accordance with a procedure that is fair, just and reasonable.All these important changes in the institutional framework are a product of 'not forgetting' the Emergency. However, much more still needs to be done. When legal scholars note that the rules for granting bail remain flexible, open to considerable interpretation, at times presuming guilt rather than innocence, then the task of protecting the citizen's democratic rights remains unfinished and warrants urgent attention.No democracy is perfect. Each has its own weaknesses. In parliamentary democracies, elections often give one party the majority of the seats, and this allows it to shape laws and policies. Mrs Gandhi advised the President to declare the Emergency without a formal meeting and endorsement by the full Cabinet, saying that the threat of internal disturbances warranted immediate action. In hindsight, we can only underline the need for strengthening processes of formal consultation in an environment where different points of view are likely to be expressed. It did not happen in 1975 and democracy got derailed.The Emergency did not merely suspend democratic rights. The policies during this period — from compulsory sterilisation to reporting dissent — were successfully and energetically pursued by innumerable officials at various levels. Writing about the extermination of Jews, Hannah Arendt argued that horrific acts of terror and violence were carried out by individuals who saw themselves as following orders. Bureaucratic structures promote this form of thoughtlessness and 'banality of evil'.We could question that analysis and say that individuals always have a choice. When the Emergency was declared, some resigned from their positions and refused to endorse the government's diktat. But expecting such heroic action from most people is unrealistic. Usually, the costs of critically assessing one's actions, or the attraction of promised rewards, take their toll. These vulnerabilities can only be addressed by creating a system in which each institution is held responsible and accountable for its actions and individuals within them protected by norms of collective action.

# New Olympics chief faces stiff challenge

**The State must ban such labour practices and offer them dignified economic rehabilitation. Their dignity is their right, not a largesse bestowed by social privilege**

Thomas Bach's words summed up the importance of Kirsty Coventry's position in the world of sport. "With her election, you (members) have also sent a powerful message to the world: the International Olympic Council continues to evolve," declared the outgoing IOC president during the handover ceremony on June 23, which marks the birth of the modern Olympics. "As the first woman and first African to hold this position—and indeed the youngest IOC president since Pierre de Coubertin—she reflects the truly global nature and the youthful, forward looking spirit of our Olympic community." Coventry is also the first to be elected from a developing country. In short, she made history the moment she took the key to the Olympic House in Lausanne from Bach.The transfer of the key is more than symbolic as it indicates that the two-time Olympic gold medallist from Zimbabwe now holds the most powerful position in all of sport.

A lot is expected of her. During the last three months of the initiation period, she has shown glimpses of what is to come while saying she would prefer more consultation among members and that she would prefer to listen first. Her first step towards that was a two-day 'Pause and Reflect' session with members. Yet, the world she is walking into is more politically charged and divided than ever before. Amid persisting geopolitical tensions, Russian athletes are still not allowed to participate under their national flag. It needs to be seen how she and her team react to a world where global leaders are increasingly using sport to further their political ambitions. Then there is the Trump factor facing the sporting community, with two of the biggest events—the men's football World Cup and the Olympics—to be held in the US in the next three years. Coventry will be directly associated with LA 2028's organising committee.

India would be looking towards Coventry with hope, especially with the country's intention to host the 2036 Olympic Games. The Indian Olympic Association has sent the letter of intent and there has been buzz on the ground as well. Given the new IOC president's roots in a developing country, India would be hoping for a closer association. The mental strength she exhibited while winning Olympic medals will be put to test again—this time as the IOC chief.

# Protect data without hurting business

**The blacklisting approach to regulating the cross-border flow of personal data can disrupt the operations of multinational companies in India. A key concern is that neither the DPDP Act of 2023 nor the draft rules of 2025 specify adequacy, standard contractual clauses, or binding corporate rules for such transfers**

Under the Digital Personal Data Protection Act 2023 and its recently-released draft rules, personal data can be freely transferred to a foreign country and processed there as long as the country is not blacklisted by the Union government. The blacklisting approach is in contrast to the earlier approach of restricting data transfers only to a select list of countries.The current provisions have a direct impact on the multinational companies that process, store and collect personal data in multiple countries. For instance, if an MNC operating in India is located in a blacklisted country, then its operations would effectively cease under the DPDP Act. But it's not clear what happens if it is located in a whitelisted country, but the data is transferred to one of its branches operating in a blacklisted country where it gets processed. The Act and the draft rules have not addressed this issue.Given that some amount of personal data is essential for providing goods and services, foreign companies operating in countries to which data transfers are prohibited (once notified by the government) may face challenges in conducting business in India. If data is already being transferred to a country that the government later restricts, immediate action would be required to halt such transfers. This gives rise to the question—is it desirable to put an outright ban on multinational organisations operating in blacklisted country without having a specific mechanism to regular cross-border transfer of data? The blacklist approach under the DPDP Act and the draft rules can backfire and harm businesses operating in India.

The Union government will issue the blacklist, based on factors it considers relevant. However, there is no clarity on what these factors would be. Neither has an illustrative or comprehensive list of factors been mentioned in the Act or the draft rules nor has an obligation been imposed on the government to outline the mechanisms for regulating this list. This is necessary as greater transparency is needed to prevent arbitrary decision-making.

It is pertinent to note here that the DPDPA's extraterritorial scope extends its applicability to data fiduciaries outside India, which means foreign companies collecting personal data of individuals in India must comply with the same. Cross-border data transfers will be allowed to all countries unless the government issues a notification prohibiting transfers to any specific country. Unlike privacy regulations around the world, the DPDP Act doesn't specify particular mechanisms such as adequacy decisions, standard contractual clauses, or binding corporate rules for cross-border data transfers. It was anticipated that the government would clarify through the draft rules. But that has not happened. As such, the government's decision to blacklist certain geographic locations for cross-border data transfer may be arbitrary, discretionary and discriminatory.There is also the possibility that India's data localisation regime can land us in disputes before the World Trade Organization. Under the 1995 General Agreement on Trade in Services' privacy framework, WTO members need to take a balanced approach when it comes to privacy rights and trade. Article XIV(c)(ii) of the agreement lays down that it should not prevent member states from adopting measures necessary to ensure compliance with laws related to protecting individuals' privacy in the transfer of personal data. Article IV specifies such measures should not lead to arbitrary or unjustifiable discrimination between countries. Therefore, India's blacklisting strategy must not lead to arbitrary or unjustifiable discrimination between countries.This is in contrast to the cross-border transfer of data under the European Union's General Data Protection Regulation (GDPR) that lays down a specific mechanism to facilitate cross-border transfer of data. Under the GDPR, cross-border data transfers are permitted only if adequate protection of personal data is ensured by the receiving organisation or country. As per Article 45 of the GDPR, cross-border transfers can take place provided they follow the corporate rules given in Article 47 of the GDPR. Alternatively, there needs to be compliance with safeguards mentioned in Article 46 of the GDPR for the crossborder transfer to take place. These include standard data protection clauses, binding corporate rules, codes of conduct, certification mechanisms and ad hoc contractual clauses. The government should explore similar safeguards while regulating cross-border data transfers.Additionally, the transfer of cross-border data will have to take place in accordance with sector-specific laws. The DPDP Act stipulates that sector-specific laws will be given precedence. For instance, the IRDAI (Outsourcing of Activities by Indian Insurers) Regulations 2017 states that records pertaining to policyholders need to be confined to the Indian jurisdiction. This means even if the cross-border transfer of data is permitted for whitelisted countries, the IRDAI regulations will take precedence and cross-border transfer of policyholders' data will not be permitted. This could pose potential obstacles when it comes to enforceability of the DPDP Act as sector-specific laws are ever-evolving and will thereby restrict the extent of cross-border transfer of data.

The restriction on transfer of cross-border data can have an adverse impact on India's trade and business. The upcoming DPDP rules should address the above challenges to make it a robust legislation that achieves its objective of protecting personal data without harming India's economic interests.

## EPFO increases auto-settlement limit to Rs 5 lakh

**New Delhi.** The Employee provident fund officer (EPFO) has increased the auto-settlement limit for advance claims from existing Rs1 lakh to Rs 5 lakh, enabling members to receive higher funds in time of need.EPFO had first introduced auto-settlement of advance claims during the COVID-19 pandemic to provide quick financial assistance to members. Since then the facility has been extended to cover advance claims for illness, education, marriage, and housing purposes. These claims are processed automatically by the system without any human involvement, ensuring quick turnaround and transparency.

This step is part of EPFO's broader push to improve service delivery by using technology, said a labour ministry statement.With the elevated limit of Rs 5 lakhs, additional advance claims will now qualify for auto-settlement, leading to their processing within three days of submission. This enhanced limit and faster access to funds will help members get timely financial support when they need it the most.

In 2024–25, EPFO achieved a significant milestone by successfully processing a record 2.34 crore advance claims through auto-settlement, reflecting a sharp increase of 161% over the previous year. Around 59% of all advance claims in 2024–25 were settled through the auto mode.Continuing this upward trajectory, in the first two and a half months of FY 2025–26, EPFO has already auto-settled 76.52 lakh claims, constituting around 70% of all advance claims settled so far. This growth highlights EPFO's strong focus on automation and delivering faster, more efficient services to its members.

The labour ministry in a statement said that the move reaffirms the government's commitment to enhance ease of access for EPFO members. It said that the EPFO will continue to leverage technology and process simplification to ensure a seamless and efficient service experience. These reforms have not only accelerated the claim settlement process but have also contributed to minimising member grievances, further enhancing ease of living for the member.

## Oil prices fall below $70 as Trump announces ceasefire between Israel and Iran

**New Delhi.** Oil prices dropped below $70 a barrel following US President Donald Trump's announcement of a ceasefire agreement between Israel and Iran. Global oil benchmark Brent Crude — which had surged more than 13% after the escalation between the two countries— was trading at $67.89 a barrel, while WTI (West Texas Intermediate) was at $65.05 a barrel as of 8:18 pm IST.

The 12-day-long conflict appeared to come to an end after Trump declared the ceasefire on Truth Social, describing it as "complete and total." He stated that Iran would begin the ceasefire, followed by Israel twelve hours later, with a formal end to the conflict marked after 24 hours. "During each ceasefire phase, the other side will remain peaceful and respectful," he added.However, Iran denied that any agreement had been reached, though it indicated a pause in military operations. "As of now, there is no 'agreement' on any ceasefire or cessation of military operations. However, provided that the Israeli regime stops its illegal aggression against the Iranian people no later than 4 am. Tehran time, we have no intention to continue our response afterwards," said Iran's foreign minister Seyed Abbas Araghchi in a social media post.The conflict, which broke out on June 13, 2025, had caused oil prices to spike from around $64–65 per barrel to $74–75 per barrel due to fears of supply disruptions in the Middle East—responsible for roughly a third of global oil production.Although no major oil infrastructure was significantly damaged during the escalation, there were concerns about potential blockages of key maritime choke points—particularly the Strait of Hormuz, which handles about 20% of global crude and 25% of LNG (liquefied natural gas) shipments. The Strait is the main exit route from the Persian Gulf for oil exports from Saudi Arabia, the UAE, Kuwait, Qatar, Iraq, and Iran, and represents a large portion of the world's spare production capacity.

## Personal Finance Advisor Reveals How India's New-Age Investors Are Reaping Rs 50 Lakh Profit In Real Estate

**New Delhi.** While most mutual fund investors are content with 12% CAGR over 10 years, some real estate investors subtly surpass 18–22% IRR by compounding hard assets, argues personal finance expert. "This is how India's new-age rich play the long game." These are the views expressed by Sujith SS, founder of the personal finance platform Moneydhan, in his LinkedIn post. Passive commercial incomeTo explain an investment idea, Sujith presented a financial case study and introduced Riya in his LinkedIn post. He says in the first year, Riya books two units for a new branded project launched in Gurgaon. "She's buying early due to price entry discount," he writes.Sujith says that at launch, the flat costs Rs 1.2 crore. Similar flats nearby are going for Rs 1.5 crore. That's a 20% discount. Riya books it with a staggered payment plan. "No EMI yet. No loan disbursement. Just early commitment," he writes.The tower is halfway up in year two, and the cost has slightly increased to Rs 1.4 crore. Demand is growing from NRIs and rental brokers. By year 3, as possession draws closer, the market value of her flat has increased to Rs 1.75 crore. Riya sells one unit and books a clean Rs 50 lakh gain. The other unit, she "Rent it out, earn 6% yield, and refinance against it at cheap rates," he writes.Sujith says that money from the sale of the flat is invested in a commercial unit. "Money that came after selling is invested into a pre-leased commercial unit near Nh8.

# Hindalco to acquire US-based AluChem for $125 mn

**The acquisition will be carried out through Aditya Holdings LLC, a stepdown wholly owned subsidiary of Hindalco**

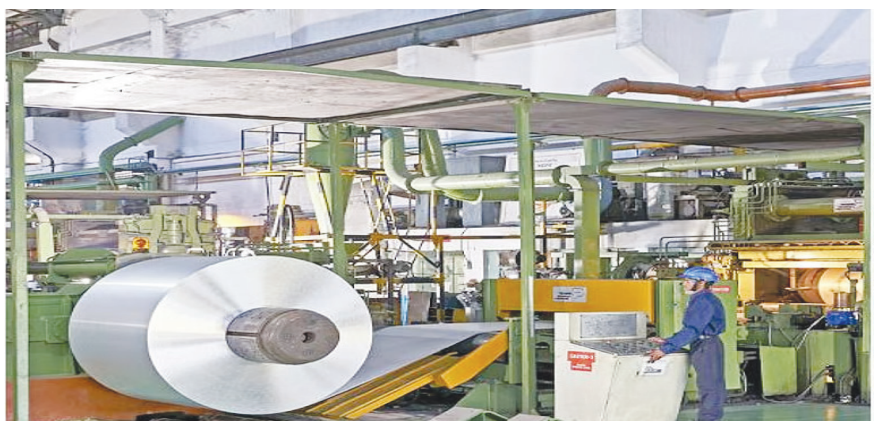

**New Delhi.** Hindalco Industries Limited, the metals flagship of the Aditya Birla Group, has announced the acquisition of a 100% equity stake in US-based AluChem Companies, Inc., a prominent manufacturer of Specialty Alumina, for an enterprise value of $125 million (around Rs 1,050 crore), the company said in a statement. The acquisition will be carried out through Aditya Holdings LLC, a stepdown wholly owned subsidiary of Hindalco."This strategic acquisition marks a significant investment in specialty alumina, a key step in scaling its high-value, technology-led materials portfolio," the company said on Tuesday.

The transaction is expected to close in the upcoming quarter, subject to customary closing conditions and regulatory approvals.The company said that Hindalco's Specialty Alumina business, a key pillar of its value-added strategy, has delivered consistent double-digit growth in recent years and emerged as a high-growth, high-margin vertical within the company's portfolio.As specialty alumina finds newer applications across cutting-edge sectors such as electric mobility, semiconductors, and precision ceramics, this acquisition, according to the company, propels Hindalco up the innovation curve -- enabling access to next-generation alumina applications and driving value-accretive growth."This acquisition is an important step in our global strategy to build a leadership position in value-added, high-tech materials. Our strategic foray into the specialty alumina space will not only accelerate the development of future-ready, sustainable solutions but also open new pathways to pursue high-impact growth opportunities," said Kumar Mangalam Birla, Chairman of Aditya Birla Group.He added that by integrating advanced technologies into our value chain, we are reinforcing our commitment to self-reliance, import substitution, and building scale in innovation-led businesses.

The global Specialty Alumina market is projected to grow significantly, with increasing demand for tailored solutions in sectors ranging from ceramics and electronics to aerospace and medical applications. Hindalco currently operates 500,000 tonnes of specialty alumina capacity and aims to scale up to 1 million tonnes by FY30.AluChem brings Hindalco a strong presence in North America with an annual capacity of 60,000 tonnes across its three advanced manufacturing facilities in Ohio and Arkansas. The company is a long-established supplier of ultra-low soda calcined and Tabular Alumina—materials known for their exceptional thermal and mechanical stability used in cutting-edge applications in high precision mechanical components, and energy-intensive industrial refractories.

# Indian markets rise on easing geopolitical tensions and falling crude prices

**BSE Sensex up 586 points of 0.73% to 82,641, while Nifty?50 gained 0.68% to 25,214.2.**

**CHENNAI.** Wednesday (June?25) marked a broad risk-on session for Indian markets, supported by calmer geopolitical signals and lower crude prices. Benchmark indices, BSE Sensex rose 586 points of 0.73% to 82,641, while Nifty?50 gained 0.68% to 25,214.2.Gains were driven by relief from falling oil prices and optimism following a tentative ceasefire between Israel and Iran .All sectoral indices were in green territory, with meaningful contributions from IT, FMCG, mid/small caps, and select heavyweight stocks. Still, investors should remain watchful of stretched valuations, foreign outflows, and potential flare-ups in geopolitical tensions (notably around the Strait of Hormuz).Nifty MidCap +0.43%, Nifty SmallCap +1.36%. India VIX dropped nearly 3%, reflecting calmer market sentiment.Sectoral winners today were Nifty IT, up 1%, and Nifty FMCG, up 0.8%.The key drivers behind the rally include geopolitical ease, stable to lower oil prices and stronger rupee.Ceasefire news boosted global risk sentiment and helped oil prices drop sharply—US futures saw West

Texas Intermediate fall of about 3.2% and Brent crude about 3.4%. Brent crude softened to sub-$70 following the ceasefire—providing relief to India's import-heavy economy.The rupee strengthened 0.2% to ?85.82/USD amid lower US yields, and RBI's liquidity withdrawal (?1?trillion variable reverse repo auction) supported forward premiums .**Supply-Demand Imbalance in IPO**

Sensex has surged around 14% in six months, fueling a wave of IPOs (US?$1.75?billion expected this week) and secondary offerings amid stretched valuations.

**Global Context**

While MSCI World Index hit new highs, Asian and emerging market stocks reached their best levels since early 2022, and after Iran's missile strikes, Brent crude fell 7% intraday, with traders interpreting geopolitical signals as controlled and not targeting critical infrastructure.Iran's parliament voted to consider closing the Strait of Hormuz on June?22—a move carrying potential to disrupt oil flows, though deemed unlikely for now.

**Risks & Caution Ahead**

With Sensex up 14% over six months, record IPO/investment activity raises concerns of a bubble and potential correction if demand wanes. Similarly, any escalation in Middle East tensions may reignite oil price volatility.

## Jiohotstar closes in on Netflix, subscribers touch 300 million

**MUMBAI.** Jiohotstar's overall subscriber base has touched 300 million, just shy of the global OTT giant Netflix's last reported number of 301.63 million, the domestic streaming platform said on Wednesday.The recently concluded edition of the Tata IPL seemed to be aiding in the subscriber addition, which had stood at just 50 million in February as per a media report.The BCCI-promoted cricket league had many firsts in 2025, including digital viewership at 652 million crossing the 537 million on television, as per a report published by its parent Jiostar, which came into being in February this year with the merger of Reliance-led Jiocinema and Disney+Hotstar.

Sanjog Gupta, the chief executive for sports and live experiences for Jiostar, suggested that the high viewership also translated into revenues."We have managed to make this IPL the most monetised edition of the event and also the most monetised sporting event ever in India across advertising and subscription revenue," he said.It can be noted that in 2022, Disney Star had won the TV rights of the tournament by offering Rs 23,575 crore for five years, while the India digital rights was bagged by Reliance-backed Viacom18 for Rs 20,500 crore.There was a 5.16 per cent jump among those who watched the cricket league in the digital format -- then known as Jiocinema -- from 620 million last year.However, the growth was restricted by a marginal 1.6 per cent dip in the TV watchers from the year-ago edition's 546 million who watched it on Star Sports.The final fixture between Royal Challengers Bengaluru and Punjab Kings on June 3 won by the Virat Kohli-led team from the southern city, had a reach of 237 million on digital, and 189 million on television, Jiostar said in a report.It can be noted that in February, Jiostar had just 50 million subscribers which raced to 280 million by May with start of the cricketing league, as per a media report.Netflix had 301.6 subscribers across 190 countries as of end-December 2024, with over 18 million added in October-December 2024.The overall reach of IPL across digital and TV mediums for Jiostar stood at 1.19 billion, and the average daily reach touched 121 million on TV and 170 million on digital platforms, the report said.The report said 129 million of the TV viewers were on the higher-cost Star Sports HD, and added that 47 per cent of the overall viewers on Star Sports were women.On the digital front, the reach on the streaming platform Jiohotstar stood at 652 million, while the same on connected TV was 235 million and 417 million watched it on mobile phones.

# No one from Adani Group charged under US FCPA: Gautam Adani

**New Delhi.** Adani Group chairman Gautam Adani on Tuesday stated that no one from the Group has been charged with violating the US Foreign Corrupt Practices Act (FCPA) or conspiring to obstruct justice. He made the remark during the group's annual general meeting (AGM).Adani, along with several senior executives, is under investigation in the US for allegedly orchestrating a $265 million bribery scheme to secure solar energy contracts in India. According to the US Department of Justice (DOJ) and the Securities and Exchange Commission (SEC), between 2020 and 2024, Adani and his associates are alleged to have paid bribes to Indian officials in exchange for favorable energy deals. The authorities also allege that these actions were concealed from US investors during fundraising efforts.

The allegations include potential violations of the FCPA, as well as securities fraud and wire fraud. The Adani Group has strongly denied the accusations, calling them baseless. "We proved that true leadership is not built in sunshine but forged in the fire of crisis. This was tested again last year when we faced allegations from the U.S. Department of Justice relating to Adani Green Energy," Adani said."Despite all the noise, the fact is that no one from the Adani Group has been charged with violating the FCPA or conspiring to obstruct justice. We live in a world where negativity often echoes louder than the truth. As we continue to cooperate with legal processes, let me also reaffirm that our governance is of global standards, and our compliance frameworks are non-negotiable," he added.During the AGM, Adani also highlighted the group's performance, stating that even amid turbulence, the conglomerate recorded "record-breaking revenue, unprecedented growth, and historic profitability." Meanwhile, a Bloomberg report last month revealed that representatives of Adani have been in discreet talks with officials from the Trump-led U.S. administration. According to the report, the meetings began earlier this year and intensified in recent weeks, with Adani's emissaries arguing that the case conflicts with President Trump's current policy priorities. They are reportedly lobbying for the charges to be reconsidered or withdrawn. The developments come at a critical juncture for the Adani Group, which has been navigating regulatory and reputational challenges globally since a short-seller report last year triggered intense scrutiny of the conglomerate's financial practices.

# India to roll out incentive scheme for rare earth production 15-20 days

**Heavy Industries Minister H D Kumaraswamy said consultation with stakeholders is underway to decide the amount of the incentive programme. According to ministry officials, if the total incentive crosses Rs 1,000 crore, the scheme will be sent to the Union cabinet for approval**

**New Delhi.** With the rare earth material supply crisis looming large, the government is set to launch an incentive programme to encourage domestic production of these minerals. The government will roll out a scheme to subsidise domestic production of rare earth magnets in 15-20 days, Heavy Industries Minister H D Kumaraswamy said on Tuesday.The minister said that consultation ith stakeholders is underway to decide the amount of the incentive programme. According to ministry officials, if the total incentive crosses Rs 1,000 crore, the scheme will be sent to the Union cabinet for approval.The latest crisis emanates from stricter controls imposed by China on the export of seven rare earth elements and finished magnets. This revised framework demands detailed end-use disclosures and client declarations, including confirmation that products will not be used in defense or re-exported to the US. This added scrutiny has prolonged the clearance process to at least 45 days, leading to significant delays and a growing backlog that is tightening global supply chains. China is the world's dominant exporter of rare earth magnets, controlling over 70% of global Rare Earth Element (REE) production and over 90% of refining capacity.Kumaraswamy on Tuesday said India is looking at alternative sources for procurement of rare earth minerals in the interim period, including Japan and Vietnam. He informed that one Hyderabad-based company has promised to deliver 500 tonnes by this year-end.The secretary said the actual production of rare earth magnets will take about two years, and the government, along with the industry, is looking at alternative sources of procurement in the interim period, including Japan and Vietnam.

Rare earth magent, an alloy rare earth metal, are integral to Permanent Magnet Synchronous Motors (PMSMs), which are widely used in electric vehicles (EVs) for their high torque, energy efficiency, and compact size. Hybrid vehicles also rely on them for efficient propulsion. In Internal Combustion Engine (ICE) vehicles, their use is primarily limited to electric power steering and other motorized systems. Elements like Dysprosium (Dy), Terbium (Tb), Neodymium (Nd), and Praseodymium (Pr) are crucial for these magnets, especially in high-performance applications.Meanwhile, ministry officials said that said 30 automotive firms have sought authorisation from the Directorate General of Foreign Trade (DGFT) to import rare earth magnets from China a fortnight ago.

# UAE Ambassador to India launches landmark start-up series to power cross-border innovation

**Agency New Delhi.**

New Delhi: The UAE-India CEPA Council (UICC), in partnership with the Embassy of the United Arab Emirates in India, launched the UAE–India CEPA Start-up Series at a high-level event hosted at the Taj Mahal Hotel, Delhi. The initiative delivers on a key commitment under the UAE–India Comprehensive Economic Partnership Agreement (CEPA) to promote innovation-led collaboration and support the internationalisation of Indian start-ups.In his special address, Abdulnasser Alshaali, PhD, the UAE Ambassador to India, underscored the UAE's commitment to entrepreneurship and cross-border innovation. "Start-ups are central to the UAE–India economic corridor. Through this Series, the UAE-India CEPA Council seeks to connect India's brightest entrepreneurial minds with the UAE's world-class ecosystem, supporting their scale-up journeys while enriching our bilateral innovation landscape," he said.

The launch comes amid a period of strong economic momentum between the UAE and India. In FY 2023–24, bilateral trade reached USD 83.64 billion, marking a nearly 15% year-on-year increase since the CEPA came into effect. India's non-oil exports to the UAE surged by over 20%, while UAE foreign direct investment (FDI) into India tripled, rising from USD 1.03 billion in FY 2021–22 to USD 3.35 billion in FY 2022–23, making the UAE India's fourth-largest investor.

These gains further reinforce the UAE's enduring commitment to championing India's dynamic start-up ecosystem. Since 2000, UAE-based investors have channelled an estimated USD 20 billion into the Indian economy, fueling innovation, accelerating growth, and cementing the UAE's position as a key strategic partner.

Building on its efforts to deepen collaboration with India's innovation ecosystem, the launch event featured the signing of several Memoranda of Understanding (MoUs) between the

UICC and prominent academic and entrepreneurial institutions, including PRIME Meghalaya under the Meghalaya Basin Management Agency (M.B.M.A.), IDEATE Lab @ O.P. Jindal Global University, and Jamia Hamdard.

The event concluded with a presentation by Mr Ahmed Aljneibi, Director of the UICC, who unveiled the bold vision and strategic framework of the Start-up Series. He outlined how the initiative will culminate in a high-profile pitch event in New Delhi, where five exceptional start-ups will be selected to receive an exclusive UAE soft-landing package—including incubation support, business licencing, tailored mentorship, and direct access to leading investors, innovation hubs, and free zone networks across the Emirates.

The event drew over 100 participants from across the start-up, investment, policy, and media landscape. Attendees witnessed the unveiling of the official Start-up Series microsite and the premiere of a promotional trailer calling for applications from high-potential Indian ventures.

# India enters top 100 in UN's Sustainable Development Goals ranking

**Agency New Delhi.**

India has, for the first time, secured a place among the top 100 out of 167 countries ranked for their progress in achieving the Sustainable Development Goals (SDGs), according to a report published on Tuesday.According to the UN Sustainable Development Solutions Network's 10th and latest Sustainable Development Report (SDR), India ranks 99th on the 2025 SDG Index with a score of 67, while China ranks 49th with 74.4 and the US 44th with 75.2 points.India ranked 109th in 2024, 112th in 2023, 121st in 2022, 120th in 2021, 117th in 2020, 115th in 2019, 112th in 2018 and 116th in 2017.

Among India's neighbours, Bhutan takes 74th place with 70.5 points, Nepal ranks 85th with 68.6, Bangladesh 114th with 63.9, and Pakistan 140th with 57 points.

India's maritime neighbours, the Maldives and Sri Lanka, stood at 53rd and 93rd places, respectively.The SGDs were adopted in 2015 with the idea that to save the planet, no one should be left behind in the overall development matrix by 2030.The score measures progress on a scale of 0 to 100, where 100 indicates a country has achieved all 17 goals and 0 means no progress has been made.

The report's authors flagged that SDG progress has stalled at the global level, with only 17 per cent of the 17 targets projected to be achieved by 2030.

"Conflicts, structural vulnerabilities and limited fiscal space impede SDG progress in many parts of the world," said the report, with world-renowned economist Jeffrey Sachs as its lead author.European countries, especially the Nordic nations, continue to top the SDG Index, with Finland ranking first, Sweden second and Denmark third. A total of 19 out of the top 20 countries are in Europe.Yet even these countries face significant challenges in achieving at least two goals, including those related to climate and biodiversity, largely due to unsustainable consumption, the authors said.

# Domestic air traffic rises 1.89% to 14.05 million in May, says DGCA

**Agency New Delhi.**

India's domestic air passenger traffic increased 1.89 per cent to 14.05 million in May compared to that of the same month last year, according to the Directorate General of Civil Aviation (DGCA).

DGCA's monthly data showed the number of domestic passengers flown by Indian airlines in May 2024 was 13.79 million.In the previous month, IndiGo flew a total of 9.30 million passengers with a market share of

64 per cent, followed by the Air India Group, which recorded 3.72 million passengers, grabbing a 26.5 per cent market share.The two other major carriers, Akasa Air and SpiceJet, flew 0.74 million and 0.34 million passengers, respectively, during the month under review.Akasa's market share stood at 5.3 per cent, while SpiceJet's share in the total domestic passenger traffic was 2.4 per cent, as per the data.

In terms of scheduled integrity, IndiGo delivered the highest on-time performance at 84 per cent in May, followed by Air India, which clocked 79.7 per cent OTP from six key airports, as per data.The six airports are Delhi, Mumbai, Bengaluru, Hyderabad, Chennai, and Kolkata.

# Rail Fares To Increase From July 1, Officials Say Lowest Hike In 12 Years

**Agency New Delhi.**

Train fares are set to increase marginally next month, Railway Ministry officials said. While the fare in non-AC class in Mail and Express trains will be hiked by 1 paise per km, tickets for travelling in AC classes will be dearer by 2 paise per km."As compared to the previous fare revisions in 2020 and 2013, the current increase will be the lowest," a railway official told news agency PTI. "As far as suburban train and monthly season tickets are concerned, it has been decided not to increase any fare in the interest of daily commuters," the official added.

The official said that second-class fare up to 500 km of travel will remain unchanged. For distances over 500

km, fares may be hiked by half paisa per km.

According to officials, train fare was last hiked on January 1, 2020. Then, second-class fare for ordinary and Mail/Express trains was increased by 1 paisa/km and 2 paise/km, respectively. Fares in sleeper classes and all AC classes went up by 2 paise/km and 4 paise/km, respectively.

"Before 2020, it was in 2013 when the train fares for all classes were revised significantly. For instance, the second-class fare for ordinary trains was raised by 2 paise and the second-class fare for Express/Mail trains increased by 4 paise. The sleeper class fare went up by 6 paise," the official said. "In 2013, all AC class fares, except AC II, were increased by 10 paise/km, and AC II fare went up by 6 paise/km."

July will see another major change in Railways, as the ministry has decided to incorporate Aadhaar-based OTP authentication into the ticket reservation system to cut off middlemen.

# Pak officer who captured Abhinandan Varthaman in 2019 killed in Taliban clash

**Pakistani Major Moiz Abbas Shah, who was involved in the 2019 capture of Indian pilot Abhinandan Varthaman, was one of two personnel killed in a clash with Tehreek-e-Taliban Pakistan (TTP) terrorists in the Khyber Pakhtunkhwa region.**

**Agency New Delhi.**

Pakistani Major Moiz Abbas Shah, who was involved in the 2019 capture of Indian pilot Abhinandan Varthaman, was one of two personnel killed in a clash with Tehreek-e-Taliban Pakistan (TTP) terrorists in the Khyber Pakhtunkhwa region.Security forces killed 11 terrorists, while two security personnel also lost their lives, during an intelligence-based operation (IBO) in the South Waziristan district of Pakistan, the military said in a statement on Tuesday.

Following India's attack on a terrorist-training camp at Balakot in Pakistan's Khyber Pakhtunkhwa province on February 26 - twelve days after the Pulwama attack - Pakistan responded with a plan to target India's military installations. A fleet of up to 24 fighter jets headed towards India, drawing a prompt response from India. An aerial dogfight ensued.

Abhinandan Varthaman, then wing commander, was part of the Indian pushback team of Srinagar-based 51 Squadron.His plane, too, was shot down by Pakistan fighter jets. Abhinandan Varthaman ejected the plane to land on the other side of the Line of Control (LoC).Abhinandan Varthaman became the focus of India-Pakistan tension after his capture. Hectic back-channel communications took place. India reportedly foiled Pakistan's attempt to use Abhinandan Varthaman as a bargaining tool with a blunt warning of further retaliation.

Finally, Pakistani Prime Minister Imran Khan announced Abhinandan Varthaman's release as a "gesture of peace" - a decision that was widely seen as a victory of the Modi government's aggressive intent. PM Modi soon said Abhinandan Varthaman made India proud.Abhinandan Varthaman returned to India 58 hours after he was captured by Pakistan. He walked through the Attari-Wagah border on the night of February 28.

# IAF to get at least 6 Tejas jets by March, delays due to engine unavailability: HAL chief

**Agency New Delhi.**

The Indian Air Force will get at least half-a-dozen Tejas Light Combat Aircraft by March 2026, Hindustan Aeronautics Ltd CMD D K Sunil has said, weeks after the IAF chief flagged serious concerns over delays in the delivery of the jets.Sunil, chairperson and managing director of the aviation behemoth, attributed the delivery delays to US defence major GE Aerospace missing the deadline for supply of its engines to power the fighter jets.The slippage in the delivery schedule for the LCA Mk-1A variant of the jet had become a major issue with Chief of Air Staff Air Chief Marshal A P Singh raising the matter publicly.

Sunil said the delay was caused only due to the US firm's inability to supply the F404 engines on time.In an exclusive interview with PTI Videos, the HAL chief said GE Aerospace is expected to supply 12 engines in the current fiscal. This will facilitate delivery of the jets to the IAF.

"Every company goes through its fair share of criticisms. It does happen. Unfortunately, in the case of LCA

Mark 1A, we have built the aircraft. As of today, we have six aircraft lined up," he said."But the engine deliveries have not happened from GE Aerospace. They were to deliver the engines in 2023. Till date, we have got only one engine," he added.

The delay from GE side was initially due to production timelines falling behind during the Covid pandemic, and the subsequent departure of many senior engineers from the company, causing cascading supply chain bottlenecks.

According to Sunil, the technical issues with GE Aerospace have been sorted out and HAL is set to receive 12 jet engines by March 2026."I can assure you that as of today, six aircraft are ready. There is no let up from our side. We are building those aircraft and getting them ready and we will be in a position to deliver (by this fiscal)," he said.

HAL plans to produce 16 jets in the coming year provided there is steady flow of engine supplies by GE Aerospace.In February 2021, the defence ministry sealed a Rs 48,000 crore deal with HAL for the procurement of 83 Tejas Mk-1A jets for the IAF.The ministry is also in the process of procuring 97 more LCA Mk-1As at a cost around Rs 67,000 crore.

# Man Wearing Burqa Enters Delhi Teen's Home, Pushes Her From 5th Floor

**New Delhi.**A 26-year-old man has been arrested for allegedly killing a 19-year-old woman by pushing her off the fifth-floor rooftop of her residence in northeast Delhi's Ashok Nagar. The accused, identified as Taufeeq, a resident of Rampur in Uttar Pradesh, was taken into custody late on Tuesday night after a brief period in hiding. The incident was first reported to the Jyoti Nagar Police Station around 8:30 am on Monday. According to the police, the victim,

Neha, was found in critical condition after being allegedly pushed from the rooftop of her family's residence. She was rushed to Guru Teg Bahadur (GTB) Hospital, where she died of her injuries later that day.

To conceal his identity and avoid detection by the victim's family and neighbours, Taufeeq entered the residential building wearing a burqa. During interrogation after his arrest, Taufeeq admitted that he used the disguise to gain direct access to Neha without raising alarm.

CCTV footage shows a figure in a burqa entering the building and later leaving under suspicious circumstances. Investigators are working to reconstruct the full timeline of events using footage from multiple cameras positioned around the complex.

# Nitish Katara murder case: SC grants furlough to Sukhdev Pehalwan; orders security for Neelam Katara

**The top court, earlier while hearing the matter pulled up the State and had issued a contempt notice to the Government of National Capital Territory of Delhi for its failure to comply with the directions of the court on taking decisions on remissions applications.**

**Agency New Delhi.**

The Supreme Court on Wednesday (June 25) granted three-month furlough to Sukhdev Yadav alias Pehalwan who was awarded 20-year jail term in the Nitish Katara murder case.

A bench comprising Justice Ujjal Bhuyan and Justice K Vinod Chandran granted the relief to Pehalwan on his plea challenging a Delhi High Court order dismissing his plea seeking his releasing on furlough for three weeks.

The bench also directed authorities to provide security to Neelam Katara, the mother of Nitish Katara.

The bench, while granting Pehalwan three-month furlough, noted that he has has served 20-year uninterrupted jail term without remission and directed that he be produced before the trial court within a period of seven days and appropriate conditions be imposed on him by the trial court before grant of furlough.Yadav said in his plea that he had served the entire sentence of 20 years as per the order of the court and the High court by refusing him to grant furlough failed to appreciate that he is entitled to avail furlough as he satisfies the eligibility conditions as laid down in Rule 1223 of Delhi Prison Rules, 2018.

"The Hon'ble High Court all throughout has relied upon the judgement convicting the petitioner (Pehalwan) completely ignoring the fact that the offence in question dates back to the year 2002 and thereafter the petitioner has reformed himself which is reflected from his nominal roll that shows the jail conduct of the petitioner to be satisfactory, the condition necessary for being released on furlough," Pehalwan said in his plea.

Pehalwan's plea seeking furlough was opposed by the State.

The top court, earlier while hearing the matter pulled up the State and had issued a contempt notice to the Government of

National Capital Territory of Delhi for its failure to comply with the directions of the court on taking decisions on remissions applications.

"We have seen in several cases concerning the grant of remission that either the assurances given on behalf of the Delhi Government are not complied with or the orders of this Court are not complied with," the top court earlier observed.

The apex court on October 3, 2016 awarded 25-year jail term without remission to Vikas Yadav and his cousin Vishal Yadav for their role in the Nitish Katara murder case and co-convict Pehalwan was awarded a 20-year jail term for his role in the case.

They were convicted and sentenced for kidnapping Nitish Katara from a marriage party on the intervening night of February 16 and 17, 2002 and then killing him for his alleged affair with Bharti Yadav, sister of Vikas Yadav and daughter of Uttar Pradesh politician DP Yadav.

NEWS BOX

## Vietnam government abolishes death penalty for spying, anti-state activities

**HANOI.** Vietnam has abolished the death penalty for eight crimes including espionage, graft and attempting to overthrow the government, state media said Wednesday.The number of offences facing capital punishment will be almost halved from an original 18 to 10 from July, according to the penal code approved by the National Assembly, the official Bao Chinh Phu news portal reported.According to the amended law, the crimes no longer punishable by death include attempting to overthrow the administration, sabotaging state facilities, production and trade of counterfeit medicine, illegal transportation of narcotics, sabotaging peace and waging war, espionage, property embezzlement and bribe-taking.Convicts would instead be given the maximum sentence of life in prison.

Minister of Public Security Luong Tam Quang said "the current structure of capital punishment was problematic and, in some cases, misaligned with evolving socio-economic conditions and the realities of crime prevention."One of the reasons for the move given by Minister of Justice Nguyen Hai Ninh was that in most cases people sentenced to death for the above crimes were not actually executed.

"The abolishment of capital publishment for several crimes will also serve international cooperation work, especially when Vietnam is promoting closer relations on the basis of mutual trust," Ninh was reported as saying.Vietnam has carried out death sentences by lethal injection since 2013 when it replaced execution by firing squad.The number of executions has not been made public, but Amnesty International estimates more than 1,200 people were on death row in Vietnam by the end of 2023.

Under Vietnamese law, those sentenced to death for the above eight crimes before July 1 will have their sentences converted to life imprisonment by the chief judge of the Supreme People's Court.

## AI fakes duel over VP Sara Duterte impeachment in Philippines

**MANILA.** Days after the Philippine Senate declined to launch the impeachment trial of the country's vice president, two interviews with Filipinos arguing for and against the move went viral.

The schoolboys and elderly woman making their cases were AI creations, examples of increasingly sophisticated fakes possible with even basic online tools."Why single out the VP?", a digitally created boy in a white school uniform asks, arguing that the case was politically motivated.The House of Representatives impeached Sara Duterte in early February on charges of graft, corruption and an alleged assassination plot against former ally and running mate President Ferdinand Marcos.

A guilty verdict in the Senate would result in her removal from office and a lifetime ban from Philippine politics.But after convening as an impeachment court on June 10, the senior body immediately sent the case back to the House, questioning its constitutionality.Duterte ally Senator Ronald dela Rosa shared the video of the schoolboys -- since viewed millions of times -- praising the youths for having a "better understanding of what's happening" than their adult counterparts.The vice president's younger brother Sebastian, mayor of family stronghold Davao, said the clip proved "liberals" did not have the support of the younger generation.When the schoolboys were exposed as digital creations, the vice president and her supporters were unfazed."There's no problem with sharing an AI video in support of me. As long as it's not being turned into a business," Duterte told reporters."Even if it's AI... I agree with the point," said Dela Rosa, the one-time enforcer of ex-president Rodrigo Duterte's drug war.Five minutes' work

The video making the case for impeachment -- also with millions of views -- depicts an elderly woman peddling fish and calling out the Senate for failing to hold a trial.

## US intelligence report says strikes did not destroy Iran nuclear program, Trump responds

**WASHINGTON.** A classified preliminary US intelligence report has concluded that American strikes on Iran set back Tehran's nuclear program by just a few months, rather than destroying it as claimed by President Donald Trump.However, President Donald Trump and the White House on Tuesday sharply pushed back against a new intelligence assessment.US media on Tuesday cited people familiar with the Defense Intelligence Agency findings as saying the weekend strikes did not fully eliminate Iran's centrifuges r stockpile of enriched uranium.The strikes sealed off entrances to some facilities without destroying underground buildings, according to the report.In a post on Truth social, Donald Trump said that the report was fake and aimed at demanding the military strike. “Fake news CNN, together with the failing New York Times, have teamed up in an attempt to demean one of the most successful military strikes in history. The nuclear sites in Iran are completely destroyed! Both the Times and CNN are getting slammed by the public,” he wrote.White House Press Secretary Karoline Leavitt confirmed the authenticity of the assessment but said it was "flat-out wrong and was classified as 'top secret' but was still leaked."

"The leaking of this alleged assessment is a clear attempt to demean President Trump, and discredit the brave fighter pilots who conducted a perfectly executed mission to obliterate Iran’s nuclear program," Leavitt posted on X."Everyone knows what happens when you drop fourteen 30,000 pound bombs perfectly on their targets: total obliteration," she added.

# Who is Zohran Mamdani Meet the Indian- origin New York City mayoral candidate and son of director Mira Nair

**Mamdani is the son of Indian-origin parents, renowned filmmaker Mira Nair, known for films such as Salaam Bombay! and Monsoon Wedding, and academic Mahmood Mamdani, an Indian-born Ugandan scholar.**

**world.** In a landmark political upset, 33-year-old democratic socialist Zohran Mamdani has clinched the Democratic nomination for New York City mayor, defeating former governor Andrew Cuomo in a high-stakes, closely watched ranked-choice primary on Tuesday night.With 89% of precincts reporting an hour after polls closed at 9 p.m., Mamdani led the field with 44% of first-choice votes, while Cuomo trailed at 36%. City Comptroller Brad Lander secured 11%.Cuomo conceded defeat Tuesday night, following the first round of vote tallies.Mamdani's campaign centered on the cost of living jolted the contest, told supporters, “I will be your Democratic nominee for the mayor of New York City,”

“I will be the mayor for every New Yorker, whether you voted for me, for governor Cuomo, or felt too disillusioned by a long-broken political system to vote at all,” he said. “I will work to be a mayor you will be proud to call your own.”Cuomo, who had been the front-runner throughout a race that was his comeback bid from a sexual harassment scandal, conceded the election, telling a crowd he had called Mamdani to congratulate him."Tonight was not our night," Cuomo, a political veteran who was vying to come back from a sexual harassment scandal, told supporters at an election night party. "I called him, I congratulated him...he won."Mamdani's early lifeBorn on October 18, 1991, in Kampala, Uganda, Mamdani is the son of Indian-origin parents, renowned filmmaker Mira Nair, known for films such as Salaam Bombay! and Monsoon Wedding, and academic Mahmood Mamdani, an Indian-born Ugandan scholar.

He spent his early childhood in Cape Town, South Africa, attending St. George’s Grammar School, before moving to New York City at the age of seven.

He later graduated from the Bank Street School for Children and the Bronx High School of Science. In 2014, he earned a bachelor’s degree in Africana Studies from Bowdoin College.

Activism and political rise

Mamdani’s political activism began during college, where he co-founded a chapter of Students for Justice in Palestine.

He later volunteered for Khader El-Yateem’s 2017 City Council campaign, managed Ross Barkan’s State Senate bid, and organized for Tiffany Cabán’s Queens District Attorney race.In 2019, he was elected to the New York State Assembly representing the 36th District, which includes Astoria and Long Island City.

His legislative work focused on affordable housing, public transit, and immigrant rights—issues that became central to his citywide campaign.Personal life and public appealA practicing Shia Muslim, Mamdani married Syrian artist Rama Duwaji earlier this year.Mamdani’s identity and progressive platform have energised younger, left-leaning voters across the city, drawing a sharp contrast with Cuomo’s more moderate support base.

With the Democratic nomination now secured, Mamdani is on track to make history. If elected in November, he would become New York City’s first Muslim and first Indian-American mayor.

# Explosive kills seven Israeli soldiers in Gaza inside an armored vehicle, military says

**JERUSALEM.** Seven Israeli soldiers were killed Tuesday in the southern Gaza city of Khan Younis when their armored vehicle was struck by an explosive, an Israeli military official said Wednesday.The official, who spoke on the condition of anonymity in line with military regulations, said six of the soldiers’ names had been cleared for publication, while one was still being kept confidential.Also in the area of Khan Younis area, one soldier was seriously wounded Tuesday by weapons fire, the military said.

Al-Qassam Brigades, Hamas’s military wing, said on its Telegram channel it had ambushed Israeli soldiers taking cover inside a residential building in southern Gaza Strip.Some of the soldiers were killed and other injured after they were targeted by a Yassin 105 missile and another missile south

Khan Younis, Hamas said. Al-Qassam fighters then targeted the building with machine guns.It was not immediately clear whether the two incidents were the same.Gaza’s Health Ministry said Tuesday that Israel’s 21-month military operation in Gaza has killed 56,077 people. The war was sparked by Hamas’ surprise attack on southern Israel on Oct. 7, 2023, that killed around 1,200 people dead, mostly civilians, and took 251 others hostage. Many hostages have been released by ceasefire or other agreements.

The death toll is by far the highest in any round of Israeli-Palestinian fighting.

The ministry said the dead include 5,759 who have been killed since Israel resumed fighting on March 18, shattering a two-month ceasefire.

The ministry doesn’t distinguish between civilians and combatants but says more than half of the dead were women and children.

Israel says it only targets militants and blames civilian deaths on Hamas, which operates in heavily populated areas. Israel says over 20,000 Hamas militants have been killed, though it has provided no evidence to support that claim. Hamas has not commented on its casualties.

# A whirlwind 48 hours: How Trump's Israel-Iran ceasefire agreement came together

**WASHINGTON.** In a 48-hour whirlwind, President Donald Trump veered from elated to indignant to triumphant as his fragile Israel-Iran ceasefire agreement came together, teetered toward collapse and ultimately coalesced.Trump, as he worked to seal the deal, publicly harangued the Israelis and Iranians with a level of pique that's notable even for a commander in chief who isn't shy about letting the world know what he thinks.The effort was helped along as his aides and Qatari allies sensed an opening after what they saw as a half-hearted, face-saving measure by Tehran on Monday to retaliate against the U.S. for strikes against three key nuclear sites. And it didn't hurt that Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu, after 12 days of bombing, could tell the Israeli public that Iran's nuclear program had been diminished.“This is a War that could have gone on for years, and destroyed the entire Middle East, but it didn’t, and never will!” Trump declared in a social media post announcing the ceasefire.Netanyahu is less than enthusiastic about Trump’s messageThe agreement began taking shape early Sunday morning, soon after the U.S. military carried out blistering strikes on Iranian nuclear sites that U.S. defense officials said

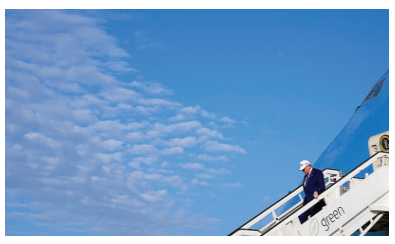

have set back Tehran's nuclear program.Trump directed his team to get Netanyahu on the phone.

The president told Netanyahu not to expect further U.S. offensive military action, according to a senior White House official who was not authorized to comment publicly about the sensitive diplomatic talks.The U.S. president made the case that it was time to stop the war and return to diplomatic negotiations with Iran. Trump also noted that the U.S. had removed any imminent threat posed by Iran, according to the official.For his part, Netanyahu listened to Trump's argument as Israel was nearing its own objectives with Iran, the official said. Netanyahu did not enthusiastically agree, but understood Trump’s stance that the U.S. had no desire for additional military involvement.Around the same time, Trump special envoy Steve Witkoff spoke directly with Iranian Foreign Minister Abbas Araghchi, telling him to come back to the bargaining table because Iran had seen what the U.S. military could do and that it was capable of doing much more, the official said.Witkoff stressed that the U.S. wanted peace — and Iran should, too.Trump ebullient about Israel-Iran deal prospectsLess than 48 hours later, Trump took to his social media platform to announce that a “Complete and Total CEASEFIRE” had been achieved.The ceasefire was based solely on the end of military hostilities, rather than on additional conditions about Iran’s nuclear program or its economic interests.

# Indian- American Democratic socialist Zohran Mamdani declares victory in NYC mayoral primary

**NEW YORK.**Zohran Mamdani declared victory in New York City’s Democratic mayoral primary Tuesday night after Andrew Cuomo conceded the race in a stunning upset, as the young, progressive upstart who was virtually unknown when the contest began built a substantial lead over the more experienced but scandal-scarred former governor.Though the race’s ultimate outcome will still be decided by a ranked choice count, Mamdani took a commanding position just hours after the polls closed that put him in a distant first place.With victory all but assured, Mamdani, a 33-year-old democratic socialist whose energetic campaign centered on the cost of living jolted the contest, told supporters, “I will be your Democratic nominee for the mayor of New York City,”

“I will be the mayor for every New Yorker, whether you voted for me, for governor Cuomo, or felt too disillusioned by a long-broken political system to vote at all,” he said. “I will work to be a mayor you will be proud to call your own.”Cuomo, who had been the front-runner throughout a race that was his comeback bid from a sexual harassment scandal, conceded the election, telling a crowd he ha called Mamdani to congratulate him."Tonight was not our night," Cuomo, a political veteran who was vying to come back from a sexual harassment scandal, told supporters at an election night party. "I called him, I congratulated him...he won."Cuomo trailed Mamdani by a significant margin in the first choice ballots and faced an exceedingly difficult pathway to catching up when ballots are redistributed in New York City’s ranked choice voting process.

Mamdani would be the city’s first Muslim and Indian American mayor if elected. Incumbent Mayor Eric Adams skipped the primary. He’s running as an independent in the general election. Cuomo also has the option of running in the general election.

“We are going to take a look and make some decisions,” Cuomo said.Unofficial results from the New York City’s Board of Elections showed that Mamdani was ranked on more ballots than Cuomo.

Mamdani was listed as the second choice by tens of thousands of more voters than Cuomo. And the number of votes that will factor into ranked choice voting is sure to shrink. More than 200,000 voters only listed a first choice, the Board of Elections results show, meaning that Mamdani’s performance in the first round may ultimately be enough to clear the 50% threshold.The race’s ultimate outcome could say something about what kind of leader Democrats are looking for during President Donald Trump’s second term.The vote took place about four years after Cuomo, 67, resigned after a barrage of sexual harassment allegations. He entered the race touting deep experience, strong political connections and a juggernaut fundraising apparatus, running a campaign that depicted the city as a dangerous, out-of-control place that needed a steady hand to put it back on track.

# NATO leaders meet for what could be a historic summit or a divided one

**THE HAGUE.** U.S. President Donald Trump and his NATO counterparts will meet formally Wednesday for a summit that could unite the world's biggest security organization around a new defense spending pledge or widen divisions among the allies.Just a week ago, things had seemed rosy. NATO Secretary-General Mark Rutte was optimistic the European members and Canada would commit to invest at least as much of their economic growth on defense as the United States does for the first time.Then Spain rejected the new NATO target for each country to spend 5% of its gross domestic product on defense, calling it “unreasonable.” Trump insists on that figure, but doesn't say it should apply to America. The alliance operates on a consensus that requires the backing of all 32 members.Trump has since lashed out at Prime Minister Pedro Sánchez's government, saying: “NATO is going to have to deal with Spain. Spain’s been a very low payer." He also criticized Canada as “a low payer.”European allies and Canada also want Ukraine to be at the top of the summit agenda, but they are wary that Trump might not want President Volodymyr Zelenskyy to steal the limelight.The two-day summit has been overshadowed by Trump's decision to order the bombing of nuclear installations in Iran. In 2003, the U.S.-led war on Iraq deeply divided NATO, as France and Germany led opposition to the attack, while Britain and Spain joined the coalition.A short summit, decades of mutual securityThe summit in The Hague involved an informal dinner Tuesday and one working session Wednesday morning. A very short summit statement has been drafted to ensure the meeting is not derailed by fights over details and wording.Indeed, much about this NATO summit is brief, even though ripples could be felt for years.Founded in 1949, the North Atlantic Treaty Organization was formed by 12 nations to counter the threat to security in Europe posed by the Soviet Union during the Cold War, notably via a strong U.S. presence on the continent.Dealing with Moscow is in its DNA. Keeping the peace outside the Euro-Atlantic area is not.NATO’s ranks have grown to 32

countries since the Washington Treaty was signed 75 years ago. Sweden joined last year, worried by an increasingly aggressive Russia.NATO’s collective security guarantee — Article 5 of the treaty — underpins its credibility.It’s a political commitment by all countries to come to the aid of any member whose sovereignty or territory might be under attack. Trump has suggested he is committed to that pledge, but he has also sowed doubt about his intentions. He has said the U.S. intends to remain a member of the alliance.Asked again on Tuesday whether he would abide by NATO's security guarantee, Trump said: “There’s numerous definitions of Article 5, you know that, right? But I’m committed to being their friends.” He added only that he is “committed to life and safety.”A civilian runs NATO, but the U.S. and its military hold powerThe United States is NATO’s most powerful member. It spends much more on defense than any other ally and far outweighs its partners in terms of military muscle. Washington has traditionally driven the agenda but has stepped back under Trump.

NEWS BOX

## Canada beats El Salvador 2-0, advances to CONCACAF Gold Cup quarterfinals

**HOUSTON.** Jonathan David and Tajon Buchanan scored 2 minutes, 35 seconds apart early in the second half and Canada defeated El Salvador 2-0 on Tuesday night to reach the CONCACAF Gold Cup quarterfinals.El Salvador, which was eliminated, finished two men short after Santos Ortíz and Jairo Henríquez were ejected late in the first half.Canada won Group B with seven points and advanced to a quarterfinal against Guatemala on Sunday in Minneapolis, with the winner moving on to a semifinal against the U.S. or Costa Rica.

In the other quarterfinals, Mexico meets Saudi Arabia and Panama plays Honduras, both on Saturday in Glendale, Arizona.El Salvador was last in the group with one point, becoming the 14th team not to score a goal in the group stage.Canada coach Jesse Marsch returned from a two-game suspension assessed for his conduct during the CONCACAF Nations League third-place match against the U.S. in March.David

scored in the 53rd minute, his Canada record 35th goal in 66 appearances. He took a pass from Mathieu Choinière, turned and beat goalkeeper Mario González to the far post with a diagonal shot from about 15 yards.

González had jumped to his left to save David's penalty kick in first-half stoppage time after a foul by Jefferson Valladares on Jacob Shaffelburg.Buchanan scored his eighth goal in the 56th, lifting the ball over González after a feed from Niko Sigur, who had intercepted Diego Flores' pass

Ortíz received yellow cards in the 13th and 35th minutes, the second for a lunging tackle from behind on Sigur. Henríquez got a red card in the ninth minute of first-half stoppage time for elbowing Alistair Johnston in the head.Ortíz and Henríquez will be suspended when El Salvador starts the third round of World Cup qualifying in September.Honduras defeated Curaçao 2-1 at San Jose, California, on Luis Palma's goal in second-half stoppage time.Panama beat Jamaica 4-1 at Austin, Texas, behind Ismael Díaz's hat trick to win Group C with a 3-0 record, and the Reggae Boyz were eliminated in the group stage for the first time since 2009. Guatemala beat Guadeloupe 3-2 in Houston.

## England chases down 371 runs to beat India in series opener at Headingley

**LEEDS.** England brilliantly paced a mammoth chase of 371 runs to beat India by five wickets and take the series-opening Headingley test on Tuesday with 14 overs to spare.England pulled off the 10th highest successful run chase in test history by playing clinically and confidently on a fifth-day pitch and in conditions, especially in the morning and afternoon, that suited India's bowlers.Ben Duckett's and Zak Crawley's magnificent opening partnership of 188 — knocking off more than half of the required runs — underpinned a chase that was ultimately finished in style by Jamie Smith's massive knee-down six over long-on.After a wicketless morning, pacers Prasidh Krishna and Shardul Thakur were India's surprising wicket-takers in the afternoon. When spinner Ravindra Jadeja claimed captain Ben Stokes after tea with 69 runs needed, the chase finally became tense.But Joe Root, 53 not

out, and Smith, 44 not out, removed all drama by hitting the remaining runs without giving India a sniff.The odds were heavily against England when it resumed the chase on a gloomy morning on 21-0, needing 350 more runs. But England strengthened its reputation for gunning down big targets. It achieved its 12th successful run chase in 14 chances at home under coach Brendon 'Baz' McCullum.In a big year for England with four more home tests against India followed by the Ashes in Australia, England said it was prioritizing winning over entertainment. And this wasn't a typical "Bazball" crash-bang chase, but grown up "Bazball," measured and controlled. The asking run rate was just under four an over and England stayed around it.

"What a mint test match," Stokes told the BBC. "To get to day five and come home with the win is amazing and what a game to be a part of. A great start to the series.

# New Zealanders hail Auckland City's amateurs as 'heroic' after CWC draw with Boca Juniors

**Auckland lost 10-0 to Bayern Munich and 6-0 to Benfica in its first two matches, leading to questions over FIFA's decision to allow a team of part-timers to compete with the professional superstars of world soccer.**

**WELLINGTON.** It might not have been the shot heard around the world but it was a goal that reverbrated 13,000 kilometers (8,000 miles) away when Auckland City FC scored Tuesday to draw 1-1 with Boca Juniors at the FIFA Club World Cup.Christian Gray, a trainee teacher at Mt. Roskill Intermediate School in Auckland, rose to meet the corner of Jerson Lagos, a barber, and headed in the equalizer as the mostly-amateur team from New Zealand held Diego Maradona's fasmous old Argentine club to a draw.

Auckland lost 10-0 to Bayern Munich and 6-0 to Benfica in its first two matches, leading to questions over FIFA's decision to allow a team of part-timers from Oceania, it's smallest confederation, to compete with the professional superstars of world soccer.

Even Auckland City's local paper, the New Zealand Herald, joined the critics, suggesting the team had "damaged Auckland City FC's proud 20-year legacy" in FIFA events."It's been a trying few weeks," the Herald reported after two defeats. "In the past, Auckland City have been renowned for punching above their weight on the global stage, while usually having a couple of outstanding individuals. That hasn't quite been the case here."But Auckland City left its best to last, producing an outstanding performance to the satisfaction of FIFA president Gianni Infantino, who was among the crowd at the match in Nashville.

"It's been a tough trip, you know, we've had some tough results but just happy for the team," Gray said. "I think we deserve it. We got a little bit of respect back I hope.We rely on volunteers, we don't have a lot of money so I'm just happy that they're happy."

The New Zealand media hasn't paid close attention to the Club World Cup, mostly focused on the end of the Super Rugby competition. Soccer takes a back seat in rugby-mad New Zealand. But this result got prominant coverage.Radio New Zealand described the draw with Boca Juniors as "stunning.""Thanks to Gray's heroics and some incredibly committed defense, Auckland City managed to pull off a result that will reverberate strongly around the football world," RNZ said.The New Zealand Herald branded it "remarkable" and "famous.""The squad of real estate agents, teachers, sales reps, tradesmen and students would have hoped they could make a mark on the world stage while knowing it was probably impossible," the newspaper wrote. "But they have done it — against massive odds.Anyone around the football world coming across this result will be rubbing their eyes in disbelief. But it's true. It's all true."The Herald said Auckland City "will leave the tournament on a bit of a high, knowing that the painful journey has been worthwhile."A leading local news website, Stuff, said Auckland City "were rank outsiders against one of South America's most famous institutions.""Most of their team is comprised of amateur players who will be returning to their regular jobs at home. But they went toe to toe against one of South America's largest professional clubs that was home to Argentine icon Diego Maradona."Television New Zealand said Auckland City had been "humiliated" in its first two matches at the World Cup but their performance on Tuesday was "heroic."

It's unlikely a story of the same magnitude will be written in future. From now on Oceania — which includes the likes of New Zealand, Fiji and the Solomon Islands — will be represented by a professional team.

# Liam Delap scores his 1st Chelsea goal in 3-0 win over Esperance in Club World Cup

**Chelsea finished with six points, one behind Group D leader Flamengo, and will play Benfica on Saturday at Charlotte, North Carolina, in the round of 16.**

**PHILADELPHIA.** Liam Delap scored his first goal for Chelsea and Enzo Fernández has two assists in a 3-0 win over Esperance on Tuesday night that helped clinch a round-of-16 berth in the Club World Cup.Tosin Adarabioyo scored on a header from 7 yards from Enzo Fernández's free kick in the third minute off first-half stoppage time. Delap scored two minutes later, taking Fernández's pass with his back to the goal, dribbling around Yassine Meriah and slotting it past goalkeeper Bechir Ben Said.

Tyrique George scored from the top of the circle seven minutes into second-half stoppage time on a shot that went in off the hands of Ben Said.A crowd of 32,967 attended the match at Lincoln Financial Field on a 90-degree night during a heat wave. There were hydration breaks in both

halves.

**Key moment**

Delap's goal was his first since the 22-year-old joined Chelsea from Ipswich just before the tournament.

**Takeaways**

Chelsea finished with six points, one behind Group D leader Flamengo, and will play Benfica on Saturday at Charlotte, North Carolina, in the round of 16. Esperance finished third in Group D and was eliminated.

**What they said**

"Coming to this club of this size and getting my first goal means everything to me. Every goal is special, and this one is definitely up there." — Chelsea forward Liam Delap."We see that thepublic is always with us. Esperance fans are always present when we travel. There's great passion around the club." — Esperance midfielder Mohamed Wael Derbali.

## India should play Kuldeep Yadav in second Test: Monty Panesar

**NEW DELHI.** Former England spinner Monty anesar believes it's time for India to unleash Kuldeep Yadav at the expense of seam-bowling all-rounder Shardul Thakur in the second Test in Birmingham where spin is likely to play a bigger role.

India lost the first Test on Tuesday at Leeds as the hosts chased down a stiff 371 on the final day courtesy a brilliant 149 by opener Ben Duckett."At Edgbaston, India could probably play (Ravindra) Jadeja and could actually go for the X-factor spinner in Kuldeep Yadav...we know that the Edgbaston wicket does turn a little bit. So you have that bit of an X-factor, which I think would be a better option. There's something about him," Panesar told PTI Videos.Panesar, who played a pivotal role in England's last Test series win in India (2012), feels the numbers are strongly in Kuldeep's favour.The left-arm wrist-spinner has taken 56 wickets in just 13 Tests at an average of 22.16.

Thakur, in comparison, has 33 wickets in 12 Tests at a costlier average of 29.36 and a strike rate of 46.8."He doesn't need turning tracks. This IPL showed that even without exaggerated turn, he can bowl tough lines that make life difficult for batters," he added.

Thakur bowled just 16 overs and took two wickets giving away 89 runs in the first Test at Leeds and failed to make a meaningful impact with the bat, raising questions about his all-

round value on English pitches that are no longer seaming as much."If Shardul Thakur is only going to bowl six to eight overs and not give you 15 overs in the day, there's no point in playing him," Panesar pointed out.Pressed on whether India should pick Kuldeep instead of Jadeja, Panesar didn't hesitate.I think they need to play Kuldeep because he has more of an X factor. There's something about him. Jadeja bowls too quickly. So I think, yeah, they need to bring in Kuldeep Yadav instead of Jadeja. He becomes the main attacking option," he said.But Panesar acknowledged India may hesitate to play only one spinner, especially given Jadeja's ability to contain runs.I just think India won't go with that.

# Club World Cup: Benfica beats Bayern Munich in scorching heat to win Group C

**CHARLOTTE.** Andreas Schjelderup scored in the 13th minute to give Benfica a 1-0 victory over Bayern Munich in scorching heat on Tuesday, sending the Portuguese club to the top of Group C in the Club World Cup.The loss dropped Bayern Munich to second place as Boca Juniors was eliminated.The game was played in a 97 degree temperature (36 Celsius). Benfica winger Gianluca Prestianni was attended by the medical staff in the 25th minute due to heat-related issues and was replaced in the 55th.Schjelderup ran onto a cross from Fredrik Aursnes and scored with a right-footed shot from near the penalty spot.Bayern's Joshua Kimmich put the ball in the net in the 61st minute but the goal was disallowed because Harry Kane was in an offside position in the line of sight of

goalkeeper Anatoliy Trubin.

Bayern lost its first match of the tournament as it struggled to find a rhythm ahead of the knockout stages later this week, despite a late attacking effort including a disallowed goal.

**Key moment**

Schjelderup's early goal changed the dynamic. Though insufficient, Bayern made an attacking effort that fell short against Benfica's organized defense, leaving the German champions unable to find an equalizer despite increased pressure in the second half.

**Key stat**

Bayern started only four of players from the starting lineup in Friday's win over Boca Juniors and introduced all five substitutes at the start of the second half: Kane, Kimmich, Konrad Laimer, Michael Olise and Jonathan Tah.

**What they said**

"Opponents play tough .... In the end when the goalkeeper is the man of the match, then you did not do everything wrong." — Thomas Müller of Bayern Munich."It's an important victory.

# We need to give them time: Gambhir on India's mis-firing pace attack

**Gambhir felt that Prasidh, who got five wickets in the match despite going for plenty of runs, has "all the ingredients of becoming a very good Test match bowler".**

**LEEDS**. The lack of depth in India's bowling resources was exposed during the opening Test defeat to England but head coach Gautam Gambhir has urged critics to give the inexperienced pace attack more time in its "early days".Barring Jasprit Bumrah, who got five wickets in England's first innings, none of the other bowlers looked penetrative as the hosts chased down a target of 371 with minimum fuss on the fifth and final day of the match on Tuesday.The pace trio of Prasidh Krishna, Mohammed Siraj and Shardul Thakur was not consistent enough with the line and length."We will have to give them time. Earlier, we used to have four fast bowlers in the squad with an experience of more than 40 Tests. It doesn't make such a big impact in one-day or T20 matches, but when you go to Australia, England, or South Africa for Tests, experience matters," said Gambhir following the loss."These are early days. If we start judging our bowlers after every Test, how will we develop a bowling attack? Outside Bumrah and Siraj, we don't have that much experience, but they (the others) have quality, which is why they are in this dressing room."But we have got to keep backing them because it's not about one tour. It's about building a fast-bowler battery that can serve India for a long time in Test cricket."

Also part of the squad, Arshdeep Singh is yet to a play a Test while Harshit Rana has featured in only two games.He felt that Prasidh, who got five wickets in the match despite going for plenty of runs, has "all the ingredients of becoming a very good Test match bowler".

He also defended Shardul Thakur, who just

bowled 16 overs in the entire match with only six overs in the first innings."Sometimes captain goes with his instincts and Ravindra Jadeja gave us control in the first innings, that was important and we could rotate our three pacers at the other end," he said."We know what is Shardul's quality and that is why he is playing for India and is in the dressing room. Just because he is the fourth seamer does not necessarily mean that he has to be brought ahead of a spinner. A captain went by his instinct and depending on surface, we were playing."Sometimes people fail: Gambhir on lower-orderTwo late batting collapses in as many innings cost India dearly in the series opener.

They were on course to amass 600 in their first innings but ended up with 471, losing seven wickets for 41 runs.In the second innings, the visitors lost six for 31 to allow England to come back in the game once again."First of all, I'll tell you it's not that they were not applying themselves," Gambhir said of the tail."Sometimes people fail, and that's okay. I know it is disappointing and more importantly, I think they are more disappointed than anyone. Because they knew that we had the opportunity. If we had got up to 570, 580 in the first innings, we could have dominated from there."It's not that they're not working hard in the nets as well.

## Ankita Lokhande's Banter With

# Jannat Zubair

### And Reem Shaikh Is All Things Fun

Ankita Lokhande has been winning hearts with her culinary art and hilarious punchlines in the cooking-based reality show, Laughter Chefs: Unlimited Entertainment Season 2. In the show, she is paired with her husband, Vicky Jain. As the season is about to conclude soon, the actress gave special marriage advice to her co-contestants Jannat Zubair and Reem Shaikh and it will surely leave you in stitches.

In a video shared by the makers on Instagram, Ankita is seen lip-syncing to the funny audio, "Zabaan chalaogi na shaadi nahi hogi tumhari fir (You won't get married if you speak too much)." Replying to this, Jannat and Reem, too, lip-synced to the audio, "Apki kaise hui fir (Then how did you got married)," leaving the actress breaking into mock tears and the viewers in splits.Sharing the clip, the makers wrote in the caption, "Shaadi ka laddu tasty ho yaa naa ho but Laughter Chefs mein entertainment ka dose toh ekdum perfect milta hai!"As soon as the makers dropped the clip, the comment section was flooded with

reactions from fans and admirers. An Instagram user wrote, "Jannat rocked Ankita Shocked." Another one commented, "Ankita looking so beautiful." Some fans expressed their disappointment over the show going off air soon. One of them shared, "We'll miss this after some days."

Apart from the trio, Laughter Chefs 2 also features an ensemble cast including Krushna Abhishek, Kashmera Shah, Abhishek Kumar, Samarth Jurel, Ali Goni, Rubina Dilaik, Rahul Vaidya, Sudesh Lehari, Nia Sharma, Karan Kundrra, Elvish Yadav and Vicky Jain. Notably, Mannara Chopra and Abdu Rozik were also a part of the show but left midway.

According to Siasat.com, Aly Goni and Reem Shaikh have emerged as the winners of this season of Laughter Chefs 2. The two joined the show midway and instantly became fans' favourites. Aly got the most Stars this season, demonstrating his culinary prowess and comedic timing.

The first runner-up spot has been secured by Karan Kundrra and Elvish Yadav, while Rubina Dilaik and Rahul Vaidya got the third spot, according to Siasat.com, citing insiders. However, the makers are yet to confirm the same.

# Jacqueline Fernandez

### Felicitated At Italian Global Series Festival, Calls It An Honour

While the buzz around Housefull 5 continues, Jacqueline Fernandez has another reason to celebrate. This time, on the international stage. The actress was honoured at the 2025 edition of the Italian Global Series Festival (IGSF) in Rimini, where she was recognised for her contribution to cinema during the festival's grand opening night.

Sharing her joy online, Jacqueline posted photos from the prestigious event and penned a heartfelt message reflecting on the power of cinema. "Cinema as an art for me is not just about storytelling but a way to connect people across time, language, and continents. To be acknowledged for helping share that with the world means more than words can express! Grazie di cuore #IGSF2025 #ItalianGlobalSeriesFestival #Openingnight #TVseries #InEmiliaRomagna," she wrote.

The IGSF, known for celebrating excellence in both television and film on a global platform, saw Jacqueline among a select group of distinguished awardees this year. Being included in such company was clearly a moment of pride for the Kick actress, who added in her post, "@igsfestival it was an honour to be awarded here in Rimini at your prestigious event with all the extraordinary awardees in attendance. Here's to many more moments for us to celebrate cinema across the globe."

Professionally, Jacqueline has been keeping busy. She recently appeared in Housefull 5, a comedy blockbuster directed by Tarun Mansukhani, which released on June 6, 2025. The film featured an ensemble cast including Akshay Kumar, Sanjay Dutt, Riteish Deshmukh, and more.

In addition, she also starred in the web series Hai Junoon! Dream. Dare. Dominate, directed by Abhishek Sharma, alongside Neil Nitin Mukesh and Boman Irani.Jacqueline

Fernandez is a Sri Lankan actress who has made a successful career in the Indian entertainment industry. She has also featured in music videos and appeared on various reality shows. Raised in Bahrain, Jacqueline later pursued a degree in mass communication at the University of Sydney. She began her professional journey as a television reporter in Sri Lanka before transitioning into the world of modelling. In 2006, she earned the title of Miss Universe Sri Lanka and went on to represent her country at the Miss Universe pageant the same year.

## Shruti Haasan's X Account Hacked? Actress Posts Bizarre Tweets About Memecoins

Actress and singer Shruti Haasan raised eyebrows on Monday, June 24, 2025, after a series of unusual tweets appeared on her official X (formerly known as Twitter) account. They were memecoins and cryptocurrency-related content. The sudden posts have led fans to speculate that her account may have been hacked.The tweets, which were entirely out of character and unrelated to the actress's usual content, included phrases like "Wait… @mcuban really dropped a memecoin? Just spotted it on @JaredDudley619, assistant coach of the Mavs."

It had vague mentions of cryptocurrency projects. None of the posts provided context or explanations.

While Shruti Haasan has not issued an official statement yet, many believe her account was compromised. Some fans even took to the comments to ask if her account was hacked. As of now, the questionable tweets remain on her timeline, and no clarification has been provided by her team or representatives.

Meanwhile, Shruti is gearing up for her next big-screen outing in the much-anticipated Coolie, directed by Lokesh Kanagaraj and starring the legendary Rajinikanth. The film is slated to release on August 14, and expectations are already running high.

## When Alia Bhatt Admitted She 'Loved' Sidharth Malhotra: 'I'm Not Nachaoing Him...'

Alia Bhatt and Sidharth Malhotra shared undeniable on-screen chemistry when they debuted in Student of the Year (2012), the film that launched both their careers under Karan Johar. Their connection deepened during Kapoor & Sons (2016), and rumours of an off-screen romance emerged around the same time . Despite neither confirming it outright, they were often referred to as one of Bollywood's cutest pairs.

By 2017, their alleged one-year relationship ended, with Alia Bhatt later describing their split as mature and amicable. Before the breakup, Alia and Sidharth starred in Kapoor & Sons and during an interview with Rediff, she opened up on dating him. She had said, "I love him, there's no stress. I am not nachaoing (making him dance to my tune) him, in films or in real life."

Post break, she said, in a chat with DNA, "I have a lot of love and respect for Sidharth. I have known him for a long time and there's too much history between us. Honestly, there will never be issues. We have witnessed several milestones of our lives together. There are no bad vibes."

Sidharth echoed that sentiment during an appearance on Koffee With Karan, calling their breakup civil while talking about the shared history. "I don't think it's bitter. We haven't really met after that, to be honest. And it's civil. It's been a while and it happens… just like any other relationship. I have known her for much longer. I did know her much before, even before we were dating," he said.

Following the breakup, Alia and Sidharth distanced themselves personally, although they reconnected briefly at a Bollywood event in 2019, which Alia described as "extremely normal".

Both Alia and Sidharth have embraced married life wholeheartedly. Alia Bhatt found love with actor Ranbir Kapoor.

The couple got married in an intimate ceremony at their Mumbai home in April 2022. Later that same year, in November, Alia and Ranbir welcomed their first child, a daughter named Raha Kapoor. Meanwhile, Sidharth Malhotra married actress Kiara Advani in early 2023 in an intimate ceremony. They're now expecting their first child.